वर्ष 73 अंक 218 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 07 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 06, विक्रम संवत् 2083
नगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

सत्य अस्थायी रूप से पराजित सही, लेकिन बुराई की जीत से भी अधिक शक्तिशाली होता है।
- मार्टिन लूथर किंग जूनियर

प. बंगाल में हिंसा: सुवेंदु अधिकारी के पीए को मारी गोली, 24 घंटे में पांच की हत्या

पश्चिम बंगाल में कल भाजपा विधायक दल की बैठक, 9 मई को होगा नई सरकार का शपथ ग्रहण

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार रात कोलकाता के मध्यग्राम इलाके में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ चार गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। भाजपा ने इस हत्या के पीछे तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हाथ होने का आरोप लगाया है। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया और पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, चंद्रनाथ रथ पिछले 10 से 12 सालों से सुवेंदु अधिकारी के साथ जुड़े हुए थे और उन्हें सुवेंदु का बेहद करीबी माना जाता था। हाल के विधानसभा चुनावों में भी वे भाजपा के प्रचार अभियान और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। राज्य में 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान पांच लोगों की हत्या हो चुकी है। इनमें भाजपा और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के दो-दो कार्यकर्ता शामिल बताए जा रहे हैं।

इससे पहले भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा है कि 'नई सरकार में सबका हिसाब होगा', जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्साह और विपक्ष के खिलाफ आक्रामक राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। इधर, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा हटा दी गई है। ममता के आवास से बैरिकेड और पुलिसकर्मी भी हटाए दिए गए हैं। अभिषेक को जेड श्रेणी की सुरक्षा है।

हमले के बाद भाजपा नेता को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। (इनसेट में) चंद्रनाथ रथ।

10-12 साल से थे सुवेंदु अधिकारी के साथ

चंद्रनाथ रथ पिछले 10 से 12 सालों से सुवेंदु अधिकारी के साथ जुड़े हुए थे और उन्हें सुवेंदु का बेहद करीबी माना जाता था। हाल के विधानसभा चुनावों में भी वे भाजपा के प्रचार अभियान और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

टीएमसी कार्यालय ढहाया, आगजनी: कोलकाता के न्यू मार्केट इलाके में हिंसक भीड़ ने टीएमसी कार्यालय पर बुलडोजर चला दिया। इससे आसपास की कई दुकानों में नुकसान हुआ है। वहीं आसनसोल के कोर्ट मोड़ इलाके में टीएमसी कार्यालय में आग लग गई। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

सुरक्षा बलों पर हमला: उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली के बामनघेरी इलाके में भी तनाव बना हुआ है। यहां मंगलवार रात गश्त कर रही पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों पर हमला किया गया। उपद्रवियों की फायरिंग में पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। जांच के दौरान घटनास्थल से बम से भरा एक बैग भी बरामद किया गया है।

मुर्शिदाबाद के जियागंज में लेनिन की प्रतिमा को तोड़ा

इसी बीच मुर्शिदाबाद जिले के जियागंज में रूसी क्रांतिकारी नेता व्लादिमिर लेनिन की प्रतिमा तोड़ दी गई। वहीं जगतबल्लभपुर इलाके में टीएमसी कार्यालय में आगजनी की घटना भी हुई है। आमतला इलाके में टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में भी तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। टीएमसी ने आरोप लगाया है कि भाजपा समर्थकों ने पथराव किया और पोस्टर-बैनर फाड़ दिए। स्थिति को देखते हुए कई संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

तमिलनाडु: राज्यपाल ने विजय को बैरंग लौटाया

नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु में तमिलगा वेट्टी कझगम यानी टीवीके के प्रमुख और अभिनेता विजय के मुख्यमंत्री पद की शपथ फिलहाल टलती नजर आ रही है। बुधवार को विजय ने राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया, लेकिन बहुमत के आंकड़े को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं हो सकी है। विजय ने राज्यपाल को 112 विधायकों के समर्थन पत्र सौंपे हैं। इनमें टीवीके के 107 और कांग्रेस के 5 विधायकों के हस्ताक्षर शामिल हैं। हालांकि 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायकों का समर्थन जरूरी है। ऐसे में राज्यपाल ने विजय से स्पष्ट बहुमत का समर्थन पत्र पेश करने को कहा है। इसके बाद विजय ने अतिरिक्त समय मांगा है। टीवीके ने 108 सीटें जीती थीं, लेकिन विजय खुद दो सीटों से चुनाव जीते हैं। सदन की कुल प्रभावी संख्या 233 होगी और बहुमत का आंकड़ा 118 ही रहेगा। इसके लिए टीवीके को कांग्रेस के पांच विधायकों के अलावा 6 अन्य विधायकों का समर्थन जुटाना है।

छोटे दलों की भूमिका बढ़ी: विजय छोटे दलों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। सीपीएम और वीसीके जैसे दलों से बातचीत चल रही है। इसके अलावा अन्नाद्रमुक से भी संपर्क में हैं।

डीएमके बोली- अन्नाद्रमुक से गठबंधन नहीं

अन्नाद्रमुक और द्रमुक के गठबंधन की खबरों को अफवाह करार देते हुए द्रमुक ने साफ किया है कि उनकी अन्नाद्रमुक से कोई बातचीत नहीं हुई है। अन्नाद्रमुक से समझौते का कोई सवाल ही नहीं उठता। साथ ही द्रमुक ने टीवीके-कांग्रेस गठबंधन को लेकर कांग्रेस पर 'पीठ में छुरा घोंपने' का आरोप लगाया है।

- **अन्नाद्रमुक में असंतोष:** अन्नाद्रमुक के भीतर भी असंतोष और टूट की अटकलें तेज हैं। पार्टी के करीब 20 विधायकों के अलग रुख अपनाने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में हो रही है। हालांकि अभी तक किसी विधायक ने खुलकर समर्थन का ऐलान नहीं किया है।
- **राहुल के शपथ समारोह में शामिल होने की संभावना:** राहुल गांधी तमिलनाडु में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयारियां जारी हैं।

रिपोर्ट: 48 घंटे में रुक सकती है अमेरिका-ईरान के बीच जंग

14 सूत्रीय समझौते पर सहमति के करीब हैं दोनों देश

तेहरान, तेल अवीव, वॉशिंगटन, जेएनएन। पश्चिम एशिया में कई हफ्तों से जारी तनाव और सैन्य टकराव के बीच अमेरिका और ईरान युद्धविराम के बेहद करीब पहुंच गए हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के बीच एक 14 सूत्रीय समझौते का ड्राफ्ट तैयार हो चुका है, जिस पर अगले 48 घंटे में सहमति बन सकती है। यदि यह समझौता लागू होता है, तो न केवल जंग थमेगी बल्कि परमाणु कार्यक्रम, तेल व्यापार और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर लंबे समय से जारी विवाद भी कम हो सकते हैं। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच युद्ध रोकने और आगे की परमाणु वार्ता शुरू करने के लिए गुप्त स्तर पर बातचीत चल रही है। बातचीत में पाकिस्तान और कुछ यूरोपीय देशों की मध्यस्थता भी बताई जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्राफ्ट समझौते पर अंतिम सहमति बनने से पहले कुछ संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा जारी है। प्रस्तावित समझौते के तहत सबसे पहले तत्काल युद्धविराम यानी सीजफायर की घोषणा की जाएगी। इसके बाद अगले 30 दिनों तक विस्तृत वार्ता चलेगी, जिसमें परमाणु कार्यक्रम, अमेरिकी प्रतिबंध, तेल निर्यात और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही जैसे मुद्दों पर बातचीत होगी। इस वार्ता के लिए इस्लामाबाद और जिनेवा जैसे शहरों पर विचार किया जा रहा है।

ईरान कुछ सालों के लिए रोक सकता है परमाणु कार्यक्रम

समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी है। ड्राफ्ट के मुताबिक ईरान अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को कुछ वर्षों के लिए सीमित या अस्थायी रूप से रोक सकता है। बदले में अमेरिका धीरे-धीरे आर्थिक प्रतिबंधों में ढील देगा और ईरान की जब्त की गई अरबों डॉलर की संपत्ति वापस कर सकता है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य में दोनों देशों की ओर से लगाई गई पाबंदियों को भी हटाने पर सहमति बनने की संभावना है। हालांकि सबसे बड़ा विवाद परमाणु कार्यक्रम रोकने की अवधि को लेकर बना हुआ है। ईरान पांच साल की सीमा चाहता है, जबकि अमेरिका पहले 20 साल तक प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहा था। अब दोनों पक्षों के बीच 12 से 15 साल की अवधि पर समझौता होने की संभावना जताई जा रही है। प्रस्तावित 14 बिंदुओं में ईरान का परमाणु हथियार नहीं बनाने का वादा, संयुक्त राष्ट्र निरीक्षकों को अधिक अधिकार, अचानक निरीक्षण की अनुमति और उच्च स्तर के यूरेनियम भंडार को देश से बाहर भेजने जैसे प्रावधान भी शामिल हैं। भूमिगत परमाणु ठिकानों की निगरानी बढ़ाने और भविष्य में सीमित स्तर तक ही यूरेनियम संवर्धन की अनुमति देने पर भी बातचीत चल रही है।

ट्रंप की चेतावनी: ईरान पीछे हटा, तो अमेरिका करेगा बड़े हमले

उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि तेहरान समझौते को स्वीकार कर लेता है तो युद्ध समाप्त हो जाएगा और होर्मुज जलडमरूमध्य सभी देशों के लिए खोल दिया जाएगा। लेकिन अगर ईरान पीछे हटता है तो अमेरिका पहले से अधिक बड़े सैन्य हमले कर सकता है।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही सुरक्षित होगी: आईआरजीसी

ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स यानी आईआरजीसी ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही अब सुरक्षित रहेगी। ईरान ने संकेत दिए हैं कि सामान्य व्यापारिक जहाजों को रोका नहीं जाएगा, लेकिन अमेरिकी सेना के लिए हथियार ले जाने वाले जहाजों पर कार्रवाई हो सकती है।

T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. For details on safety features (including airbags), refer owner's manual. NEXA dealers exclusively provide all offers, which vary by model and variant. Offers are subject to availability of stock. ^Ex. showroom Price of ₹ 10.77 lakh, Consumer Offer (-) ₹ 25 000, Exchange Bonus (-) ₹ 30 000, Loyalty Upgrade Bonus (-) ₹ 20 000, Corporate Offer (-) ₹ 10 000 = ₹ 9.92 lakh. The actual effective price mentioned may vary based on the customer's eligibility, profile, and applicable offers at the time of purchase. Offer valid on Grand Vitara Sigma Variant. Maruti Suzuki may withdraw offers without notice. Offer valid till limited period. Features and accessories shown may not be part of the standard fitment. 'EMI @ Rs 8 999' is a scheme illustration for upgrade from Brezza to Grand Vitara Sigma variant. Balloon Finance EMI is calculated @ 9.5% rate of interest; Balloon EMI is 30% of the total loan amount and loan tenure of 5 years. Balloon Finance Scheme provided by select financiers.

घर में हार का क्रम तोड़ने और प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगी लखनऊ सुपरजाएंट्स (पेज : 11)

उफ यह उमस भरी गर्मी...

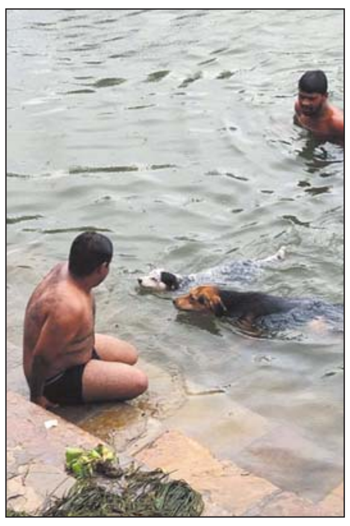

रीवा। गर्मी से राहत पाने बच्चे व युवा बुधवार को बीहर नदी में डुबकियां लगाते रहे। कुछ देर पानी में रहने के बाद वह फिर से घाट पर आकर बैठ जाते, जब धूप तेज लगने लगती तो फिर से नदी में कूदकर डुबकियां मारकर वापस घाट पर आ जाते, गत दिवस हुई बारिश से रात्रि में तो गर्मी का अहसास कम रहा, किन्तु बुधवार सुबह से उमस भरी गर्मी के कारण दोपहर तक वातावरण गर्म हो गया, जिससे निजात पाने बच्चों व युवाओं की टोली नदी की ओर निकल पड़ी। डुबकियां लगाने में घर के पालतू श्वान भी साथ थे, जिनकी डुबकियां देख हर कोई आश्चर्य चकित रहा।

छोटी पुल के आगे कहीं पानी की निकासी नहीं तो कहीं पक्की सड़क की समस्या

बरसात के पानी से लोग रहे परेशान

जागरण, रीवा। गत दिवस शहर में हुई बारिश से शहर के कई क्षेत्रों में जल जमाव हो गया, नेहरू नगर में घरों में पानी घुस गया, वहीं कॉलेज चौराहा, छोटी पुल, साईं मंदिर के सामने, सिरमौर चौराहा, ढेकहा, पड़रा, अमहिया आदि क्षेत्रों में भी पानी जमा हो गया, सीवरेज के लिए खोदी गई सड़कों के न बनने से खोदी गई सड़के कीचड़ से पट गई, बुधवार को भी शहर में भरा पानी व कीचड़ शहरवासियों के लिए परेशानी खड़ी करते रहे। अमहिया वार्ड क्रमांक-23 स्थित अर्जुन नगर में पूरी सड़क कच्ची है, बारिश होने से पूरी शहर दलदल में तब्दील हो गई, जो बुधवार को भी यथावत रहा, जिससे लोगों को कहीं जाने-आने में कीचड़ से सराबोर होना पड़ा, दोपहिया वाहन चालक व पैदल चलने वालों की हालत ही खराब हो गई, जबकि बड़े वाहन भी निकालने के दौरान मशक्कत करते दिखे।

डेढ़ फीट से अधिक भरा था पानी, आज भी भरा रहा : छोटी पुल के आगे सीवरेज लाइन के लिए खोदी गई सड़क तो फिलहाल खुदी ही है, लेकिन यहां किए गए डामरीकरण के दौरान यहां की नाली बंद कर दी गई, जिससे पानी की निकासी नहीं होती, गत रात्रि हुई बारिश से यहां सड़क पर लगभग डेढ़ फीट से अधिक पानी भर गया, लोगों का वाहन निकालना मुश्किल हो गया था, बुधवार को भी इस सड़क पर पानी भरा रहा, जिससे वाहन चालकों को वाहन निकालने में दिक्कत उठानी पड़ी, सबसे अधिक फजीहत छोटे वाहन चालकों की हुई। आसपास के रहवासियों ने बताया कि इस मार्ग पर चौबीस घंटे आवागमन बहाल रहता है, लेकिन यहां पानी की निकासी न होने से हमेशा से पानी भरता है, पिछले दिनों यहां पाइप लाइन फूट गई थी, जिसका पानी यहीं भरा रहता था, पानी इतना भर जाता है कि बहकर किनारे की दुकानों के अंदर घुस जाता है, कई बार दुकानदार शिकायत भी कर चुके किन्तु कोई सुनवाई करने को तैयार नहीं।

गर्मी में सुराप्रेमियों की हलक ठंडा करने मची लूट

बीयर की बॉटल पर 30 रुपए तक की मुनाफाखोरी

ठेकेदार एमआरपी से अधिक रेट पर बेच रहे शराब

शहर की दुकानों में सिंडीकेट, रोज ग्राहकों को लगा रहे लाखों रुपए का फटका

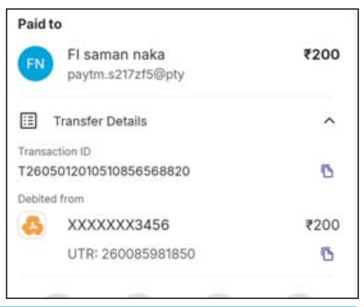
Paid to
FN Fl saman naka ₹200
paytm.s217zf5@pty
Transfer Details
Transaction ID
T2605012010510856568820
Debited from
XXXXXXX3456 ₹200
UTR: 260085981850

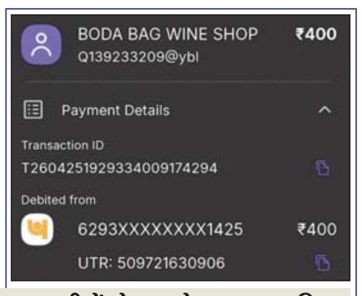
BODA BAG WINE SHOP ₹400
Q139233209@ybl
Payment Details
Transaction ID
T2604251929334009174294
Debited from
6293XXXXXXXX1425 ₹400
UTR: 509721630906

जागरण, रीवा

आबकारी आयुक्त ने शराब एवं बीयर एमआरपी से अधिक पर न बेचने के लिए दुकानों में क्यूआर कोड लगवाए हैं तो वहीं कुछ शराब ठेकेदार गर्मी के इस सीजन में ग्राहकों से बीयर की एक बॉटल पर एमआरपी से 30 रुपए तक ज्यादा वसूल रहे हैं। लगातार इसको लेकर शिकायतें की जा रही हैं, हालात यह हैं कि अलग-अलग ब्रांड पर 20 से 30 रुपए तक मुनाफाखोरी की जा रही है वह भी बिना किसी डर और भय के, क्योंकि ग्राहक यदि किसी तरह का विरोध या पूछताछ करते हैं तो शराब ठेकेदारों के गुर्गे धमकाते भी हैं और सिंडीकेट की बात करते हैं कि जहां भी जाओगे इसी रेट पर बीयर दी जाएगी। हालांकि इनकी बात सही भी है क्योंकि शहर के अलग-अलग शराब दुकानों में जब बीयर के रेट की पूछताछ की गई तो वहां रेट लगभग एक जैसे ही मिले। जिससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस प्रकार से खुलेआम नियमों को ताक पर रखते हुए सुराप्रेमियों से खुली लूट की जा रही है।

शहर की इन दुकानों मामले सबसे अधिक

शराब दुकानों में लूट के मामले में सबसे अधिक लूट के लिए समान क्षेत्र स्थित कम्पोजिट शराब दुकान का नाम लिया जाता है, यहां बीयर के साथ-साथ शराब के रेटों में भी भार लूट की जाती है, यहां 180 रुपए में मिलने वाली लेमाउंट बीयर को सेल्समैन ने पहले 210 की बताया और जब ऑनलाइन भुगतान की बात की गई तो उसने 200 रुपए में देने की बात कही और कहा कि ऑनलाइन भुगतान देश के प्रधानमंत्री की प्राथमिकता है, इसलिए 10 रुपए की छूट दी जा रही है। यहां किंगफिशर बीयर का रेट 250 रुपए बताया गया। इसी प्रकार बोदाबाग शराब दुकान में एक ग्राहक ने दो लेमाउंट बीयर खरीदी तो उससे 400 रुपए ऑनलाइन भुगतान लिए गये। सिरमौर चौराहा में भी लेमाउंट बीयर 200 रुपए की दी गई व किंगफिशर का रेट 250 रुपए बताया गया। इसके अलावा बीयर के केन में भी भारी लूट की जा रही है।

क्यूआर से पता करें सही कीमत

बॉटल पर लगी आबकारी विभाग की सील पर एक क्यूआर कोड रहता है, उसे कैमरा के गूगल लेंस से स्कैन करने पर आबकारी विभाग की वेबसाइट खुलती है उसे क्लिक करने पर खरीदी गई शराब या बीयर की कीमत सहित उसका पूरा विवरण आ जाता है। इसी तरह दुकानों पर लगाए गए ए फोर साइज के क्यूआर को स्कैन करने पर उसमें भी आबकारी विभाग की वेबसाइट खुलती है। उसे क्लिक करने पर दिए गए ऑप्शन फिल करने पर खरीदी गई शराब या बीयर की कीमत की पीडीएफ डाउनलोड हो जाती है। जिससे सही कीमत का पता लगाया जा सकता है।

एमआरपी से ज्यादा वसूलने पर तगड़ा जुर्माना : आबकारी विभाग के नियमों के अनुसार शराब या बीयर की बॉटल पर एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने पर उस दुकान की एक दिन की एक्साइज ड्यूटी जुर्माने के रूप में वसूलने का प्रावधान है। शहर की सबसे छोटी दुकान की एक दिन की एक्साइज ड्यूटी लगभग दो लाख रुपए होती है।

इन तस्वीरों से समझे लूट का गणित

शराब और बीयर एमआरपी से अधिक कीमत पर बेचने की शिकायत पर शहर की कुछ प्रमुख दुकानों से बीयर खरीदने वालों से बातचीत की गई तो उन्होंने खरीदी गई बीयर और उसके लिए किया गया ऑनलाइन भुगतान की रिसीप्ट को साझा की। जिसमें साफ देखा जा सकता है कि किस प्रकार से लूट बीयर प्रेमियों के साथ की जा रही है। क्योंकि गर्मी के इस सीजन में बीयर की अधिक डिमांड और सेल रहती है। इसलिए बीयर पर मुनाफाखोरी का खुलासा किया गया। बॉटल लेने के बाद उसके ढक्कन पर लगी आबकारी विभाग की सील पर उस पर प्रिंट क्यूआर कोड को स्कैन किया तो स्पष्ट हुआ कि कुछ लायसेंसी एमआरपी से अधिक कीमत पर बीयर बेच रहे है।

बाणसागर तलैया भवन अनुज्ञा मामला: सामने आए दस्तावेजों में बड़ी कमियां

नोटरी कराई जून 2021 में, पंजीयन की वैधता थी दिसंबर 2023

निगम में नवंबर 2025 में जमा किया गया 21 बिंदुओं का शपथ पत्र

बड़ी लापरवाही को नजरअंदाज कर जारी की गई अनुमति

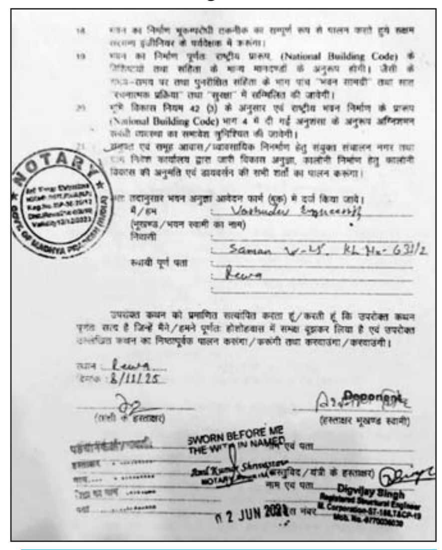

जागरण, रीवा। नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा के कारनामे अब सुर्खियों में हैं, लगातार बाणसागर तलैया अनुज्ञा मामले में उठ रहे सवाल थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, हालात यह हैं कि एक बाद एक बड़े खुलासे रोजाना सामने आ रहे हैं। अब भवन अनुज्ञा में लगे दस्तावेजों में बड़ी कमियां बताई जा रही है, इसको लेकर जांच की मांग की जा रही है। चल रही चर्चा के अनुसार व सामने आए दस्तावेजों में भवन अनुज्ञा के दस्तावेजों में जो लापरवाही सामने आ रही है वह इस अनुज्ञा को जारी करने वाले अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। मामले में अब नया खुलासा हुआ है। अधिकारियों को इस अनुज्ञा को देने की इतनी जल्दबाजी थी कि दस्तावेजों की जांच तक ठीक ढंग से नहीं की गई और अनुज्ञा जारी कर दी गई। बता दें कि बीते 30 दिसंबर 2025 को नगर निगम के सहायक यंत्री अंबरीश सिंह द्वारा अपने सेवानिवृत्त के ठीक एक दिन पहले बाणसागर स्थित आराजी क्रमांक 631/2 रकबा 04050 हे. में से 2030 वर्गमीटर रकबा मौजा समान पटवारी हल्का समान तहसील हूजूर में विश्वनाथ सिंह पिता रामजी सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 25 समान रीवा को मंजूरी दी गई है। इस मंजूरी के संबंध में लगाए दस्तावेजों में कमी बताई जा रही है, बताया जा रहा है कि इस अनुज्ञा के लिए जो 21 बिंदुओं का शपथ पत्र आवेदक विश्वनाथ सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया है, इस शपथ पत्र की नोटरी 2 जून 2021 में की गयी थी। इतना ही नहीं, नोटरी करने वाले अनिल श्रीवास्तव ने जो सील लगाई है, उसमें पंजीयन की वैधता भी 12 दिसंबर 2023 की ही दिख रही है लेकिन इस शपथ पत्र को प्रस्तुत किया गया 8 नवंबर 2025 को, जबकि नियमानुसार अधिकारियों को भवन अनुज्ञा देते समय वित्तीय वर्ष 2025 का शपथ पत्र लिया जाना चाहिए था लेकिन अधिकारियों ने इसे नजरअंदाज कर दिया। जिस तारीख पर यह शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया, उस तारीख पर लगाई गई सील के अनुसार उस समय के पंजीयन की वैधता समाप्त हो चुकी थी, गवाह के भी नाम व हस्ताक्षर नहीं कराए गए। मतलब साफ है कि अधिकारियों ने इस बड़े दस्तावेज में अनदेखी कर डाली।

आवासीय डायवर्सन वाणिज्यिक नहीं

वहीं भवन अनुज्ञा के लिए दिए गए भूमि डायवर्सन दस्तावेज में भूमि का डायवर्सन आवासीय कराया गया है, जानकारों की मानें तो चूंकि चार दुकानें बनाई जा रही हैं तो डायवर्सन वाणिज्यिक होना चाहिए। निगम ने राजस्व विभाग का नुकसान किया है, यदि वाणिज्यिक डायवर्सन होता तो हर वर्ष शुल्क राजस्व विभाग को मिलता। लैंडयूज को कमर्शियल दिखाया गया है जबकि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग द्वारा दिए गए दस्तावेज में यह आवासीय प्लस वाणिज्यिक, अमोद-प्रमोद व मार्ग है। चार दुकानों के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से अनुमति पहले ली जानी चाहिए।

वेबसाइट में नहीं शो हो रही भूमि

वहीं बताया गया कि अनुमति टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से खसरा क्रमांक 631/2 का लैंडयूज तो लगाया गया है लेकिन यह टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की वेबसाइट में शो नहीं हो रहा है। इसके अलावा नगर निगम द्वारा भूमि स्वामित्व को लेकर मांगे गए शपथ पत्र में भी शपथ पत्र देने वाले के हस्ताक्षर ही नहीं हैं। जो खसरा दस्तावेजों में लगाया गया है, उसमें भूमि कृषि उपयोग में लिखी हुई है। जबकि उपयोग आवासीय व व्यवसायिक किया जा रहा है।

तत्काल रोक दी जाती है फाइल

बता दें कि भवन अनुज्ञा शाखा में एक छोटी कमी को देखकर अधिकारी तत्काल फाइल रोक देते हैं और आमजन से उस नए दस्तावेज की मांग की जाती है, लेकिन इतने पुराने दस्तावेज लगे होने के बाद भी अधिकारियों ने भवन अनुज्ञा दे डाली। हैरानी इस बात की है कि चार वर्ष पूर्व कराई गई नोटरी का शपथ पत्र भी ले लिया गया। अधिकारियों द्वारा की गई इस कार्यवाही पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं, जांच जारी है लेकिन निर्माण दिन-रात किया जा रहा है, जिसे निगम अधिकारी रोक नहीं पा रहे हैं।

सिली हुई गेहूं की बोरियों को सुखाने का प्रयास

जांच करने वालों को भी दे रहे गलत जानकारी, बोल रहे कि गेहूं गीला नहीं हुआ

जागरण, रीवा। शहर की करहिया मण्डी में गत दिवस हुई झमाझम बारिश में खुले में रखी गेहूं की बोरियां तरबतर हो गई, लेकिन अपनी करनी छिपाने के लिए अभी भी खरीदी करने वाले बोल रहे हैं कि गेहूं गीला नहीं हुआ, जबकि सुबह गीली हुई बोरियों को पलट कर रख दी गई और यहां जांच करने आए लोगों को भी खरीदी करने वाले यही जानकारी दे रहे हैं कि गेहूं गीला नहीं हुआ, जो कि साफ झूठ है। बारिश इतनी तेज थी कि बोरियों के आसपास बिखरा गेहूं बहकर काफी दूर तक चला गया, फिर भी गेहूं गीला नहीं हुआ ये संभव नहीं? यहां आए किसानों ने बोरियां देखकर ही बता दिया कि अंदर गेहूं गीला है, यदि इसे समय पर नहीं सुखाया जो खराब हो जाएगा, किन्तु खरीदी करने वालों ने वही बोरियां ट्रकों में लदवाकर गोदामों में पहुंचवा दी, मण्डी परिसर में बने चारों खरीदी केन्द्रों का गेहूं खुले में ही रखा है, शेड में जितना गेहूं आया उतना जमा दिया गया, बाकी का शेड के बाहर रखा है। शहर ही नहीं अन्य खरीदी केन्द्रों में भी इस प्रकार की लापरवाही देखने को मिल सकती है, किन्तु टनों खुले में रखे गेहूं के गीले होने पर वरिष्ठ अधिकारी भी मौन हैं, ये बात समझ से परे है।

संभाग में अब तक 240558 टन हुई गेहूं की खरीद

जागरण, रीवा। रीवा संभाग में अब तक 58538 किसानों से 240558 टन गेहूं की खरीद की गई है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि संभाग में 334 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। उपार्जन के लिए अब तक 118509 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। रीवा जिले में 17985 किसानों से 68067 टन तथा सतना जिले में 22769 किसानों से 109904 टन गेहूं का उपार्जन किया गया है। सीधी जिले में 3821 किसानों से 10435 टन तथा सिंगरौली जिले में 3979 किसानों से 9924 टन गेहूं की खरीद की गई है। इसी तरह मऊगंज जिले में 1993 किसानों से 6843 टन तथा मैहर जिले में 8091 किसानों से 35385 टन गेहूं का उपार्जन किया गया है। उपार्जित गेहूं में से 53 प्रतिशत का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण करा दिया गया है। गेहूं उपार्जन के लिए पंजीकृत किसान 23 मई तक स्लॉट बुक कर सकते हैं।

नाली से निकाले गए कचरे का नहीं हुआ उठाव

रीवा। शहर के धोबिया टंकी क्षेत्र में मंगलवार को नाली से कचरा निकाला गया, कचरा निकालने के बाद उसकी ढेरियां नाली किनारे ही सड़क पर लगा दी गईं, दोपहर तक नाली से निकाले गए कचरे का उठाव नहीं हुआ था, नाली से निकला कचरा यहां से निकलने वाले लोगों के लिए परेशानी बना रहा। लोग इसके बाद से नाक, मुंह बंद कर निकलते देखे गए। नगर निगम द्वारा शहर की नालियां तो साफ कर दी जाती हैं, किन्तु नाली से निकाला गया कचरा वहीं छोड़ दिया जाता है, जो सूखने के बाद और इसमें आवारा मवेशी व श्वानों के मुंह मारने से कचरा पुनः नाली में चला जाता है। पिछले दिनों शहर के सिरमौर चौराहे पर भी नाली से कचरा निकाला गया था, किन्तु कचरा नहीं हटाया गया, कुछ समय बाद वही कचरा फिर से नाली के अंदर समा गया। इसी प्रकार के हालात लगभग हर उस स्थान पर देखने को मिलते हैं, जहां नालियां साफ की जाती हैं।

सीवरेज के लिए खोदी गई नाली ढही, कार के पहिए धंसे

रीवा। शहर के विभिन्न वार्डों में सीवरेज लाइन डालने खोदी गई नालियों को पाइप डालने के बाद ठीक से भराव नहीं किया गया बल्कि ऊपर से मिट्टी बिछाकर इतिश्री कर ली गई, वर्षाकाल के दौरान इस लापरवाही का खमियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ा, कहीं वाहन फंसते रहे तो कहीं सड़क के ऊपर डाली गई मिट्टी ही नीचे तक धंस गई, किन्तु इसके बाद भी सबक नहीं लिया और वर्तमान में खोदी जाने वाली नालियों का भराव भी पूर्वानुसार ही किया जा रहा है, जिसका खामियाजा उर्रहट निवासी एक कार मालिक को भुगतना पड़ा। सीवरेज पाइप डालने के बाद ऊपर से मिट्टी बिछा दी गई, जिसे दुरुस्त करने कई बार वार्ड के रहवासियों ने मांग की, किन्तु उनकी सुनवाई को दरकिनार कर दिया गया। गत दिवस हुई बरसात से सीवरेज के ऊपर बिछी मिट्टी नीचे ढह गई, जिसके ऊपर खड़ी कार के पहिए भी मिट्टी के साथ ही नीचे धंस गए। वहीं वार्ड की पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील हो गई। जिससे यहां के रहवासियों का इस सड़क से गुजरना किसी करतब से कम नहीं।

10 मई तक मकान सूचीकरण एवं गणना 50 फीसदी पूर्ण करने का लक्ष्य

नगर जनगणना अधिकारी ने ली जनगणना सुपरवाइजर्स की समीक्षा बैठक

जागरण, रीवा। जनगणना 2027 अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य 01 से 30 मई तक संपादित किया जा रहा है। उक्त कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन को दृष्टिगत रखते हुए प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी एवं निगमायुक्त अक्षत जैन के निर्देशानुसार नगर जनगणना अधिकारी एवं उपायुक्त द्वारा जनगणना कार्य में संलग्न सुपरवाइजर्स की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में उन्होंने सभी सुपरवाइजर्स से प्रगणकों के द्वारा एचएलओ ऐप डाउनलोड कर डाटा सिंक करने की जानकारी ली तथा प्रगणकवार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जिन प्रगणकों द्वारा कार्य अभी सक्रिय रूप से प्रारंभ नहीं किया गया है, उन्हें तत्काल कार्य में गति लाने हेतु निर्देशित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने पर संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है। नगर जनगणना अधिकारी ने सुपरवाइजर्स से प्रगणकों की उपस्थिति की जानकारी ली एवं अनुपस्थित प्रगणकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सुपरवाइजर्स निरंतर मॉनिटरिंग करें एवं प्रगणकों के साथ फील्ड भ्रमण कर कार्य का निरीक्षण सुनिश्चित करें। कार्यक्षेत्र में चौहद्दी, सीमा निर्धारण अथवा नंबरिंग संबंधी समस्या आने पर संबंधित चार्ज अधिकारी से तत्काल संपर्क कर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 10 मई तक 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि जब तक सुपरवाइजर्स फील्ड में सक्रिय नहीं रहेंगे, तब तक कार्य अपेक्षित गति नहीं पकड़ेगा। राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाए।

वर्ष 73 ▸ अंक 218 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 07 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 06, विक्रम संवत् 2083
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

जब आप असंभव को समाप्त कर देते हैं, तब जो कुछ भी बचता है, चाहे वह कितना ही असंभावित क्यों न लगे, वही सत्य होता है।
- सर आर्थर कॉनन डॉयल

ऑफ बीट

चीन: 'उड़ने वाली ट्रेन' ने पास किया स्पीड टेस्ट

दुनिया की सबसे तेज ट्रेन बनाने की दिशा में चीन ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। चीन की अल्ट्रा हाई-स्पीड लो-वैक्यूम मैग्लेव ट्रेन ने हाल ही में 1000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार का सफल परीक्षण पूरा किया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ट्रेन इतनी तेज गति से गुजरती दिखाई देती है कि उसे साफ देख पाना भी मुश्किल हो जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह ट्रेन मैग्नेटिक लेविटेशन यानी मैग्लेव तकनीक और लो-वैक्यूम ट्यूब सिस्टम पर आधारित है। इस तकनीक में ट्रेन पटरियों को छुए बिना चुंबकीय शक्ति के सहारे चलती है, जिससे घर्षण बेहद कम हो जाता है और रफ्तार कई गुना बढ़ जाती है। इस परियोजना को चीन की एंक कंपनी विकसित कर रही है।

मासूमों से दरिंदगी: भोपाल में 5 साल की बच्ची से दुष्कर्म और खरगोन में 7 साल की बच्ची की गैंगरेप के बाद हत्या

भोपाल, खरगोन, जेएनएन। *मध्य प्रदेश में बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी भोपाल और खरगोन जिले से सामने आए दो अलग-अलग मामलों ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। भोपाल में पांच साल की मासूम बच्ची के साथ एक 70 वर्षीय बुजुर्ग वकील द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है, जबकि खरगोन में सात साल की बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर शव भूसे के ढेर में छिपा दिया गया। दोनों मामलों में बच्चियां अपने परिचित माहौल में थीं और आरोपियों ने भरोसे का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।*

दर्द होने पर मां को बताई आपबीती, मासूम बोली- नाना गंदे हैं

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पांच साल की मासूम बच्ची से 70 साल के बुजुर्ग द्वारा बहसीपन किए जाने की घटना सामने आई है। बच्ची, उसकी नातिन के साथ खेलने गई थी। रात में दर्द होने पर बच्ची ने मां को आपबीती सुनाई, बोली- नाना गंदे हैं। पुलिस ने आरोपी बुजुर्ग वकील को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हबीबगंज पुलिस के मुताबिक, 5 साल की बच्ची हबीबगंज थाना क्षेत्र में अपनी मां के साथ रहती है। उसके पिता बाहर रहते हैं। बच्ची कालोनी में रहने वाली एक बच्ची के घर खेलने जाती है। 3 मई को बच्ची, उसी के घर गई थी। जहां अकेला पाकर बच्ची के नाना ने गलत काम किया। अकेला पाकर वह दूसरे कमरे ले गया था। जहां उसके साथ गलत हरकत की। घटना के बाद मासूम पीड़िता अपने घर आ गई। रात में उसे प्राइवेट पार्ट में दर्द उठा। मां ने पूछा तो उसने बताया कि नाना गंदे हैं, उन्होंने गलत काम किया।

पुलिस को बरगलाता रहा आरोपी

अगले दिन मां ने थाने पहुंचकर कालोनी में रहने वाले आरोपी वकील के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मेडिकल के बाद आरोपी वकील के खिलाफ रेप, पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया। मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार किया। पहले वह पुलिस को बरगलाता रहा। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो वह टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे जिला अदालत में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया है।

मरते दम तक दबाए रखा बच्ची का मुंह, भूसे के ढेर में छिपाई लाश

जागरण, खरगोन। प्रदेश के खरगोन जिले में सात साल की बालिका से सामूहिक दुष्कर्म कर आरोपियों ने मासूम की निर्मम तरीके से हत्या कर दी। आरोपियों ने बच्ची का मुंह मरते दम तक दबाए रखा। हत्या के बाद उसकी लाश भूसे के ढेर में छिपा दी। वारदात के बाद दोनों फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक बच्ची घर से मंगलवार रात दुकान पर सामान लेने निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजन ने तलाश शुरू की तो गांव के लोग भी साथ आकर उसकी खोज में जुट गए। काफी खोजबीन के बाद एक खलिहान में बच्ची का शव मिला। सूचना पर ऊन थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सोलंकी के मुताबिक, बुधवार दोपहर करीब 12 बजे तीन डॉक्टरों के पैनल ने पीएम किया। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में बच्ची से दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

आरोपियों ने बहाने से बुलाया, पहचान छुपाने के लिए की हत्या

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने बच्ची को बहाने से अपने पास बुलाया। इसके बाद गैंगरेप किया और पहचान छुपाने के लिए गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात छिपाने के लिए शव छिपा दिया। ग्रामीणों ने आरोपियों को फांसी देने की मांग की है। एएसपी शकुंतला रहर के मुताबिक, दो आरोपियों को हिरासत में लिया था। आरोपियों से कड़ी पूछताछ की गई। दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप, हत्या और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आईपीएल में आज

लखनऊ बनाम बेंगलुरु
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: हैदराबाद ने पंजाब को 33 रन से हराया।

संक्षिप्त खबरें

आईआरसीटीसी मामले की सुनवाई अब 22 को

नई दिल्ली, जेएनएन। आईआरसीटीसी होटल टेंडर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को फिलहाल राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को आरोप तय करने पर फैसला टाल दिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई 22 मई को होगी, जब अदालत आरोप तय करने पर अपना आदेश सुनाएगी। इस मामले में ईडी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले 16 अप्रैल को भी मामले की सुनवाई टल गई थी।

ट्रंप समर्थित विवेक लड़ेंगे ओहायो गर्वनर का चुनाव

वॉशिंगटन, जेएनएन। भारतीय मूल के अमेरिकी उद्योगपति विवेक रामास्वामी ने ओहायो गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की प्राइमरी जीत ली है। उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन हासिल था। विवेक ने अपने प्रतिद्वंद्वी केसी पुट्श को बड़े अंतर से हराया। उन्हें करीब 87 प्रतिशत वोट मिले। अब नवंबर में आम चुनाव में उनका मुकाबला डेमोक्रेट उम्मीदवार एमी एक्टॉन से होगा, जिन्हें उनकी पार्टी ने बिना किसी विरोध के उम्मीदवार बनाया है। विवेक ने 2024 में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की दावेदारी भी पेश की थी, लेकिन बाद में उन्होंने चुनाव से हटकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया।

अब 'वंदे मातरम' को भी मिला 'जन गण मन' के समान दर्जा

राष्ट्रगीत के अपमान पर तीन साल तक की जेल और जुर्माना

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का ऐतिहासिक फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद हुई यह पहली कैबिनेट बैठक थी। इसमें राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन को भी स्वीकृति दी गई। इस फैसले के बाद अब 'वंदे मातरम' के सम्मान, प्रस्तुति और उसके अपमान को लेकर वही नियम लागू होंगे, जो वर्तमान में राष्ट्रगान 'जन गण मन' पर लागू हैं।

सरकार के अनुसार, राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह कदम उठाया गया है। इसके तहत राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। अभी तक इस कानून के तहत राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर सजा का प्रावधान था। संशोधन के बाद 'वंदे मातरम' को भी इसी श्रेणी में शामिल किया जाएगा।

दिशा निर्देश जारी

केंद्र सरकार ने इसके साथ ही 'वंदे मातरम' के गायन और प्रस्तुति को लेकर विस्तृत दिशानिर्देश भी जारी किए हैं। गृह मंत्रालय की ओर से इसके लिए गाइडलाइन जारी की गई है।

- राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण, जिसमें कुल छह छंद हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट 10 सेकंड है, प्रमुख सरकारी समारोहों में प्रस्तुत किया जाएगा।
- इसमें राष्ट्रीय ध्वज फहराने के कार्यक्रम, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक आगमन-प्रस्थान समारोह तथा उनके भाषणों से पहले और बाद के आयोजन शामिल होंगे।
- यदि किसी कार्यक्रम में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' दोनों का आयोजन किया जाता है, तो पहले राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया जाएगा और उसके बाद राष्ट्रगान गाया जाएगा।
- दोनों प्रस्तुतियों के दौरान उपस्थित सभी लोगों को सम्मान स्वरूप सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा।

सिनेमाहॉल में दी गई छूट

सरकार ने सिनेमा हॉल और फिल्म प्रदर्शन के लिए कुछ छूट भी दी है। आदेश में कहा गया है कि यदि किसी फिल्म के साउंडट्रैक के हिस्से के रूप में 'वंदे मातरम' बजाया जाता है, तो दर्शकों के लिए खड़े होना अनिवार्य नहीं होगा। सरकार के अनुसार, मनोरंजन स्थलों में दर्शकों को जबरन खड़ा करने से देखने का अनुभव प्रभावित हो सकता है और इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है।

अब सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या होगी 37

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार इस संबंध में संसद के अगले सत्र में विधेयक पेश करेगी। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सहित कुल 33 जजों की स्वीकृत संख्या है। अब इसमें चार नए पद जोड़े जाएंगे। इसके लिए 1956 के संबंधित कानून में संशोधन किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का अधिकार संसद को प्राप्त है। विधेयक पारित होने और कानून लागू होने के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम नए जजों के नाम केंद्र सरकार को भेजेगा। इसके बाद नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सरकार का मानना है कि जजों की संख्या बढ़ने से लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी और न्याय व्यवस्था पर बढ़ते दबाव को कम किया जा सकेगा।

- **2019 में भी बढ़ाई थी संख्या:** इससे पहले वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 से बढ़ाकर 33 की गई थी। वहीं 2008 में यह संख्या 26 से बढ़ाकर 31 की गई थी। जब सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई थी, तब चीफ जस्टिस के अलावा केवल 10 जजों की व्यवस्था थी। समय के साथ मामलों की संख्या बढ़ने पर जजों की संख्या में लगातार वृद्धि की जाती रही है।
- **दो पद हैं अभी खाली:** फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में दो पद खाली हैं। जस्टिस बीआर गवई नवंबर 2025 में और जस्टिस राजेश बिंदल अप्रैल 2026 में सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसके अलावा आने वाले महीनों में तीन और जज रिटायर होने वाले हैं। जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस पंकज मित्तल जून 2026 में सेवानिवृत्त होंगे, जबकि जस्टिस संजय करोल अगस्त 2026 में रिटायर होंगे।

बिहार कैबिनेट में शामिल किए जाएंगे नीतीश के बेटे

निशांत ने शपथ के लिए सद्भावना यात्रा रद्द की

पटना, जेएनएन। बिहार की एनडीए सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार मंत्री बन सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जदयू नेताओं के साथ देर रात चली बैठक के बाद उन्होंने मंत्री पद स्वीकार करने पर सहमति दे दी है। बताया जा रहा है कि वे 7 मई को पटना के गांधी मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री पद की शपथ लेंगे।

इसी वजह से उनकी प्रस्तावित 'बिहार सद्भावना यात्रा' फिलहाल रद्द कर दी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री आवास पर नीतीश कुमार की मौजूदगी में जदयू की बैठक में पार्टी कोटे से मंत्रियों के नामों पर अंतिम मुहर लगाई। इसके बाद जदयू की ओर से मंत्रियों की सूची मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सौंप दी गई। सूत्रों के अनुसार, जदयू कोटे से दामोदर राउत, बुलो मंडल और भगवान सिंह कुशवाहा को मंत्री बनाया जा सकता है।

कम समय में बेहतर परिणाम देने वाला ही सफल उद्यमी: मुख्यमंत्री

सीएम ने बुरहानपुर में उद्यमियों के साथ किया संवाद

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कम समय और संसाधनों में जो श्रेष्ठ परिणाम दे वही सफल उद्यमी है। मध्यप्रदेश सरकार की नीति के चलते हम इस दिशा में तेजी से काम कर रहे है। इसमें नवउद्यमिता के लिए पर्याप्त नए अवसर सृजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए हर स्तर पर कार्य कर रही है।

डॉ. यादव बुधवार को बुरहानपुर के परमानंद गोविंदजी वाला ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित उद्यमी संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का हर नगर, हर प्रांत उद्यमिता के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था और देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहा है। इसमें मध्यप्रदेश भी शामिल है। सीएम ने कहा है कि प्रदेश में उद्योगों के लिए नई भूमि और उसका कैनवास तैयार हो चुका है, अब हम उद्योगपतियों के साथ मिलकर योजनाओं और नीतियों के सहारे रंग भरने का काम कर रहे है। दक्षिण के द्वार के नाम से प्रसिद्ध बुरहानपुर, प्रदेश के विकास का द्वार है। बुरहानपुर में उद्यम और परिश्रम के संस्कार हैं, जिले के लोगों के हुनर बहुमुखी हैं।

सुखपुरी को बनाया जाएगा इंडस्ट्रीयल बेल्ट

सीएम ने घोषणा की है कि बुरहानपुर के सुखपुरी को इंडस्ट्रियल बेल्ट के रूप में विकसित किया जाएगा, साथ ही औद्योगिक क्षेत्र रेहटा में नवीन मार्ग भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम चाहते है कि विश्व में सामग्री सप्लाई करने वाले उद्योगपति हमारे देश और प्रदेश के हों, इसी लक्ष्य के साथ प्रदेश में औद्योगिक अधोसंरचना का केनवास तैयार किया जा रहा है। सरकार ने राज्य शासन ने उद्योगों के विकास के लिए उद्योग मित्र नीतियां बनाई हैं। निरर्थक हो चुके कानून खत्म कर नए नियम बनाकर उद्योगों के लिए नए रास्ते और अवसर तलाशे गए हैं। तुअर दाल पर लगने वाले टैक्स को समाप्त किया गया, अब आगे कपास को लेकर भी विचार किया जा रहा है। यह सब उद्यमियों से संवाद के बाद किया गया।

संजय गृह विभाग के एसीएस और अरविंद दुबे जनसंपर्क संचालक बने

शिव शेखर संभालेंगे सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार ने बुधवार को देर रात 3 आईएएस के तबादला आदेश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के एसीएस संजय कुमार शुक्ल मध्यप्रदेश गृह विभाग के नए अपर मुख्य सचिव होंगे। उनके पास विमानन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। मौजूदा एसीएस गृह शिवशेखर शुक्ला सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके पास संस्कृति धार्मिक न्याय और धर्मस्व विभाग की भी जिम्मेदारी होगी, जबकि शुक्ला अतिरिक्त प्रभार के तौर पर कर्मचारी चयन मंडल के अध्यक्ष का भी दायित्व संभालेंगे।

इसी तरह मुख्यमंत्री के अपर सचिव तथा प्रबंध संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य संस्करण विभाग अरविन्द कुमार दुबे को संचालक जनसंपर्क का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। 2012 बैच के अधिकारी अरविंद दुबे मौजूदा कमिश्नर जनसंपर्क मनीष सिंह के अधीनिस्थ पूर्व में भी काम कर चुके है। बतौर नगर निगम भोपाल कमिश्नर पदस्थ रहे मनीष सिंह के समय अरविंद दुबे अपर कमिश्नर के पद पर पदस्थ थे। राज्य सरकार एक दो दिन में भारतीय पुलिस सेवा की एक और सूची जारी कर सकती हैं

संजय कुमार शुक्ल

शिवशेखर शुक्ला

अरविन्द कुमार दुबे

यौन उत्पीड़न के आरोप में टीवीके नेता गिरफ्तार

चेन्नई, जेएनएन। चेन्नई में तमिलगा वेट्टी कझगम (टीवीके) से एक नेता को 10 साल की बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान 43 वर्षीय दिनेश पांबु दिनेश के रूप में हुई है। पीड़िता के परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना कुछ दिन पहले की है। माइलापुर की बच्ची रिश्तेदारों के घर सिंगारवेलन गई हुई थी। आरोप है कि बाहर खेल रही बच्ची को आरोपी घर ले गया और वहां उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने बच्ची को घटना किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। घर लौटने के बाद बच्ची ने अपनी आंटी को पूरी घटना बताई, जिसके बाद उसके माता-पिता को जानकारी दी गई।

भविष्य

मेटा की बड़ी तैयारी: शॉपिंग से हेल्थ तक हर काम करेगा डिजिटल असिस्टेंट

रोजमर्रा के काम संभालेंगे पर्सनलाइज्ड एआई एजेंट्स

न्यूयॉर्क, जेएनएन। दुनिया तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की तरफ बढ़ रही है। अब तक लोग एआई का इस्तेमाल सवालों के जवाब लेने, कंटेंट लिखने या कोडिंग जैसे तकनीकी कामों के लिए करते थे, लेकिन आने वाले समय में एआई महज एक टूल नहीं बल्कि इंसान का 'डिजिटल साथी' बन सकता है। सोशल मीडिया दिग्गज मेटा इसी दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। कंपनी अब ऐसे पर्सनलाइज्ड एआई एजेंट्स पर काम कर रही है, जो लोगों के रोजमर्रा के काम खुद संभाल सकेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ऐसे एआई एजेंट्स विकसित कर रही है, जो यूजर्स की आदतों, जरूरतों और व्यवहार को समझकर उनके लिए कई काम ऑटोमेट कर सकेंगे। कंपनी का लक्ष्य अपने 3 अरब से ज्यादा यूजर्स के लिए ऐसा एआई सिस्टम बनाना है।

इस तरह काम करेंगे ये एआई

- इन एआई एजेंट्स की सबसे खास बात यह होगी कि वे लगातार बैकग्राउंड में काम कर सकेंगे।
- यूजर उन्हें एक टास्क देगा और एजेंट उसे पूरा करने के लिए खुद जरूरी कदम उठाएंगे।
- शुरुआत में इन एजेंट्स की टेस्टिंग सीमित कर्मचारियों और चुनिंदा यूजर्स के साथ करेगी।
- इसके बाद इन्हें आम यूजर्स के लिए लॉन्च किया जा सकता है।

कोडिंग से आगे बढ़कर रोजमर्रा की जिंदगी में एंट्री

अब तक एआई एजेंट्स का सबसे ज्यादा इस्तेमाल कोडिंग, डेटा एनालिसिस और तकनीकी कामों के लिए हो रहा था। लेकिन मेटा जिस दिशा में काम कर रही है, उसमें एआई एजेंट्स यूजर्स के रोजमर्रा के कामों को संभाल सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, ये एजेंट्स ऑनलाइन शॉपिंग, मीटिंग शेड्यूल, ट्रैवल प्लानिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, ईमेल रिप्लाई और यहां तक कि हेल्थ और फाइनेंस से जुड़े काम भी संभाल सकते हैं। यूजर सिर्फ एक निर्देश देगा और एआई एजेंट बैकग्राउंड में काम पूरा करता रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक आने वाले समय में स्मार्टफोन और इंटरनेट उपयोग के तरीके को पूरी तरह बदल सकती है।

ओपनक्लॉ जैसा हो सकता है मेटा का नया सिस्टम

रिपोर्ट के अनुसार, मेटा का नया एआई सिस्टम काफी हद तक ओपनक्लॉ जैसा हो सकता है। ओपनक्लॉ एक एआई-ओनली सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म माना जाता है, जहां एआई एजेंट्स यूजर की ओर से कई डिजिटल गतिविधियां संभालते हैं। मेटा ने हाल ही में मोल्टबुक का अधिग्रहण किया है, जो ओपनक्लॉ से जुड़ा प्लेटफॉर्म बताया जाता है। इसके बाद मोल्टबुक की टीम को मेटा सुपरइंटैलिजेंस लैब्स में शामिल कर लिया गया। इससे संकेत मिलते हैं कि मेटा अब सोशल मीडिया और एआई एजेंट्स को एक साथ जोड़कर नया इकोसिस्टम तैयार करना चाहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेटा के एजेंट्स कंपनी के अपने 'मूस स्पार्क एआई' मॉडल पर आधारित हो सकते हैं।

पब्लिक वाई-फाई के लिए अब 1 पासवर्ड की तैयारी

बार-बार ओटीपी से राहत, ट्राई ने मांगे सुझाव

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार देश में पब्लिक वाई-फाई सिस्टम को आसान और सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार अब ऐसा नया सिस्टम लाने की तैयारी में है, जिसमें देशभर के करीब 4 लाख सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट पर एक ही पासवर्ड या ओटीपी से लॉगिन किया जा सकेगा। इससे लोगों को हर जगह अलग-अलग ओटीपी डालने की परेशानी से राहत मिलेगी।

नई व्यवस्था का उद्देश्य यूजर्स का अनुभव बेहतर बनाना और डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाना है। इस संबंध में दूरसंचार नियामक टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एक परामर्श पत्र जारी कर आम लोगों, वाई फाई यूजर्स और विशेषज्ञों से सुझाव मांगे हैं।

मिलेगी अतिरिक्त सुरक्षा

नई व्यवस्था के तहत सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक सुरक्षा मानक लागू किए जाएंगे। इनमें 'वाई-फाई प्रोटेक्टेड एक्सेस 3' यानी डब्ल्यूपीए3 तकनीक भी शामिल होगी। इससे रेलवे स्टेशन, बाजार, मॉल और भीड़भाड़ वाले इलाकों में इंटरनेट उपयोग के दौरान यूपीआई और अन्य डिजिटल भुगतान को अतिरिक्त सुरक्षा मिलेगी।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

मुश्किल हो रहा मतदाता के मन को भाँप पाना

असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में 2026 के विधानसभा चुनावों के नतीजे कई ऐसे कारकों को रेखांकित करते हैं जो एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और संघीय गणराज्य के तौर पर भारत की दिशा को प्रभावित करेंगे। असम और पुडुचेरी में जहां भाजपा एवं उसके सहयोगी दलों ने सत्ता बरकरार रखी, वहीं अन्य तीन राज्यों में सत्ताधारी दल जनमत में आए बदलाव की प्रचंड लहर में बह गए। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के जैसे नतीजे सामने आए हैं, उनसे साफ है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में जहां मतदाताओं ने बदलाव के पक्ष में मतदान किया, वहीं असम और पुडुचेरी में लोगों ने मौजूदा सरकार पर भरोसा कायम रखा। इसमें चौंकाने वाले नतीजे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से आए, जहां चुनाव प्रचार के क्रम में बहुस्तरीय उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों के लिए यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल था कि सत्ताधारी पार्टियों का प्रदर्शन बेहद कमजोर हो सकता है। इन राज्यों में इतने बड़े उलटफेर की उम्मीद कम ही लोगों ने की थी। इन चुनावों में भाजपा ने जहां पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति साबित की है, वहीं कांग्रेस भी केरल की जीत को अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकती है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के प्रति दिखने वाला जनसमर्थन चुनाव और मतदान के मोर्चे पर उलट नतीजे देने वाला साबित हुआ। हालांकि राज्य में भाजपा ने जीत के लिए जिस स्तर पर जाकर मेहनत की, मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में लाने के लिए एक व्यापक रणनीतिक राजनीति पर काम किया और यहां तक भावनात्मक मुद्दों का भी सहारा लिया, उसका साफ असर मतगणना और नतीजों पर दिखा। जाहिर है, लंबे समय के बाद अब पश्चिम बंगाल एक और सत्ता परिवर्तन का गवाह बन रहा है, जहां विचारधाराओं का सफर क्रमशः बदलता दिखा है। वहीं तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाले द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को लेकर बहुत कम लोगों ने यह अंदाजा लगाया होगा कि चुनाव के परिणाम में उसकी स्थिति इस कदर खराब रहेगी।

गौरतलब है कि फिल्मों की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति में उभरे थलपति के नाम से मशहूर जोसेफ विजय ने अपने पहले ही चुनाव में राज्य की राजनीति में एकछत्र राज करने वाले नेता एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रमुक को करारी शिकस्त दी। अब तमिलनाडु राजनीति के एक नए दौर में प्रवेश कर गया है। यह देखने की बात होगी कि आने वाले वर्षों में यह राज्य किस राजनीतिक धारा का केंद्र बनेगा। जहां तक केरल का सवाल है, तो वहां आमतौर पर वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड लोकतांत्रिक मोर्चे के बीच सत्ता में फेरबदल होता रहा है। इस लिहाज से देखें तो दो कार्यकाल के बाद वामपंथी मोर्चा सत्ता से बाहर हुआ है और अच्छी उपस्थिति के साथ कांग्रेस को महत्त्वपूर्ण जीत मिली है।

उक्त दो राज्यों के अलावा, असम में एक तरह से अपेक्षित नतीजे आए हैं, जहां भाजपा ने फिर से भारी जीत हासिल की है। यह तब भी संभव हुआ, जब राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के रुख को लेकर कई तरह के विवाद चुनाव प्रचार के केंद्र में रहे। इसी तरह, केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी में सत्तारूढ़ राजग गठबंधन ने एक बार फिर बहुमत हासिल कर अपनी सत्ता कायम रखी। कहा जा सकता है कि इन चुनावों में भाजपा ने जहां पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति साबित की है, वहीं कांग्रेस भी केरल की जीत को अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकती है। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत करीब सत्ताईस लाख लोगों को मतदाता सूची से बाहर किए जाने को लेकर भी सवाल उठे। इसके बावजूद राज्य में मतदान का कीर्तिमान कायम हुआ। बहरहाल, चुनाव प्रचार के दौरान चाहे जिस तरह की तल्खियां देखी गईं, लेकिन अब जरूरत इस बात की है कि एक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत समावेशी विकास सभी सरकारों का मुख्य उद्देश्य बने।

प्रसंगवश

चतुराई का खेल न बने कोचिंग उद्योग

पिछले दिनों आईआईटी खड़गपुर के डायरेक्टर प्रो. सुमन चक्रवर्ती के उस बयान ने चौंकाया कि कोचिंग के कारोबार ने छात्रों की सोचने की क्षमता को घटाया है। वे प्रतिभा विस्तार व मौलिक सोच में विकास के बजाय कोचिंग उद्योग के चतुराई के खेल में शामिल हो रहे हैं। वे दिमाग के इस्तेमाल के बजाय जेईई प्रवेश परीक्षा के लिए ट्रिक्स से गलत ऑप्शन हटाना सीख रहे हैं। फलतः वे आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों में प्रवेश तो पा जाते हैं, लेकिन गुणवत्ता की शिक्षा से साम्य बैठाने में असफल साबित होते हैं, जिससे उनकी आईआईटी में बैक लगने की स्थिति पैदा हो रही है। जिससे वे अक्सर तनाव में आ जाते हैं। हो सकता आने वाले समय में किसी अध्ययन व शोध से यह बात सामने आए कि उच्च तकनीक संस्थानों में बढ़ती आत्मघात की प्रवत्ति के पीछे कोचिंग संस्थानों की भेड़चाल से उपजी विसंगतियां हों।

निश्चय ही यह स्थिति भारतीय उच्च व तकनीकी संस्थानों में विकसित हो रही इस नकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने वाली है। एक समय था कि भारतीय प्रतियोगिता परीक्षाओं की प्रणाली में स्वस्थ स्पर्धा हुआ करती थी। प्रतिभावान विद्यार्थी ही उच्च तकनीकी संस्थानों में प्रवेश पा सकते थे। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बाजार के लगातार बढ़ते दखल ने सारी स्थिति ही उलट कर रख दी। वहीं दूसरी ओर सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्डों द्वारा सौ फीसदी तक अंक दिए जाने ने राज्यों के बोर्डों से परीक्षा उतीर्ण करने वाले छात्रों को हीन भावना से भर दिया। निस्संदेदह, वह शिक्षा प्रणाली सवालों के दायरे में आनी चाहिए,

जिसमें असंभव से लगने वाले सौ फीसदी अंक छात्रों को दिए जाते हैं। सौ फीसदी अंक एक नहीं कई-कई छात्रों को दिए जाते हैं। वहीं राज्यों के विभिन्न बोर्डों में परीक्षक कंजूसी से नंबर देकर पहले ही छात्रों को राष्ट्रीय स्पर्धा से बाहर कर देते हैं। निश्चय ही यह स्थिति देश के लाखों छात्रों के साथ अन्याय जैसी है। दरअसल, देश में पहले भी कोचिंग व्यवस्था मौजूद रही है। लेकिन एक सहायक की भूमिका में। आज कोचिंग कारोबारियों द्वारा उसे छात्रों के भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र विकल्प के रूप में बताया जा रहा है। यह व्यवस्था देश में व्याप्त आर्थिक विभेद को भी और बढ़ाती है। तय है कि संपन्न घरों से आने वाले बच्चे महंगी कोचिंग पाकर गुदड़ी के लालों के जीवन पर सदैव भारी पड़ेंगे। फलतः कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के अभिभावक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कर्ज लेकर कोचिंग का जुगाड़ करते हैं। अपना पेट काटकर वे बच्चों को महंगे कोचिंग संस्थानों में भेजते हैं। कई अभिभावक अक्सर कर्ज में डूब जाते हैं। वहीं शैक्षिक गुणवत्ता के नजरिये से देखें तो पहले जब कोचिंग एक सहायक की भूमिका में थी तो छात्र विस्तृत पढ़ाई से विषय को समझने का प्रयास करते थे। अब पूरी व्यवस्था कोचिंग केंद्रित होने से शिक्षा की व्यापकता खत्म हो रही है। इसका नकारात्मक प्रभाव यह है कि छात्र परीक्षा के तीन घंटों में सवाल समझकर हल करने की बजाय गलत विकल्पों को हटाने की कोचिंग्स द्वारा सिखायी ट्रिक्स इस्तेमाल करते हैं।

दरअसल, कोचिंग संस्थानों के तौर-तरीकों से छात्रों को 'स्पून फीडिंग' की लत लग जाती है। वहां हिंदी में पढ़ाई होती है और तैयार नोट्स को बार-बार रटाया जाता है। वहीं विडंबना यह है कि आईआईटी आदि उच्च तकनीकी संस्थानों में पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। वहां सेमेस्टर सिस्टम में पढ़ाई सेल्फ-स्टडी पर आधारित होती है। यही वजह है कि महज ट्रिक्स द्वारा आईआईटी में प्रवेश करने वाले छात्र आगे की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। उनको कई विषयों में पूरक परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे सुनहरे सपने लेकर आए छात्र गहरे तनाव में आ जाते हैं। कई जगह होने वाले आत्मघात के पीछे यह कारण भी हो सकता है। वहीं टॉपर छात्रों को मीडिया तथा सोशल मीडिया में कोचिंग संस्थानों व अभिभावकों द्वारा सेलिब्रिटी की तरह पेश किया जाता है, जिससे वे इस ग्लैमर से ओवर कॉन्फिडेंट हो जाते हैं। वहीं परिवार का दबाब भी तनाव बढ़ाता है। इस गंभीर स्थिति का समाधान नीति-नियंताओं का करना चाहिए।

प.बंगाल चुनाव — चुनावी नतीजों पर एसआईआर के असर की जांच -पड़ताल की जानी चाहिए

एसआईआर ने बिगाड़ा ममता का खेल?

रोशन किशोर

भाजपा को जीत क्या एसआईआर की वजह से मिली है? पश्चिम बंगाल के संदर्भ में यह एक विवादास्पद सवाल बनता जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल से निर्वाचन आयोग ने जिन 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया है, उनमें से छह राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में चुनाव हुए हैं, पर बंगाल इस मामले में सबसे विवादास्पद साबित हुआ, क्योंकि यहां 27 लाख मतदाता 'विचाराधीन' (अंडर एडजुडिकेशन) होने के कारण अयोग्य साबित कर दिए गए, यहां तक कि चुनाव के दिन भी वे अपने मताधिकार की बाट जोहते रह गए, जबकि करीब 62 लाख मतदाताओं के नाम एसआईआर में कटे हैं।

एसआईआर से जुड़ी सांविधानिक व राजनीतिक नैतिकता को एक किनारे रख दें और ठोस चुनावी आंकड़ों पर गौर करें, तो भाजपा की इस जीत का मूल कारक एसआईआर नहीं दिखता। इसे समझने के लिए तीन सवालों के जवाब तलाशते हैं। पहला सवाल है- पार्टियों के पारंपरिक गढ़ से बाहर एसआईआर का क्या असर रहा? दूसरा, मुस्लिम मतदाता इस प्रक्रिया से कितने प्रभावित हुए? और तीसरा, पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत की असली वजह क्या रही? शुरुआत पहले सवाल से करते हैं। साल 2011, 2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों में तृणमूल और उसके सहयोगियों को क्रमशः 226, 211 और 215 सीटें मिली थीं। उन्होंने इन तीनों चुनावों में 124 सीटों पर हर बार जीत दर्ज की। मैं यहां 2011 से पहले के चुनावों को शामिल नहीं कर रहा, क्योंकि 2008 के परिसीमन में विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं बदल गईं थीं।

बहरहाल,तृणमूल कांग्रेस व उसके सहयोगियों को इस बार अपने सर्वाधिक प्रभाव (गढ) वाले 124 विधानसभा क्षेत्रों में से 78 में हार का सामना करना पड़ा है (इनमें से एक में चुनाव स्थगित है) और इन सभी क्षेत्रों से बाहर केवल 34 सीटें जीतने में उनको सफलता मिली है। इसके बरअक्स, भारतीय जनता पार्टी ने साल 2019, 2021 और 2024 के चुनावों में क्रमशः 121, 77 व 90 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की (यहां 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजों को विधानसभावार बांटा गया है)। उसे इन सभी चुनावों में कुल 54 विधानसभा क्षेत्रों में हर बार जीत मिली। इस बार भाजपा ने इन 54 विधानसभा क्षेत्रों के साथ-साथ गुजरे तीनों चुनावों में कभी-न-कभी जीती गई सभी 142 सीटों पर भी विजय का परचम लहराया है। इसके अलावा, उसके खाते में 65 ऐसी सीटें भी आई हैं, जिन पर वह पहले कभी नहीं जीत सकी थी।

अगर किसी को बंगाल के इस नए घटनाक्रम को समझना है, तो उसे राज्य के चुनावी नतीजों पर एसआईआर के असर की जांच करनी चाहिए, पर उन 100 मजबूत विधानसभा सीटों को छोड़कर, जो 2026 में भी तृणमूल और कांग्रेस के पास ही रहीं। सवाल है कि इनमें से कितने क्षेत्रों में 2024 और 2026 के बीच मतदान में गिरावट देखी गई? जवाब है- 20.... बेशक, इन निर्वाचन क्षेत्रों में एसआईआर के कारण 2.1 प्रतिशत से लेकर 38.6 प्रतिशत मतदाताओं के नाम कटे हैं। किंतु, जब तृणमूल या भाजपा के वोट प्रतिशत में बदलाव और एसआईआर के कारण मतदाता-संख्या में आई कमी के बीच तुलना की जाती है, तो दोनों में दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं दिखता।

दूसरा सवाल। एसआईआर के तहत धर्म-विशेष के मतदाताओं के नाम को 'पक्षपातपूर्ण तरीके' से हटाने का आखिर क्या असर पड़ा? एसआईआर को लेकर यह आरोप जोर-शोर से उछला है कि इसके तहत उन जिलों में मतदाताओं के नाम ज्यादा हटाए गए, जहां मुस्लिम आबादी अधिक है। पश्चिम बंगाल में 39 विधानसभा क्षेत्र ऐसे थे, जहां से 2011, 2016 और 2021 के चुनावों में मुस्लिम विधायक चुने गए थे। इन 39 सीटों में से 18 सीटें उन जिलों में थीं, जहां 2011 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम आबादी का अनुपात 50 फीसदी या उससे अधिक था। इस बार भी इनमें से 34 विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम विधायक चुने गए हैं, जिनमें से महज पांच वास्तव में गैर-तृणमूल उम्मीदवार हैं। शेष पांच सीटें भाजपा के खाते में गई हैं।

पश्चिम बंगाल की नवनिर्वाचित विधानसभा में मुस्लिम विधायकों की कुल संख्या 40 है। साल 2021 में भी उनकी संख्या कमोबेश इतनी ही थी। अलबत्ता तृणमूल विधायकों में मुस्लिम विधायकों की हिस्सेदारी बढ़कर 42.5 प्रतिशत हो गई है। साफ है, यह सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का उदाहरण है, न कि मतदाता-सूची में कथित हेर-फेर का नतीजा। असम में कांग्रेस भी इसी गफलत का शिकार हुई है।

ऐसे में, तीसरा सवाल महत्वपूर्ण बन जाता है कि प. बंगाल में भाजपा की जीत का असली कारण क्या था? इसका जवाब है, सत्ता विरोधी लहर। लोगों पर इसका भारी असर दिखा है, शेष कसर ध्रुवीकरण ने पूरी कर दी। 2021 से 2026 के बीच तृणमूल ने 293 विधानसभा क्षेत्रों में से 268 में अपना मत-प्रतिशत गंवाया है। इनमें से 69 सीटों पर उसे 10 प्रतिशत से अधिक का नुकसान हुआ है। इसके उल्ट, भाजपा ने 293 विधानसभा सीटों में से 270 में अपना मत-प्रतिशत बढ़ाया है और 95 सीटों पर उसे 10 प्रतिशत से अधिक का लाभ मिला है।

जन-समर्थन में आए इस बदलाव के गहरे निहितार्थ हैं। ऐतिहासिक तथ्यों से इसे समझना आसान होगा। दरअसल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व वाले वाममोर्चा ने 2006 की अपनी शानदार जीत और 2011 की करारी हार के बीच 11 प्रतिशत मत गंवाए थे। परिसीमन के कारण किए गए बदलावों के कारण इस परिवर्तन का क्षेत्रवार सटीक विश्लेषण संभव नहीं है, पर 2026 में तृणमूल के मत-प्रतिशत में लगभग 4.7 प्रतिशत की गिरावट हुई है, जो वाममोर्चा की तुलना में कम है। यही कारण है कि ममता बनर्जी 2011 के वाममोर्चे की तुलना में अपनी सीटों की संख्या को कहीं अधिक बचाए रखने में सफल रही हैं। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के सामने अब भी एक बड़ी चुनौती शेष है। अगर बचे हुए हिंदू मतदाता भाजपा या राज्य की अन्य विपक्षी पार्टियों का रुख कर लें, तब क्या होगा? ये मतदाता अब तृणमूल के खिलाफ मुखर हो सकते हैं, क्योंकि वह भाजपा से हार चुकी है। जाहिर है, पश्चिम बंगाल की राजनीति अभी खत्म नहीं हुई है।

खुला मंच

सब्जी की तरह सीटें ला सकते हैं सितारे

डॉ. रवि राजपूत

जो लोग दक्षिण भारत की पॉलिटिक्स और कल्चर को समझते हैं, उन्हें थलापति विजय की जीत से शायद ही हैरानी होगी। दक्षिण में बड़े स्टार्स की इतनी कल्ट फैन फॉलोइंग होती है कि वो 30-40 सीट तो जब चाहे सब्जी की तरह ला सकते हैं। विजय की जीत पर तो उनके फैंस को जरा भी शक नहीं था। यही वजह है कि जब कुछ एग्जिट पोल में विजय को काफी कम सीटें मिलने का अनुमान आया, तो उनके एक फैन ने अपनी जान दे दी। उत्तर भारत में किसी फिल्मी सितारे या यहां तक महाजनप्रिय नेता के लिए ऐसा होना मुमकिन नहीं। उत्तर के लोग भावुक से ज्यादा व्यवहारिक होते हैं। उन्हें ये दिव्य ज्ञान रहता है कि नेता-अभिनेता तो हजारों आएंगे और जाएंगे। जान तो ऊपरवाले ने एक ही दी। उत्तर की जनता अभिनेताओं को नेताओं जितना भाव भी नहीं देती। बहुत ज्यादा करेगी, उनकी रैलियों में जाएगी, उनके नाच गाने का मजा लेगी और उन्हें सांसद या विधायक बना देगी। उन्हें मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री का लोड नहीं लेती। अगर लेती तो राजकपूर, दिलीप कुमार, देवानंद से लेकर राजेश खन्ना और अमिताभ न जाने कितनी बार प्रधानमंत्री बन चुके होते।

दक्षिण में सितारों की राह इसलिए भी आसान रहती है कि उनके फैंस ही उनके कार्यकर्ता से संगठन तक सब बन जाते हैं। वो भी मुफ्त में। फैन क्लब वोट बैंक में तब्दील हो जाता है। वो भी जाति या धर्म की परवाह किए बगैर। उत्तर में तो पानी पिलाने से पहले भी जाति पूछने की परंपरा है, वोट देना तो दूर की बात है। उत्तर में राजेश खन्ना बहुत बड़े सुपरस्टार थे। लेकिन, जब सियासत में आए, तो लालकृष्ण आडवाणी से चुनाव हार गए। उस वक्त उनका ऐसा जलवा था कि कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता मीटिंग में उनका इंतजार करते थे। राजेश खन्ना राजनीति में कुछ बड़ा नहीं बन पाए, तो बाकी किसी से सांसदी-विधायकी से आगे की उम्मीद करना भी बेकार है। यहां तक अमिताभ बच्चन ने भी सियासत छोड़कर फिल्मी दुनिया में वापस लौटना ही बेहतर समझा।

बहरहाल, विजय की जीत से सबसे ज्यादा दुखी प्रशांत किशोर होंगे। विजय को सियासत का कोई तजुर्बा भी नहीं था। लेकिन, प्रशांत किशोर ने तो नरेंद्र मोदी, स्टालिन से लेकर ममता बनर्जी तक को जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने तीन साल तक बिहार की जनता को समझाया कि किन मुद्दों पर वोट देना है। बिहार की जनता ने सिर भी हिलाया कि हां जी समझ गए। लेकिन, इलेक्शन में बटन कौन सा दबाया कि जनसुराज को एक भी सीट नहीं मिली। उधर, विजय ने सिर्फ दो साल में ऐसा झटका मारा की सीधे सीएम बन गए। अब प्रशांत किशोर मन ही मन बूझ रहे होंगे कि मेरी तपस्या में ही कोई कमी रह गई होगी।

पर्यटन और हादसे — हादसे जिस अव्यवस्था का संकेत देते हैं उन्हें रोकने की योजना भी तो होनी चाहिए

हादसों का समाधान नहीं हैं शहरीकरण के नए प्रोजेक्ट

विनीत नारायण

स हफ्ते जबलपुर में नर्मदा नदी के बरगी बांध पर मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग की क्रूज बोट के अंधड़ में पलट जाने से नौ लोगों की डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। दो हफ्ते पहले उत्तर प्रदेश के वृंदावन में यमुना में भी नाव पलटने से दस लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी। सुरक्षा नियमों का लागू न होना और बिना लाइफ जैकेट के पर्यटकों को नावों, स्टीमरों या क्रूज बोट्स में सैर-सपाटा कराना, इन हादसों के मुख्य कारण हैं। ऐसे हादसे देश में आए दिन हो रहे हैं, लेकिन इनसे किसी भी राज्य की सरकार या प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया। लगता भी नहीं कि आने वाले दिनों में इस दिशा में कोई कड़ी पहल की जाएगी।

पिछले कुछ वर्षों में मंदिरों, तीर्थ नगरियों और कुंभ जैसे धार्मिक उत्सवों में लगातार बढ़ती दर्शनार्थियों की भीड़ अब इतनी बेकाबू हो गई है कि उसमें कुचल कर सैकड़ों जानें चली जाती हैं। जैसे जनवरी 2025 में प्रयाग के कुंभ में बहुत लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए थे। यही हाल कई बार वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में हुआ। मार्च 2026 में शीतला मंदिर (नालंदा, बिहार) में पूजा के दौरान भगदड़ में आठ लोग मारे गए, कई घायल हुए। 2025 में देश में कुल आठ से ज्यादा भगदड़ में 129 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर हुईं। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं।

राज्यों के मुख्यमंत्री बड़े गर्व से घोषणा करते हैं कि उनके यहां पर्यटकों की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन यह नहीं बताते कि पर्यटकों की इस बेकाबू भीड़ को नियंत्रित करने में वे कितना विफल हो रहे हैं। भीड़ को व्यवस्थित या नियंत्रित करना बिल्कुल भी असंभव नहीं है। मुझे याद है कि 1984 में मैं स्विट्जरलैंड के माउंट ब्लांक के सर्वोच्च शिखर पर जाने लिए जब उस पर्यटन स्थल से 50 मील दूर था, तो स्थानीय पुलिस ने हमारी जैसी सैकड़ों गाड़ियों को वहीं रोक दिया और हमें तब तक इंतजार करने को कहा, जब तक कि एक खास संख्या में उधर गई गाड़ियां लौट नहीं आईं। इस तरह उन्होंने भीड़ को अनियंत्रित होने से रोका। क्या ऐसी नीतियां हमारी सरकारें नहीं अपना सकतीं? अगर वीआईपी की सुरक्षा में तैनात पुलिस को भीड़ नियंत्रण के लिए तैनात किया जाए, तो बहुत हद तक दुर्घटनाओं और परेशानियों से बचा जा सकता है।

पर्यटन बढ़ाना अच्छी बात है, लेकिन पर्यटन विस्फोट से जो अव्यवस्था फैल रही है, प्लास्टिक और कूड़े के अंबार लगते हैं, उससे निपटने की न सिर्फ योजना बनाई जानी चाहिए, बल्कि उसे अमल में भी लाया जाना चाहिए। पर्यटन बढ़ाने की इस आपाधापी में प्रांतीय सरकारों को इस बात की चिंता नहीं है कि नागरिकों को खाने की चीजों में कितना जहर परोसा जा रहा है। हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे कई अन्य राज्यों में भारी मात्रा में नकली घी के भंडार पकड़े गए हैं। पर ये कार्रवाई प्रतीकात्मक ज्यादा है, प्रभावी कम। इसी तरह रसायनों से बने नकली दूध और पनीर सरेआम बेचा जा रहा है। फल और सब्जियों पर भी हानिकारक कीटनाशक और खतरनाक रसायन छिड़क कर नकली रंगों से तरो-ताजा दिखा कर बेचा जा रहा है। आम आदमी असहाय है, वह कुछ कर नहीं सकता। पर्यटन और तीर्थ क्षेत्रों में तो मिलावट का धंधा कई गुना ज्यादा हो रहा है, क्योंकि विक्रेता के सामने जो ग्राहक खड़ा है, वह एक बार ही पास आया है। अगले दिन कोई दूसरा ग्राहक आ जाएगा। इसलिए उसे शिकायत नहीं झेलनी पड़ती।

इस तरह पर्यटन विस्फोट ने इन क्षेत्रों के आधारभूत ढांचों की कमर तोड़ दी है, जिसका समाधान शहरीकरण के नए-नए मेगा प्रोजेक्ट बनाना नहीं है। इससे पर्यटन क्षेत्र का नैसर्गिक स्वरूप व आध्यात्मिक चेतना, दोनों का तेजी से विनाश होता है। अगर यही हाल रहा, तो आने वाले कुछ वर्षों में भारत के ये क्षेत्र नासूर बनकर रह जाएंगे। दुनिया के तमाम देशों ने अपने पर्यटन उद्योग को नियमों के तहत रखा है और अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को बिगाड़ने नहीं दिया। अमेरिका के पश्चिमी तट पर एक तरफ पहाड़ व घने जंगल, तो दूसरी तरफ लहराते समुद्र के बीच हमारी कार तेजी से दौड़ रही थी। मुझे भूख लगी, तो मेरे मेजबान ने जंगल के भीतर जाती एक छोटी सड़क पर कार मोड़ दी। कुछ किलोमीटर जंगल पार करने के बाद मुझे यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ कि वहां खाने-पीने और मनोरंजन का एक बड़ा केंद्र था। पर वह समुद्र तट और जंगल के बाद था। इसलिए समुद्र तट का प्राकृतिक सौंदर्य इससे प्रभावित नहीं हुआ था। जबकि केरल में त्रिवेंद्रम का कोवलम बीच या गोवा के समुद्र तट बेतरतीब विकसित हुए होटलों के कारण अपनी प्राकृतिक पहचान खो चुके हैं। आखिर हम कब जागेंगे?

यह भी सही है कि विकास की अवधारणा के तहत शहर विकसित होते रहते हैं, इन श्रृंखलाओं में शामिल मानव संसाधनों का भी विकास होता रहता है। इससे छोटे शहरों में रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। हर स्थान की उपलब्ध खूबियों को लेकर वहाँ पर्यटन की गुंजाइशों पर विचार करना भी सही है। किसी भी पर्यटन स्थल को विकसित करने से पहले इसका सर्वे किया जाता है कि वहां बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता में किस तरह की मुश्किलें आ सकती हैं। जाहिर है, इसमे सभी तरह की संभावनाओ पर पूर्व मे ही विचार कर जोखिमों से निपटने की पूरी तरह चाक चौबन्द तैयारी रखना आज सख्त जरूरत है। इनसे हम उन त्रासदियों से भी बच सकते हैं, जो मौजूदा शहरों में वक्त-बेवक्त घट जाते हैं। भला नोएडा के उस युवराज मेहता की क्या गलती थी, जिनकी जनवरी में एक निर्माणाधीन साइट के गहरे खुले नाले में गिरने से मौत हो गई? या फिर, दिल्ली के रोहिणी इलाके के उस प्रवासी मजदूर की मौत को किस रूप में लें, जिसकी खुले मैनहोल में गिरने जान चली गई? ये सब व्यवस्थागत नाकामी के परिणाम हैं। आखिर हमारे शहरों का प्रशासन कब जागेगा ?

जीवन दर्शन

आत्म-जागरूकता से करें अपने दिन की शुरुआत

लोग जीवन में इसलिए असफल होते हैं, क्योंकि वे अपने दिन को बिना स्पष्ट उद्देश्य के व्यतीत करते हैं। यदि व्यक्ति हर दिन खुद से पूछे कि 'मैं आज क्या अच्छा कर सकता हूं', तो वह अधिक रचनात्मक व अनुशासित बन सकता है। जीवन में हमें रोज सुबह खुद से एक सवाल जरूर पूछना चाहिए कि आज मैं क्या अच्छा काम करूंगा? यह सवाल हमारे पूरे जीवन-प्रबंधन, आत्म-सुधार और नैतिक अनुशासन का केंद्रीय सूत्र है।

मेरा मानना है कि हर एक दिन हमें एक नए अवसर की तरह मिलता है। यदि वह दिन उद्देश्यपूर्ण ढंग से जिया जाए, तो हम अपने जीवन को उत्कृष्ट बना सकते हैं। यही उत्कृष्टता हमारे जीवन की सफलता की नींव तैयार करती है। अच्छा जीवन बड़े आदर्शों की घोषणाओं से नहीं, बल्कि रोजाना किए गए छोटे-छोटे सार्थक कार्यों से बनता है। इसलिए, हमें हर दिन की शुरुआत आत्म-जागरूकता से करनी चाहिए। 'आज मैं क्या अच्छा काम करूंगा' यह प्रश्न हमें निष्क्रियता से बाहर लाता है और अपने दिन को सार्थक दिशा देने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही, यह सवाल जीवन के प्रति सक्रिय और सकारात्मक दृष्टिकोण है, जिसमें व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार बहता नहीं, बल्कि अपने मूल्यों व लक्ष्यों के अनुसार दिन का निर्माण करता है। याद रखें, सारे दिन की कामयाबी इस बात से मापी जानी चाहिए कि आज मैंने कितना सकारात्मक काम किया।

हमारे जीवन का हर दिन संयम, व्यवस्था, मेहनत, सत्यनिष्ठा और विनम्रता के अभ्यास का अवसर होना चाहिए। ज्यादातर लोग जीवन में असफल इसलिए नहीं होते कि उनमें क्षमता नहीं होती, बल्कि इसलिए होते हैं कि वे अपने दिन को बिना स्पष्ट उद्देश्य के व्यतीत करते हैं। यदि व्यक्ति हर दिन खुद से पूछे कि 'मैं आज क्या अच्छा कर सकता हूं', तो वह अधिक रचनात्मक व अनुशासित बन सकता है। यह आदत धीरे-धीरे चरित्र का निर्माण करती है। दरअसल, चरित्र कोई अचानक हासिल होने वाली चीज नहीं होती, बल्कि यह रोजाना किए गए सही फैसलों का ही समुच्चय होती है। इसी तरह रात को सोने से पहले भी हमें खुद से पूछना चाहिए कि आज मैंने क्या अच्छा किया? बस फर्क यही है कि सुबह का प्रश्न संकल्प था और रात का प्रश्न आत्म-मूल्यांकन। इन दोनों के बीच पूरा दिन उद्देश्यपूर्ण जीवन का अभ्यास बन जाता है। यही आत्मनिरीक्षण सफलता का वास्तविक रहस्य है। ऐसा करते रहना हमें अपने आदर्शों के प्रति जवाबदेह बनाता है।

जब मनुष्य दिन की शुरुआत इस विचार से करता है कि उसे कुछ अच्छा करना है, तो उसके निर्णय अधिक सजग और सकारात्मक होते हैं। खुद से पूछे जाने वाले ये दो सरल प्रश्न जीवन में स्पष्टता ला सकते हैं और दिन को केवल बिताने के बजाय उसे सार्थक बनाने की प्रेरणा देते हैं। जब दिन की शुरुआत संकल्प से और अंत आत्म-मूल्यांकन से होती है, तब जीवन में निरंतर सुधार संभव होता है। सफलता केवल उपलब्धियों में नहीं, बल्कि रोज किए गए सकारात्मक कर्मों में छिपी होती है। जो व्यक्ति हर दिन खुद को चुनौती देता है, वही अपने जीवन को उत्कृष्ट बना पाता है। -बेंजामिन फ्रैंकलिन

॥गीता ज्ञान॥

श्लोक

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः!
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा !!

भावार्थ

जो माता - पिता अपने बच्चो को पढ़ाते नहीं है ऐसे माँ - बाप बच्चो के शत्रु के समान है. विद्वानों की सभा में अनपढ़ व्यक्ति कभी सम्मान नहीं पा सकता वह वहां हंसो के बीच एक बगुले की तरह होता है।

जिले में 200 से ज्यादा निजी एंबुलेंस, कईयों में न जरूरी सुविधाएं न ही हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट

मरीजों से भारी रकम ऐंठकर निजी अस्पतालों से भी कर रहे कमीशनखोरी, जांच कौन करेगा, इसे लेकर जिम्मेदारी तय नहीं

जागरण, रीवा

रीवा और मऊगंज जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा के नाम पर 200 से ज्यादा निजी एंबुलेंस दौड़ रहीं हैं। वैन और सवारी वाहनों की शक्ल वाली इन अधिकांश एंबुलेंस में तय मानकों के अनुसार न तो मरीजों के लिए जरूरी सुविधाएं व संसाधन हैं, न ही हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बावजूद इनमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेटें लगी हैं। सरकारी अस्पतालों के इर्द-गिर्द जमावड़ा बनाए रखने वाले एंबुलेंस चालकों व संचालकों पर आरोप लग रहे हैं कि वे मरीजों से भारी-भरकम रकम ऐंठकर उन्हें अपना शिकार बनाते हैं। इतना ही नहीं, बाहरी मरीजों को अपने पसंद के निजी अस्पतालों में भर्ती कराते हैं, जिसके एवज में उन्हें अच्छा खासा कमीशन मिलता है। यह एंबुलेंस तय मानकों के अनुसार चल रहीं हैं कि नहीं, इनमें लगे सुरक्षा संसाधनों का ऑडिट कब-कब हुआ, इसकी जांच करने व जानकारी देने वाला भी कोई नहीं है।

सुविधाओं की हकीकत यह

सरकारी स्तर की 108 एंबुलेंस सेवा के मुकाबले निजी एंबुलेंस में सुविधाएं संसाधन एक चौथाई भी नहीं हैं। इनमें सिर्फ एक-दो मिनी मीडियम साइज ऑक्सीजन सिलिंडर, रेगुलेटर, फर्स्ट बॉक्स, स्ट्रेचर ही शामिल है। डेफिब्रिलेटर, कॉर्डियक मॉनिटर जैसे उपकरण न के बराबर है। वहीं उपलब्ध सुविधाओं का ऑडिट करने के अलावा पॉल्युशन सर्टिफिकेट तो अधिकांश के पास नहीं हैं। कंडम वाहन तक एंबुलेंस के रूप में चल रहे हैं। खास बात ये भी है कि इनमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट तक नहीं लगवाई गई हैं। एंबुलेंस की आड़ में कुछेक ऐसे मामले भी पुलिस ने पकड़े हैं, जिनमें अवैध गतिविधियां संचालित की जा रहीं थीं।

इधर, निजी एंबुलेंस का डेटा ही नहीं

रीवा और मऊगंज में कितनी निजी एंबुलेंस हैं, कितने संचालक चालक सक्रिय हैं, क्या अन्य जिलों की एंबुलेंस भी यहां परिचालन में हैं? आदि-आदि से संबंधित कोई भी डेटा जिले के स्वास्थ्य विभाग और परिवहन विभाग के पास नहीं है। इन निजी एंबुलेंस में नियमानुसार सुविधाएं स्थापित हैं कि नहीं, इसकी जांच तक नहीं हो रही है। निजी अस्पतालों के एजेंट के रूप में एंबुलेस के चालक संचालक सरकारी अस्पतालों में डेरा डाले रहते हैं।

ऑक्सीजन किट का ऑडिट जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार ऑक्सीजन किट का ऑडिट हर महीने करना चाहिए, जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर, रेगुलेटर और मास्क की जांच की जानी चाहिए। किट का विस्तृत ऑडिट हर 6 महीने करना जरूरी है। जिसमें ऑक्सीजन सिलिंडर, रेगुलेटर और मास्क की विस्तृत जांच की जानी चाहिए। इसी तरह वार्षिक ऑडिट में ऑक्सीजन सिलिंडर, रेगुलेटर और मास्क की विस्तृत जांच कर यह देखा जाना चाहिए कि इसमें मरम्मत या बदलाव की जरूरत तो नहीं है।

यह हैं अनिवार्य सुविधाएं

- एंबुलेस में ऑक्सीजन किट होना अनिवार्य है, जिसमें ऑक्सीजन सिलिंडर, रेगुलेटर, मास्क शामिल हो।
- एंबुलेंस में प्राथमिक चिकित्सा किट होना अनिवार्य है, जिसमें बैंडेज, गोज, एंटीसेप्टिक क्रीम और अन्य आवश्यक समग्री हामिल हो।
- एंबुलेस में कार्डियक मौनिटर होना अनिवार्य है जो मरीज के दिल की धड़कन और रक्तचाप की निगरानी करने में मदद करता है।
- एंबुलेंस में डेफिब्रिलेटर होना अनिवार्य है, जो मरीज के दिल को सामान्य धड़कन में लाने में मदद करता है।
- एंबुलेंस में स्ट्रेचर होना अनिवार्य है जो मरीज को सुरक्षित रूप से एंबुलेंस में ले जाने में मदद करता है।
- एंबुलेंस में फर्स्ट एड बॉक्स होना अनिवार्य है जिसमें आवश्यक दवाएं और सामग्री हामिल हो।
- एंबुलेस में संचार उपकरण जैसे कि मोबइल फोन, रेडियो आदि होना अनिवार्य है जो एंबुलेंस को अस्पताल और अन्य आपातकालीन सेवाओं से संपर्क में रखने में मदद करते हैं।
- एंबुलेंस में प्रकाश और अलार्म होना अनिवार्य है जो एंबुलेस को रास्ते में आने वाले वाह्नों और पैदल यात्रियों को सूचित करने में मदद करते हैं।

ऐतिहासिक धरोहर अजब कुंवरि बावड़ी का कायाकल्प

जल नहीं रहा तो हमारा कल भी सुरक्षित नहीं रहेगाः संभागायुक्त

रीवा। रीवा संभाग के सभी जिलों में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रीवा नगर निगम क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक अजब कुंवरि बावड़ी का जीर्णोद्धार और साफ-सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। नगरीय प्रशासन विभाग, नगर निगम तथा जन अभियान परिषद द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से चलाए जा रहे इस अभियान में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने श्रमदान किया। बावड़ी को साफ-सुथरा बनाने के लिए सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने भी बढ़चढ़ कर श्रमदान किया। इसमें पिछले सात दिनों से श्रमदान करके इसका कायाकल्प किया गया है। अब बावड़ी में लगभग 10 फीट गहराई में स्वच्छ जल संचित है। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए कमिश्नर जामोद ने बावड़ी परिसर में पौधे भी रोपित किए।

इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि हमारे पूर्वजों को जल का महत्व भलीभांति पता था। उन्होंने पूरे देश में सुंदर जल संरचनाओं का निर्माण कराया। इनके माध्यम से जल संरक्षण और संवर्धन का संदेश देने के साथ-साथ धरती माँ की कोख में असीमित जल भण्डार का संचय किया गया। अजब कुंवरि बावड़ी रीवा की ऐतिहासिक जल धरोहर है। इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए हम सब मिलकर प्रयास करें। जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल नहीं रहा तो हमारा कल भी सुरक्षित नहीं रहेगा। मानव, सभी जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के जीवन का आधार जल है। हर व्यक्ति जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागी बनकर जल संरक्षण में योगदान दे। यह हमारे पूर्वजों को आदर और सम्मान देने के साथ भावी पीढ़ी के जीवन को बचाने का भी प्रयास है। बिछिया नदी भी जिले की बड़ी जल धरोहर है। इसके पुनर्जीवन के लिए पिछले कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नदी को साफ-सुथरा रखने के साथ-साथ इसके दोनों तटों पर बड़ी संख्या में पौधे रोपित करके ही इसे सदानीरा बनाने का प्रयास सफल होगा। पक्के मकानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तथा कुंओं और नलकूपों में रिचार्जिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से बनवाएं।

महाराजा भाव सिंह ने कराया था निर्माण

कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने कहा कि अजब कुंवरि बावड़ी का निर्माण 1664 से 1670 के मध्य रीवा के महाराजा भाव सिंह द्वारा कराया गया था। तत्कालीन महारानी अजब कुंवरि रानी के नाम पर इसका नामकरण हुआ। इसके स्थापत्य में मुगलकालीन, राजपूतकालीन तथा आधुनिक स्थापत्य की झलक मिलती है। इसकी सफाई के लिए जन अभियान परिषद से जुड़ी स्वयंसेवी संस्थाओं तथा विद्यार्थियों द्वारा लगातार सात दिनों से श्रमदान किया जा रहा है।

ननि का गत वर्ष से चल रहा था काम

नगर निगम द्वारा परिसर की साफ-सफाई, पेवर ब्लॉक लगाने तथा बाउन्ड्रीवॉल बनाने का कार्य गत वर्ष किया गया था। इस स्थल को नगर के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपायुक्त नगर निगम प्रकाश द्विवेदी, संयुक्त संचालक नगरीय विकास हरिशंकर मिश्रा, प्राचार्य कन्या महाविद्यालय विभा श्रीवास्तव, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, सुजीत द्विवेदी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सामाजिक संगठनों, गायत्री परिवार, ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय, सत्य साईं सेवा संगठन, एनसीसी और एनएसएस के प्रतिनिधि शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने किया।

हेल्प डेस्क से विद्यार्थियों को मिल रहा मार्गदर्शन

स्नातक और स्नातकोत्तर के लिए पंजीयन जारी

जागरण,रीवा। उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। निर्धारित समय-सारणी के अनुसार स्नातक (यूजी) स्तर पर प्रथम चरण के पंजीयन आवेदन 1 मई से, स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर पर 2 मई से शुरू हो गए हैं। संपूर्ण प्रक्रिया विभागीय ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथियों में संपन्न कराई जाएगी। शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.विभा श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में हेल्प डेस्क महाविद्यालय में शुरू की गई है, जिसमें प्रवेश के लिए जानकारी लेने आने वाले विद्यार्थियों व सत्यापन के लिए आने वाले विद्यार्थियों को पूरी जानकारी दी जा रही है। प्राचार्य ने बताया कि विद्यार्थियों को आवेदन भरते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि आवेदन से पूर्व सभी आवश्यक दस्तावेज 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची, स्थानांतरण प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, जाति, आय एवं मूल निवास प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी एवं पासपोर्ट साइज फोटो तैयार रखें और सभी जानकारी सही-सही दर्ज करें। बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए परिसर में विशेष हेल्प डेस्क स्थापित है। जहां विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन, विषय चयन, स्ट्रीम परिवर्तन और दस्तावेज सत्यापन संबंधी मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

व्यापारी कल्याण बोर्ड गठन पर मिठाइयां बांटकर जताई खुशी

रीवा। बहुप्रतीक्षित व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की खुशी में प्रकाश चौराहा स्थित गांधी कॉम्प्लेक्स के सामने नगर के व्यापारियों द्वारा फल एवं मिष्ठान वितरण कर हर्ष व्यक्त किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक नरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश संयोजक धीरज खंडेलवाल के प्रति आभार और धन्यवाद व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारियों और आम नागरिकों की उपस्थिति रही। लंबे समय से व्यापारी वर्ग जिस बोर्ड की प्रतीक्षा कर रहा था, उसके गठन से सभी में नई उम्मीद जगी है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला सहसंयोजक संजय गुप्ता, अटल मंडल के नगर महामंत्री एडवोकेट श्रीकृष्ण गुप्त, वीरेंद्र गुप्ता लाली, अजय कुमार प्रधान, राकेश साहू, लवकुश साहू, संतोष गुप्ता, विशाल साहू, विनय गुप्ता एवं राजा होतवानी सहित अन्य व्यापारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

देवतालाब विधायक ने बीके निर्मला बहन से की मुलाकात

उत्तम स्वास्थ्य की कामना की

रीवा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, शांति धाम झिरिया, द्वारा द्वादश ज्योर्तिलिंगम रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह दिव्य रथ यात्रा पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक जागृति और जनजागरण का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। यह पावन यात्रा भोपाल जोन की डायरेक्टर राजयोगिनी बीके निर्मला बहन के निर्देशन तथा ब्रह्माकुमारीज रीवा की संचालिका बीके लता दीदी के सहयोग से संचालित हो रही है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वर्तमान देवतालाब विधायक गिरीश गौतम ब्रह्माकुमारीज शांति धाम झिरिया पहुँचे। उन्होंने भोलेनाथ शिव बाबा के द्वादश ज्योर्तिलिंगम रथ का भावपूर्ण एवं प्रेमपूर्ण स्वागत करते हुए इस दिव्य पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह अभियान मानव जाति के लिए अत्यंत कल्याणकारी है, जो समाज में प्रेम, शांति और एकता की भावना को सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर उन्होंने राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर विशेष रूप से रीवा सेवाकेंद्र की संचालिका बीके लता दीदी, मऊगंज सेवाकेंद्र की संचालिका बीके पूर्णिमा दीदी, बीके प्रकाश भाई, बीके प्रमोद भाई, बीके विजय देव भाई, सुभाष भाई, बीके रोहित भाई तथा ब्रह्माकुमारीज परिवार के अन्य भाई-बहनों की उपस्थिति रही।

न्यूज कार्नर

ओलावृष्टि से आम और सब्जियों की फसल प्रभावित

रीवा। रीवा जिले में 5 मई की शाम में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ लगभग 45 मिनट तक तेज वर्षा हुई। जिले में कुल 9.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। कई स्थानों पर हुई ओलावृष्टि से आम और सब्जियों की फसल में भी विपरीत प्रभाव पड़ा। जिले में सर्वाधिक 33 मिलीमीटर वर्षा हुजूर तहसील में दर्ज की गई। अधीक्षक भू अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि तहसील रायपुर कर्चुलियान में 2.3 मिलीमीटर, गुढ़ में 7 मिलीमीटर, सिरमौर में 15 मिलीमीटर, त्योंथर में 5 मिलीमीटर, सेमरिया में 5.3 मिलीमीटर, मनगवां में 2 मिलीमीटर तथा जवा में 9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षा के कारण दिन और रात के तापमान में चार से आठ डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई है।

डाक विभाग का आधार महाअभियान 8 एवं 9 मई को

रीवा। रीवा संभाग में नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग द्वारा 8 मई और 9 मई को विशेष आधार महाअभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक आधार से जुड़ी सेवाएं पहुंचाना और लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करना है। इस अभियान के तहत रीवा संभाग के उप डाकघर और प्रधान डाकघर में विशेष व्यवस्था की गई है। उप डाकघर में कम से कम 50 आधार से जुड़े कार्य किए जाएंगे। प्रत्येक प्रधान डाकघर में कम से कम 100 आधार लेनदेन सुनिश्चित किए जाएंगे। महाअभियान के दौरान नागरिकों को कई महत्वपूर्ण सेवाएं एक ही जगह पर मिलेंगी जिनमें नया आधार कार्ड बनवाना, नामांकन, आधार में नाम, पता, मोबाइल नंबर, फोटो आदि का अपडेशन शामिल है। बच्चों का आधार पंजीकरण, मोबाइल नंबर लिंक या अपडेट करने का कार्य भी डाकघर स्थित आधार केंद्रों में आयोजित होगा। उप डाकघरों में सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक प्रधान डाकघर सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक अभियान का आयोजन किया जाएगा। डाक विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जिन लोगों का आधार अपडेशन के लिए लंबित है या जिन बच्चों का आधार अभी तक नहीं बना है वे इस अवसर का फायदा जरूर लें। साथ ही अपने परिवार और परिचितों को भी इसके लिए जागरूक करें। यह अभियान सशक्त भारत के उद्देश्य को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम तय

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतराज संस्थाओं के निर्वाचन के लिए फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि वेंडर 8 मई तक फोटो रहित मतदाता सूची का प्रारूप जनरेट करके रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। जिसे रजिस्ट्रीकरण अधिकारी वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। वेंडर 15 मई तक प्रारूप मतदाता सूची का मुद्रण करके रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। पुनरीक्षण के लिए मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 15 मई को होगा। मतदाता सूची के संबंध में दावे और आपत्तियाँ 25 मई को दोपहर 3 बजे तक दर्ज की जाएंगी। इनका निराकरण 30 मई तक किया जाएगा। दावे-आपत्तियों की चेकलिस्ट 6 जून तक तैयार करके रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इसे 8 जून तक वेण्डर को उपलब्ध कराएंगे। फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का मुद्रण वेण्डर 16 जून तक करेंगे। अंतिम मतदाता सूची का सार्वजनिक स्थलों पर प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 20 जून तक मतदाता सूची की सीडी और डीवीडी बिक्री के लिए उपलब्ध कराएंगे। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को 22 जून तक मतदाता सूची की प्रति उपलब्ध कराई जाएगी।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने वाली योजना बजट के अभाव में हो गई बंद

पशुपालक हो रहे निराश, नई योजनाओं से उम्मीद

जागरण,रीवा। पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई गोपाल पुरस्कार योजना बंद हो गई है। जिले में करीब एक साल पहले फरवरी 2023 में आखिरी बार इस योजना के तहत प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था, लेकिन 2026 के चार माह बीत चुके हैं। इस साल गोपाल पुरस्कार योजना की अब तक कोई प्रतियोगिता नहीं हुई, क्योंकि सरकार ने न बजट आवंटित किया और न योजना को लेकर कोई आदेश ही जारी किया। जानकारी के अनुसार कोरोना महामारी के चलते 2020 और 2021 में भी इस योजना का आयोजन नहीं हो पाया था। पशुपालकों के लिए यह योजना एक महत्वपूर्ण अवसर होती है। इसके तहत पशुपालक अच्छी नस्ल के दुधारू पशुओं के पालन की तरफ आकर्षित होते थे। योजना के तहत सबसे ज्यादा दूध देने वाले पशु के मालिक को पशु की बेहतर देखभाल और अधिक दूध उत्पादन के लिए समानित भी किया जाता था।

मिलती थी वित्तीय सहायता

गोपाल पुरस्कार योजना का उद्देश्य राज्य में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना और पशुपालकों को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के तहत हर साल प्रतियोगिता होती थी। जिसमें किसानों को उनकी गायों की गुणवत्ता, उत्पादन क्षमता और देखभाल के आधार पर पुरस्कार दिए जाते थे। पशुपालक योजना के फिर से शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस योजना के माध्यम से पशुपालक को न केवल वित्तीय सहायता मिलती थी, बल्कि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए मनोबल भी बढ़ता था, जो दुग्ध उत्पादन में सुधार लाने में मददगार साबित हो रहा था।

पोड़ीधाम में स्वर्ण जयंती महामहोत्सव 8 से 16 मई तक

जागरण, रीवा। आचार्यपीठ पोड़ीधाम में स्वर्ण जयंती महामहोत्सव के तहत 8 से 16 मई तक अनेक धार्मिक आयोजन धूमधाम से संपन्न होंगे। इस अवसर पर श्रीमद जगदगुरू रामानन्दाचार्य श्री श्री बल्लभाचार्य जी महाराज का 50 वां जन्मोत्सव मनाया जायेगा। बैठक में मण्डल के अध्यक्ष डॉ. अभिलाष त्रिपाठी, कार्यकारी अध्यक्ष विजय मिश्रा, सचिव बृजेन्द्र तिवारी, कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी, अरविंद मिश्रा, रामहित द्विवेदी, आर.एस. उपाध्याय सतना, राजेश द्विवेदी सतना, अजय त्रिवेदी सतना राधेश्याम द्विवेदी सहित अनेक गुरुभाई शामिल रहे। जानकारी दी गयी कि विभिन्न तीर्थस्थलों सें पधारे दिव्य संतों द्वारा संत सम्मेलन में प्रवचन जैसे विशाल आयोजन होंगे। आगामी 08 मई को विशाल कलशयात्रा होगी एवं 09 मई से आचार्य महायज्ञ, रामार्चा महायज्ञ, गुरुअर्चा, श्रीमद्भागवत तथा रात्रि में वृंदावन की प्रसिद्ध मण्डली द्वारा रासलीला होगी। उक्त महोत्सव अंतराष्ट्रीय ओजस्वी वक्ता वैष्णव संप्रदाय के श्रीमद्जगदगुरु रामानन्दाचार्य वल्लभाचार्य महाराज रामहर्षण मैथिल सख्य पीठाधीश्वर के आशीर्वाद में संपन्न होगा। उत्सव की तैयारियां पूर्णता की ओर है। पधारे हुये अतिथियों को भोजन एवं आवास की संपूर्ण व्यवस्था आश्रम की तरफ से की जा रही है। यह जानकारी आश्रम के महंत रसिकेश्वरदास महाराज एवं अखिल भारतीय श्री रामहर्षण मण्डल के पदाधिकारियों द्वारा देते हुये समस्त भक्तों से कार्यक्रम में पहुंचने का आग्रह किया गया है।

शहर को बेहतर रैंक दिलाने आप भी कर सकते हैं सहयोग, दो मिनट निकालकर दें फीडबैक

स्वच्छता सर्वेक्षण का सर्वे करने कभी भी आ सकती है टीम, कभी भी आ सकती है टीम, निगम अमले ने झोकी ताकत

जागरण,रीवा। स्वच्छता में विंध्य की राजधानी रही रीवा को अव्वल बनाने आपकी सहभागिता की घड़ी आ गई है। मोबाइल पर ओटीपी आ रहा है तो घबराएं नहीं, पड़ताल करें, उसके बाद शहर हित में अपने बहुमूल्य 2 मिनट निकालें और शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर सकारात्मक फीडबैक दें। इससे राष्ट्रीय स्तर पर शहर की पहचान बनेगी। इसके लिए सरकारी विभागों की ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन कर भी फीडबैक दे सकते हैं। शहर की सफाई व्यवस्था को सुधारने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने बताया कि स्वच्छता रैंकिंग में नंबर 1 बनने के लिए घर-घर दस्तक देकर स्वच्छता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। जिससे की स्वच्छता रैंकिंग में अपने शहर को नंबर 1 बनाया जा सके। स्वच्छता सर्वेक्षण का दल कभी भी शहर में आ सकता है लेकिन इसके लिए सिटिजन फीडबैक भी बेहद जरूरी है। मंत्रालय ने फीडबैक देने के लिए क्यूआर कोड जारी कर दिया है।

फाइल फोटो

चलाया जा रहा है जागरुकता कार्यक्रम

शहर में जागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है। आमजन को फीडबैक देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कुछ संगठनों के कर्मचारी फीडबैक के लिए लोगों को लिंक और क्यूआर कोड भी दे रहे हैं। इस फीडबैक के लिए मोबाइल पर एक ओटीपी भी आता है। इस कारण आमजन इस प्रक्रिया में हिस्सा लेने से बच रहे हैं। कई लोग इसे ठगी का जरिया मानकर फीडबैक देने से बचते हैं लेकिन शहरहित के लिए सिटीजन फीडबैक बेहद अहम है।

इन 10 सवालों के देने होंगे जवाब...

- क्या कोई व्यक्ति प्रतिदिन आपके घर, दुकान से कचरा उठाने आता है?
- आप अपने आवासीय क्षेत्र की सफाई को और नियमित झाड़ू लगाने के मामले में किस प्रकार रेट करेंगे?
- आप अपने क्षेत्र के आसपास कितनी बार कितनी जगह कचरे के ढेर देखते हैं?
- क्या आपके घर में कम से कम सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग किया जाता है?
- क्या कचरा संग्रहणकर्ता कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में रखकर वाहन में लोड करता है या सभी को एक साथ मिला दिया जाता है?
- आपको क्या लगता है कि स्थानीय अधिकारी सार्वजनिक स्थानों जैसे बाजारों, पार्कों, उद्यानों या अन्य क्षेत्रों में स्वच्छ बनाने में कितने प्रभावी हैं?
- क्या आप कचरा प्रबंधन के लिए रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल केंद्रों के बारे में जानते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि निकायों में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के लिए केवल लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटरों को ही काम पर रखने की अनुमति है?

> *स्वच्छता में शहर को नंबर वन बनाने में शहर वासियों की अहम भूमिका है, वह शहर के लिए दो मिनट निकालकर फीडबैक दें ताकि शहर को अच्छे अंक फीडबैक में मिल सकें और अच्छी रैंक शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में मिले।*
> **अजय मिश्रा बाबा, महापौर ननि।**

दो लापरवाह अधीक्षकों की रोकी वेतनवृद्धि

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने दो लापरवाह अधीक्षकों की दो वार्षिक वेतन वृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश दिए हैं। जारी अलग-अलग आदेशों में अनुसूचित जनजाति कन्या आश्रम फूल की अधीक्षिका मैनाबाई साकेत एवं अनुसूचित जनजाति बालक आश्रम लालगांव के अधीक्षक की वेतन वृद्धियाँ रोकने की कार्रवाई की गई है। इस संबंध में कलेक्टर ने बताया है कि कन्या आश्रम फूल का निरीक्षण करने पर साकेत बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाई गईं तथा संस्था में ताला बंद पाया गया। इसे गंभीर कदाचारण तथा कर्तव्यों के प्रति लापरवाही मानते हुए इन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया। नोटिस का संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर वेतनवृद्धि रोकने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत की गई है।

गर्मी की छुट्टी में बदला ट्रेंड : गोवा मनाली नहीं, अब घाट व मंदिर पसंद

परिवर्तन जेन-जी और मिलेनियल्स अब पार्टी डेस्टिनेशन छोड़ आध्यात्मिक सुकून की ओर

जागरण,रीवा। भीषण गर्मी के बीच इस बार समर वेकेशन का ट्रेंड पूरी तरह बदला हुआ नजर आ रहा है। जहां पहले युवाओं की चर्चाओं में गोवा के बीच, मनाली, शिमला या फिर पचमढ़ी जैसे पर्यटन स्थल छाए रहते थे, वहीं अब जेन-जी और मिलेनियल्स धार्मिक स्थलों की ओर रुख कर रहे हैं। पार्टी और एडवेंचर की जगह अब सुकून, ध्यान और आध्यात्मिक अनुभव को प्राथमिकता दी जा रही है। जिले के युवा अब क्लब और पब से दूरी बनाकर नदियों के घाटों और प्राचीन मंदिरों की शरण में पहुंच रहे हैं। ऐसे स्थानों व मंदिरों जैसे स्थलों पर युवाओं की मौजूदगी में करीब 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

देश भर में बदलाव : यह बदलाव केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि देशभर में स्पिरिचुअल टूरिज्म का बढ़ता प्रभाव दर्शाता है। शहर के इंजीनियर छात्र शिवम चतुर्वेदी ने बताया कि गर्मी के बीच अब रील्स और पार्टियों की बजाय नदियों के तट पर समय बिताना पसंद करते हैं। वहीं एमबीए छात्रा मंदिरा गुप्ता का कहना है कि मोबाइल और गैजेट्स से दूर रहकर मानसिक शांति पाने के लिए ऐसे स्थान बेहतर हैं। उनके अनुसार, मौन और ध्यान अब युवाओं के बीच नया ट्रेंड बन चुका है।

यहां की यात्रा

शहर से बाहर जाने वाले युवाओं की पसंद भी बदली है। अब वे अयोध्या, वाराणसी, उज्जैन (महाकाल लोक) और ऋषिकेश जैसे धार्मिक केंद्रों की यात्रा कर रहे हैं। बेहतर ट्रेन कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं से लैस मंदिर कॉरिडोर भी इस बदलाव का एक बड़ा कारण है। तीर्थयात्राओं के दौरान युवा योग शिविरों, भजन संध्या और सांस्कृतिक आयोजनों में भाग लेकर अनुभव को और गहरा बना रहे हैं।

पहले जहां जिले के नदियों और वॉटरफॉल पिकनिक और सेल्फी स्पॉट के रूप में देखा जाता था, वहीं अब यहां के मंदिरों में युवा घंटों समय बिता रहे है। मचमठा घाट में बीहर आरती में युवाओं की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिल रही है। वे न केवल आरती में शामिल हो रहे हैं, बल्कि इसके आयोजन में भी सहयोग कर रहे हैं।

खोल दी जिले के खरीदी केंद्रों में व्यवस्था की पोल : पंकज

रीवा। जिले के सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी पंकज सिंह ने प्रदेश की भाजपा सरकार और केंद्र की नीतियों पर जोरदार हमला बोलते हुए खरीदी केंद्रों की बदहाल व्यवस्था और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जिला प्रशासन की तैयारियों और खरीदी केंद्रों की जमीनी हकीकत को पूरी तरह उजागर कर दिया है, जहां उपार्जन व्यवस्था सिर्फ कागजों में मजबूत दिखाई देती है लेकिन धरातल पर पूरी तरह लाचार नजर आ रही है। पंकज सिंह ने आरोप लगाया कि जिले भर में अधिकांश खरीदी केंद्र खुले आसमान के नीचे संचालित हो रहे हैं, जहां हजारों क्विंटल उपार्जित गेहूं बिना किसी सुरक्षा के रखा हुआ है। बारिश के पानी से अनाज भीग गया है और उसे बचाने के लिए न तो तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था है और न ही प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस तैयारी दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सीधे-सीधे किसानों की मेहनत और उनकी उपज के साथ खिलवाड़ है। खासकर गृहिणियों का घरेलू बजट पूरी तरह चरमरा गया है। जहां पहले रसोई गैस एक सामान्य जरूरत थी, वहीं अब यह धीरे-धीरे एक महंगा और बोझिल साधन बनता जा रहा है।

बूंद-बूंद पानी का तरस रहे शहर के वार्डवासी

रानी तालाब नगरिया, पाणेन टोला, अशोक नगर, सूर्य नगर के लोग पानी से वंचित

जागरण, रीवा। गर्मी के इस मौसम में शहर के कई वार्डवासी पीने के पानी को तरस रहे हैं, किसी को एक माह से पानी नहीं मिल रहा, कोई 10 दिनों से पानी से वंचित है तो कोई फूटी पाइप लाइन के कारण पानी से वंचित है। लोगों द्वारा शिकायत करने के बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही, वार्डों में लोगों को पानी मिल रहा है ये देखने भी आज तक कोई जिम्मेदार इन वार्डों में नहीं पहुंचा, कहीं एकाध हैंडपंप हैं तो कहीं हैंडपंप तो हैं, किन्तु उसके आसपास गंदगी पड़ी है, जिससे लोग पानी नहीं भर पाते, पानी का अन्य कोई स्रोत भी नहीं, जिससे लोगों को मजबूरन बाजार से पानी खरीदकर प्यास बुझानी पड़ रही है वहीं नहाने, कपड़े धोने सहित अन्य उपयोग के लिए लोगों से पानी मांगना पड़ रहा है।

वार्ड क्रमांक 38 नगरिया क्षेत्र के लगभग 500 रहवासी पानी के लिए पिछले एक माह से मशक्कत कर रहे हैं। वार्ड निवासी अंजली साकेत, रानी चौधरी, रामकुमारी, राजू, दिनेश चौधरी, श्यामा देवी आदि ने बताया कि यहां पिछले एक माह से थोड़ा बहुत पानी मिल रहा है, लोगों की पानी की पूर्ति ही नहीं हो पाती और पानी थोड़ी देर से चालू करने के बाद बंद कर दिया है, कभी पानी आता ही नहीं है। कई बार इसकी शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं, यहां एकमात्र हैंडपंप है, लोग सुबह से उसमें पानी के लिए जुट जाते हैं, हैंडपंप भी थोड़ा बहुत पानी देने के बाद सांस लेने लगता है, जिससे कुछ देर रुकना पड़ता है। कुछ देर हैंडपंप को रोकने के बाद भी एकाध-दो बाल्टी पानी निकलता है। यहां पानी का टैंकर भी नहीं आता, लोग पानी के लिए परेशान हैं, कई लोगों को पीने तक का पानी नहीं मिल पा रहा।

पंप हाउस किनारे के रहवासी भी प्यासे : रानी तालाब, अशोक नगर, सूर्य नगर, पांडेन टोला के रहवासियों को पिछले 10 दिनों से पानी नहीं मिल रहा। वार्ड के रहवासी महेश पटेल, मोतीलाल, रामायण प्रसाद, सुन्दरलाल, राकेश आदि ने बताया कि रानी तालाब के समीप ही पंप हाउस है, किन्तु फिर भी यहां पानी प्रदाय नहीं किया जा रहा, पिछले 8-10 दिनों से लोग पानी को तरस रहे हैं। वार्ड में पानी का अन्य कोई विकल्प भी नहीं है, पांडेन टोला में एक हैंडपंप है, उसके चारों ओर लोग कचरा डाल जाते हैं, जिससे उस हैंडपंप का उपयोग चाहकर भी नहीं कर पाते। वार्ड की किसी भी कॉलोनी में पानी के टैंकर भी नहीं आ रहे, ऐसे में लोग बाजार से पानी खरीद रहे, हर कोई पानी खरीद भी नहीं सकता, कई लोग दूर से पानी भरकर लाने को मजबूर हैं।

जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें: कलेक्टर

प्रगणक और ननि टीम करेगी मकानों की नम्बरिंग

जागरण, रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सभी प्रगणक प्रशिक्षण में दी गई जानकारी को आत्मसात करके शासन के निर्देशों के अनुरूप मकानों की सूची बनाएं। सभी प्रगणक आज ही ऐप को लॉगिन करके कम से कम एक मकान की जानकारी दर्ज करें। आयुक्त नगर निगम मकानों में नम्बर डालने, नजरी नक्शा और जनगणना ब्लॉक की सीमाओं की विसंगति को दो दिवस में ठीक कराएं। नगर निगम के जोनल अधिकारी और सुपरवाइजर जनगणना कार्य की ठीक से मॉनिटरिंग करें। प्रगणक को किसी भी तरह की कठिनाई होने पर उसका तत्काल निदान कराएं। मकान सूचीकरण का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मकानों में नम्बर दर्ज करने में की गई त्रुटियों में सुधार करते हुए मकानों का सर्वे शुरू करें। प्रगणक अपने जनगणना ब्लॉक के सेटेलाइट से बनाए गए नक्शे को सीमा मानते हुए उसमें शामिल सभी मकानों की सूची तैयार करें। जनगणना कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अब तक जनगणना कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है। सभी प्रगणकों को तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण में हर बिन्दु की विस्तृत जानकारी दी गई थी। प्रशिक्षण में रूचि न दिखाने के कारण मकानों के सूचीकरण में कठिनाई आ रही है। सभी प्रगणक और सुपरवाइजर मन लगाकर जनगणना का कार्य करें। जनगणना से प्राप्त जानकारी देश के विकास योजनाओं के निर्माण का आधार है। पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से जनगणना करें।

सेटेलाइट मैप की वसंगतियाँ दूर करें: ननि आयुक्त : बैठक में नवागत आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन ने कहा कि मकानों के नम्बर, नजरी नक्शे और सेटेलाइट मैप में जो विसंगतियाँ हैं उसे समन्वय से दूर करें। नगर निगम के उपयंत्री और वार्ड दरोगा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा प्रगणक मिलकर दो दिन में घर-घर जाकर मकानों में सही नम्बरिंग करें। इस सूची को ऐप में अपलोड कराएं। जनगणना ऐप को लॉगिन कर कम से कम एक घर की जानकारी आज ही दर्ज कराएं। किसी भी प्रगणक को यदि मकानों की सूची बनाने में कठिनाई आ रही है तो वह नगर निगम कार्यालय में संपर्क करके पूरी जानकारी प्राप्त कर सकता है। नगर निगम के जोनल अधिकारी तथा प्रभारी अधिकारी भी जिम्मेदारी के साथ जनगणना की मॉनिटरिंग करें। बैठक में मुख्य प्रशिक्षक शशिकांत शुक्ला ने मकानों के सूचीकरण की विस्तार से जानकारी दी।

स्टाफ को मिल रहा लिफ्ट का लाभ, मरीज कतार में लगने मजबूर

लंबे समय से संजय गांधी अस्पताल की लिफ्टों की हालत खस्ता

जागरण, रीवा। संजय गांधी अस्पताल में स्टाफ के लिए तो लिफ्ट की व्यवस्था है, किन्तु मरीजों को लिफ्ट में जाने के लिए बाहर कतार में खड़ा रहना पड़ रहा है। वर्तमान में यहां तीन लिफ्ट चल रही हैं,एक अन्य लिफ्ट की मरम्मत चल रही है, ऐसे में स्टाफ कर्मचारी तो लिफ्ट के माध्यम से अपने कार्यालय आदि पहुंच जाते हैं, किन्तु किसी मरीज को नीचे लाना हो अथवा नीचे से ऊपर ले जाना हो तो मरीज के साथ आए परिजनों को लिफ्ट का उपयोग करने कतार पर लगना पड़ता है, जिससे मरीज के साथ ही उनके साथ आए परिवार वाले परेशान होते रहते हैं। अस्पताल की लिफ्टें आज से नहीं लंबे समय से खराब हालत में हैं, कभी लिफ्ट चालू हो जाती है तो एकाध सप्ताह चलने के बाद पुनः बंद हो जाती है। कुछेक लिफ्टें तो ऐसी हैं जिनके आगे लकड़ी के पटिए ठोंककर उन्हें हमेशा के लिए बंद कर दिया गया है। अस्पताल में पलंग की संख्या में वृद्धि करने के साथ ही अन्य संसाधन, उपकरण तो मुहैया करवा जा रहे हैं, किन्तु जो गंभीर मरीजों के लिए आवश्यक है उन लिफ्टों की न तो मरम्मत की जा रही है न ही उन्हें बदला जा रहा है, जिसका खामियाजा यहां आने वाले मरीजों के साथ ही उनके परिवार वाले भुगत रहे हैं।

बायपास बंद होने से आसपास की ग्रामीण सड़कों को खराब कर रहे केसीसी कंपनी के भारी वाहन

शहर में नो इंट्री के दौरान भी केसीसी के भारी वाहनों की हो रही इंट्री, बाकियों के लिए पहरा विश्वविद्यालय थाना के सामने से दिन भर दौड़ रहे लोड भारी वाहन

जागरण, रीवा। बायपास बीहर पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद से मरम्मत के लिए भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दिये जाने के बाद से आसपास की ग्रामीण सड़कों की शामत आ गई है। बायपास का निर्माण कर रही केसीसी कंपनी के भारी वाहन इन सड़कों से गुजरते हैं जिससे सड़के खराब होने लगी हैं। इसके साथ ही केसीसी कंपनी के लोड भारी वाहन शहर में भी नो इंट्री के दौरान प्रवेश करते हैं। विश्व थाना के सामने से दिन भर केसीसी कंपनी के भारी वाहन दौड़ते हैं और बाकियों के लिए नियम का पहरा लगा हुआ है। इन वाहनों को शहर से होकर सिर्फ रात मे ही 11 बजे के बाद निकाला जा रहा है लेकिन केसीसी कंपनी के ट्रक दिन-रात दौड़ते हैं। भारी वाहनों के लिए 30-40 किमी लंबा डायवर्सन रूट बनाया गया है लेकिन केसीसी कंपनी के वाहन करहिया बोदा रोड एवं अमवा पहुंच मार्ग से होकर घुस रहे हैं।गौरतलब है कि

रतहरा चोरहटा बायपास का चौड़ीकरण का काम केसीसी कंपनी को मिला हुआ है। बायपास पुल से आवामगन बंद होने के बाद भी सड़क का काम जारी है। इस काम में लगे वाहन अब शहर से होकर फर्राटे भर रहे हैं। इनके लिए नो इंट्री का नियम अघोषित रूप से हटा लिया गया है। इस नियम कायदे को दरकिनार किए जाने से लोगों की जान अब आफत में फंस गई है। केसीसी कंपनी के भारी वाहन दिन भर शहर में दौड़ रहे हैं। इससे न सिर्फ सड़कें ही खराब हो रही हैं बल्कि लोगों की जान भी खतरे में पड़ गई है। आसपास की कोई भी सड़क पर सुरक्षित नहीं है। इन भारी वाहनों की स्पीड इतनी अधिक रहती है कि सड़क पर चलने वाले लोग भी डरने लगे हैं। भारी वाहन कॉलोनियों से बीच से होकर निकल रहे हैं। इससे खतरा और भी बढ़ गया है। दिनभर ओव्हर लोड वाहनों का रेला लगा रहता है। किसी भी वाहन में बैक गाड़ी नंबर तक नहीं होता। वर्तमान समय में केसीसी के ट्रकों ने बोदाबाग से अजगरहा मार्ग एवं करहिया से अमवा मार्ग को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इनकी हालत खराब हो चुकी है।

उपार्जित गेहूं का दो दिनों में 90 प्रतिशत परिवहन हो जाना चाहिए: कमिश्नर

अधूरी एकल नलजल योजनाएं 30 जून तक पूरी करें

जागरण, रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन पर विशेष ध्यान दें। उपार्जित गेहूं का दो दिनों में 90 प्रतिशत उठाव कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। स्वीकृति पत्रक तत्काल जारी कराकर किसानों को तीन दिवस में भुगतान कराएं। गेहूं के परिवहन में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। पेयजल व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करें। पेयजल से संबंधित आवेदन पत्रों का 24 घंटे में निराकरण कराएं। सभी जिलों को राइजर पाइप तथा सिंगल फेज मोटर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करा दिए गए हैं। इनका आवश्यकता के अनुसार उपयोग करके पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। अधूरी नलजल योजनाओं को 30 जून तक पूरा कराएं। पूर्ण नलजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों को समारोह पूर्वक हस्तांतरित कराएं। कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति संतोषजनक नहीं है। अभियान के लिए बनाई गई कार्ययोजना के अनुरूप शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य कराएं। अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनों की भी भागीदारी सुनिश्चित करें। जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल संरक्षण कार्यों में व्यय राशि पोर्टल पर तत्काल अपलोड कराएं। जल संरक्षण से जुड़े सभी कार्यों की फोटो और विवरण भी अभियान के पोर्टल पर अपलोड कराएं। कमिश्नर ने कहा कि जनगणना की भी नियमित मॉनिटरिंग करें। सभी प्रगणक दो दिवस में निर्धारित गणना ब्लॉकों को चिन्हांकित करके मकानों का सर्वे शुरू करा दें। सभी कलेक्टर जनगणना कार्य पर भी सतत निगरानी रखें।

दो दिन बारिश हुई, प्याज का दाम पचास फीसदी बढ़ गया

दलालों ने बढ़ा दिए प्याज के भाव, व्यापारी कह रहे आवक कम है, उत्पादन भी प्रभावित

जागरण, रीवा। शहर सहित समीपस्थ क्षेत्रों में पिछले दो दिनों हुई बारिश का लाभ सब्जी खरीदकर व्यापारियों को बेचने वाले दलालों ने उठा लिया। मण्डी में दो दिनों में ही प्याज की आवक भी कम हो गई और उत्पादन भी प्रभावित हो गया कहकर अचानक प्याज के दाम में 50 फीसदी दाम बढ़ा दिए गए। 80 रुपए पसेरी मिलने वाली प्याज बुधवार को मण्डी में 120 रुपए पसेरी बेची गयी, दाम क्यों बढ़ा पूछने पर व्यापारियों का एक ही जवाब था कि बारिश हो गई, जिससे प्याज की आवाक कम हो गई और उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। मात्र दो दिनों में आवक जरूर कुछ कम हो सकती है, किन्तु उत्पादन प्रभावित हुआ ये बात ग्राहकों को हजम नहीं हो रही।

120 रुपए प्याज तो मण्डी में मिल रही है, बाहरी व्यापारी इसे और अधिक दामों में बेचेंगे। जिसका भार ग्राहकों की जेब पर बढ़ेगा। प्याज के अलावा अन्य सब्जियों में भी दामों का इजाफा किया गया है, कल तक मण्डी में 20 रुपए किलो बिक रही भिण्डी आज 30 रुपए किलो बेची गई, टमाटर के दाम पहले ही बढ़ा चुके हैं, खीरा, बरवटी, गिलकी, करेला, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, धनिया आदि में 10-20 रुपए दाम बढ़ने की बात व्यापारियों ने बताई और बढ़े दामों के हिसाब से ही सब्जियां बेचीं। जबकि किसानों को आज भी वही पुराना दाम मिल रहा है, किसानों से पूछने पर उन्होंने बताया कि हमेशा से किसानों को नाममात्र दाम मिलते रहे हैं, अभी दाम बढ़ गए इसकी उन्हें जानकारी नहीं, उनसे तो पुरानी दर पर ही सब्जियां खरीदी जा रही हैं।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

शीघ्र आवश्यकता है

Nagod शहर में शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु कुक (Cook) की आवश्यकता है एवं घरेलू कार्य हेतु एक काम करने वाले की आवश्यकता है। रहने की सुविधा उपलब्ध है। मिलने का समय-दोपहर 12:00 से शाम 5:00 बजे तक। संपर्क करें:- 6263358055

RN-85265 (7/5)

राजस्व अधिकारी गेहूं उपार्जन की कर रहे मॉनिटरिंग

रीवा। जिले के 76 खरीदी केन्द्रों में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी सहित सभी राजस्व अधिकारी खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करके गेहूं उपार्जन की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। कलेक्टर प्रतिदिन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रत्येक खरीदी केन्द्र में गेहूं उपार्जन तथा परिवहन की समीक्षा कर रहे हैं। इस क्रम में राजस्व अधिकारियों द्वारा खरीदी केन्द्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने खरीदी केन्द्र करहिया का निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र प्रभारी को उपार्जित 9 हजार क्विंटल गेहूं का तत्काल परिवहन कराने के निर्देश दिए। तहसीलदार ने खरीदी केन्द्र बम्हौरी का निरीक्षण करते हुए उपार्जित गेहूं का तत्काल परिवहन कराने के निर्देश दिए। खरीदी केन्द्र में चार तौल कांटे चालू पाए गए। रेण्डम जाँच में गेहूं की तौल में अनियमितता पाई गई। तहसीलदार त्योंथर राजेन्द्र शुक्ला ने खरीदी केन्द्र सोहागी क्रमांक दो का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि खरीदी केन्द्र में गेहूं परिवहन के लिए दो ट्रक उपलब्ध हैं, जिनमें से एक ट्रक में गेहूं लोड किया जा रहा है। खरीदी केन्द्र प्रभारी तथा नोडल अधिकारी निरीक्षण के समय अनुपस्थित पाए गए।

कार्यालय अधिष्ठाता, बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल (म.प्र.)

E-mail-deanshahdol@gmail.com Phone no-07652-243000 WebsiteWWW.GMCSHAHDOL.ORG

क्रमांक 1644/टेंडर/बी.एम.जी.एम.सी./2026-27 शहडोल, दिनांक 29/04/2026

बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय परिसर में सरीसृप/सर्प/चूहों/खटमल/कॉकरोच/ढीमक एवं अन्य कीटों की रोकथाम के लिए पेस्ट कंट्रोल करवाने हेतु ई निविदा सूचना

बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय परिसर में सरीसृप/सर्प/चूहों/खटमल/कॉकरोच/ढीमक एवं अन्य कीटों की रोकथाम के लिए पेस्ट कंट्रोल करवाने हेतु निविदा MP E-TENDER के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक निविदाकार अंतिम दिनांक 20.05.2026 शाम 4.00 बजे तक MP E-TENDER के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदा जमा कर सकते हैं। निविदा के संबंध में अधिक जानकारी एवं अपलोड करने की प्रक्रिया www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिष्ठाता
बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
शहडोल (म.प्र.)

G-12499/26

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर
प्रत्यर्थी को अपील की सूचना (नोटिस)
(अधिनियम क्रमांक 5, सन् 1908 का आदेश इकतालिस, नियम 14)
अपील क्रमांक MA/4844/2025

Process Id: 111257/2026 Respondent No. 6
Fixed for 15.05.2026

ICICI LOMBARD GENERAL INSURANCE COMPANY LTD अपीलार्थी
ASHA SAKET प्रत्यर्थी

सन् 2019 के MACC क्रमांक 806 सन् 2019 में न्यायालय Member, 13th MACT SHRI Keshav Singh, Rewa (Madhya Pradesh) की डिक्री/आदेश, दिनांक 18-02-2025 के विरूद्ध अपील।

प्रति,
Rahul Kumar Chahar S/o Hariom Chahar, R/o Ajagraha, Police Station Vishwavidyalaya Rewa, District- Rewa, Madhya Pradesh
प्रत्यर्थी

कृपया सूचित करें कि ऊपर वर्णित अपील श्री Appellant द्वारा प्रस्तुत की गई और इस न्यायालय में पंजीयित की गई है तथा इस न्यायालय द्वारा अपील की सुनवाई का दिनांक 15.05.2026 नियत की गई है। आपत्तियां, प्रति आपत्तियां, यदि कोई हो, इस सूचना (नोटिस) के प्राप्त होने के दिनांक से एक महीने के भीतर फाइल की जानी चाहिए। कृपया इस बात से भी सूचित हो कि आपसे यह भी अपेक्षित है कि आप दिनांक 15.05.2026 को या उससे पहले ऐसे कागजात और दस्तावेजों की, जो आप कागजातो करने का दिनांक की पुस्तक में शामिल करना चाहते हैं, एक सूची अपने स्वयं के खर्च से तैयार करके इस न्यायालय में परिदत्त करें। सूची में ऐसे कागजात और दस्तावेजों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं है जिन्हें इस न्यायालय के नियमों के अधीन शामिल किये जाने की बाध्यता है।

सूची निम्नलिखित फार्म में होना चाहिये :-(1) कागज का विवरण (दिनांक सुभेदक चिह्न तथा पृष्ठ संख्या) (2) पूरा शामिल किया जाना है या उसका एक भाग शामिल किया जाना है (यदि कोई एक भाग शामिल किया जाना हो, तो पंक्तियों आदि का उद्धरण देते हुए स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट करें (3) कागजात की पुस्तक का पृष्ठ (कार्यालय में भरा जाय)

यदि आप कागजात की पुस्तक में कोई कागज शामिल नहीं करना चाहते हों, तो यह अपेक्षित है कि आप उक्त दिनांक 15.05.2026 को या उसके पहले एक रिक्त सूची फाइल करें। आपको अपील की सुनवाई के लिए नियत दिनांक को तैयार रहना चाहिए, किन्तु यदि न्यायालय के काम-काज के कारण अपील उस दिनांक को न्यायालय में न सुनी जा सके तो वह उसके बाद यथासाध्य शीघ्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी। यदि आपकी ओर से आप स्वयं, आपका वकील या इस अपील के संबंध में आपके लिए कार्य करने के लिये विधिवत् प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ, तो अपील आपकी अनुपस्थिति में सुनी जायेगी और निर्णय दिया जायेगा। अपील से संयत निचले न्यायालयों में अभिलेख इस न्यायालय में प्राप्त हो गए है और निरीक्षण के लिए उपलब्ध हैं। आज दिनांक को 01.04.2026 मेरे हस्ताक्षर और उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर की मुहर से दिया गया।

(मुहर)
प्रधान सहायक,
न्यायिक शाखा

RN- 85400

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर
प्रत्यर्थी को अपील की सूचना (नोटिस)
(अधिनियम क्रमांक 5, सन् 1908 का आदेश इकतालिस, नियम 14)
अपील क्रमांक MA/4844/2025

Process Id: 111258/2026 Respondent No. 7
Fixed for 15.05.2026

ICICI LOMBARD GENERAL INSURANCE COMPANY LTD अपीलार्थी
ASHA SAKET प्रत्यर्थी

सन् 2019 के MACC क्रमांक 806 सन् 2019 में न्यायालय Member, 13th MACT SHRI Keshav Singh, Rewa (Madhya Pradesh) की डिक्री/आदेश, दिनांक 18-02-2025 के विरूद्ध अपील।

प्रति,
Rakesh Saket S/o L. N Saket, R/o Adera Rewa, Tehsil Huzur, District- Rewa, Madhya Pradesh
प्रत्यर्थी

कृपया सूचित करें कि ऊपर वर्णित अपील श्री Appellant द्वारा प्रस्तुत की गई और इस न्यायालय में पंजीयित की गई है तथा इस न्यायालय द्वारा अपील की सुनवाई का दिनांक 15.05.2026 नियत की गई है। आपत्तियां, प्रति आपत्तियां, यदि कोई हो, इस सूचना (नोटिस) के प्राप्त होने के दिनांक से एक महीने के भीतर फाइल की जानी चाहिए। कृपया इस बात से भी सूचित हो कि आपसे यह भी अपेक्षित है कि आप दिनांक 15.05.2026 को या उससे पहले ऐसे कागजात और दस्तावेजों की, जो आप कागजातो करने का दिनांक की पुस्तक में शामिल करना चाहते हैं, एक सूची अपने स्वयं के खर्च से तैयार करके इस न्यायालय में परिदत्त करें। सूची में ऐसे कागजात और दस्तावेजों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं है जिन्हें इस न्यायालय के नियमों के अधीन शामिल किये जाने की बाध्यता है।

सूची निम्नलिखित फार्म में होना चाहिये :-(1) कागज का विवरण (दिनांक सुभेदक चिह्न तथा पृष्ठ संख्या) (2) पूरा शामिल किया जाना है या उसका एक भाग शामिल किया जाना है (यदि कोई एक भाग शामिल किया जाना हो, तो पंक्तियों आदि का उद्धरण देते हुए स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट करें (3) कागजात की पुस्तक का पृष्ठ (कार्यालय में भरा जाय)

यदि आप कागजात की पुस्तक में कोई कागज शामिल नहीं करना चाहते हों, तो यह अपेक्षित है कि आप उक्त दिनांक 15.05.2026 को या उसके पहले एक रिक्त सूची फाइल करें। आपको अपील की सुनवाई के लिए नियत दिनांक को तैयार रहना चाहिए, किन्तु यदि न्यायालय के काम-काज के कारण अपील उस दिनांक को न्यायालय में न सुनी जा सके तो वह उसके बाद यथासाध्य शीघ्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी। यदि आपकी ओर से आप स्वयं, आपका वकील या इस अपील के संबंध में आपके लिए कार्य करने के लिये विधिवत् प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ, तो अपील आपकी अनुपस्थिति में सुनी जायेगी और निर्णय दिया जायेगा। अपील से संयत निचले न्यायालयों में अभिलेख इस न्यायालय में प्राप्त हो गए है और निरीक्षण के लिए उपलब्ध हैं। आज दिनांक को 01.04.2026 मेरे हस्ताक्षर और उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर की मुहर से दिया गया।

(मुहर)
प्रधान सहायक,
न्यायिक शाखा

RN- 85399

कार्यालय नगर पालिका परिषद मैहर, जिला-मैहर (म.प्र.)

Phone-(07674) 232054, Fax- (07674) 234288,
e-mail- cmomeher@mpurban.gov.in

क्रमांक/374/न.पा./भ.नु./2026 मैहर, दिनांक 06.05.2026

(भवन अनुज्ञा शाखा)

भवन अनुज्ञा के संबंध में जाहिर-सूचना

नगरपालिका परिषद् मैहर निकाय क्षेत्रांतर्गत सभी आम जन को सूचित किया जाता है कि शासन निर्देशानुसार निकाय अंतर्गत वार्ड क्र. 01 से 24 में किए जा रहे भवन निर्माण में निर्माण कर्ता द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली में निर्माण किया जाना अनिवार्य है। भवन अनुज्ञा प्रदान करते समय निकाय में रेन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण हेतु सुरक्षा निधि जमा करायी जाती है। समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि निर्माण कर रहे भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली (RWH) 15 दिवस में निर्मित कर निकाय में सूचित करें अन्यथा की स्थिति में अधिनियम 1961 के धारा 187 के अनुसार कानूनी कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। RWH प्रणाली निर्माण पश्चात् निकाय में जमा सुरक्षा निधि वापस की जावेगी।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद मैहर

उत्तर मध्य रेलवे

सं-C/JHS/158/WVMs/E-Auction/2026 दिनांक - 28.04.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)- झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई -नीलामी आमंत्रित की जाती है :-

श्रेणी : Misc- Static- Service- Water Vending Machines

केटलोग संख्या : WVM- JHS-APR-26

एसेट्स डिटेल्स

झाँसी मंडल के बाँदा, महोबा, उरई और ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन के ठेके हेतु ई-नीलामी

यूनिट्स (स्टेशन) : बांदा स्टेशन पर 02 WVM यूनिट्स

प्लेटफार्म एवं लोकेशन

1. प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर, RPF पोस्ट ऑफिस के सामने 2. प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर, झांसी छोर की ओर, FOB के पास

यूनिट्स (स्टेशन) : महोबा स्टेशन पर 02 WVM यूनिट्स

प्लेटफार्म एवं लोकेशन

1. प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर, द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय के सामने 2. प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर, स्टेशन भवन में SS कार्यालय के पास, बांदा छोर की ओर

यूनिट्स (स्टेशन) : उरई रेलवे स्टेशन पर 02 WVM यूनिट्स

प्लेटफार्म एवं लोकेशन

1. प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर, CNB छोर पर खंभा संख्या 1241/26 और 1241/24 के बीच
2. प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर, JHS छोर पर खंभा संख्या 1241/20 और 1241/21 के बीच

यूनिट्स (स्टेशन) : ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर 03 WVM यूनिट्स

प्लेटफार्म एवं लोकेशन

1. प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर, पोल संख्या 1224/37 के पास, नए FOB के निकट, झांसी छोर की ओर 2. प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर, FOB के एस्केलेटर के नीचे, झांसी छोर की ओर 3. प्लेटफॉर्म संख्या 04 पर, इलेक्ट्रिक पोल संख्या 1068 के सामने, पानी के बूथ के पास, आगरा छोर की ओर

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय : दिनांक 13.05.26 at 11:00 hrs

ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय : दिनांक 13.05.26 at 12:00 hrs

नोटः- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट- **www.ireps.gov.in** के e-auction module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **991/26(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संक्षिप्त खबरें

अपात्रों को बोनस अंक के मामले में हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

जबलपुर। प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा -2025 के परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी और अपात्र उम्मीदवारों को गलत तरीके से फीसदी बोनस अंक दिए जाने के आरोप पर बुधवार को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। नरसिंहपुर निवासी सोनम अगरैया एवं अन्य दो उम्मीदवारों की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा -2025 भर्ती विज्ञापन की कंडिका 7.7 के तहत केवल उन उम्मीदवारों को 5 फीसदी बोनस अंक मिलने थे, जिनके पास भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त विशेष शिक्षा में डिप्लोमा है। चयन सूची में लगभग 14,964 उम्मीदवारों ने खुद को इस श्रेणी में दिखाकर बोनस अंक प्राप्त कर लिए हैं।भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कोर्ट को बताया गया कि पूरे प्रदेश में आरसीआई के पोर्टल पर केवल 2,194 कार्मिक और 3,077 पेशेवर ही पंजीकृत हैं। ऐसे में लगभग 15,000 उम्मीदवारों का विशेष शिक्षा प्रमाणपत्र धारक होना प्रथम दृष्टया फर्जी प्रतीत होता है। तर्क दिया गया कि लोक शिक्षण संचालनालय ने भी जनवरी 2026 में विभाग को आगाह किया था कि लगभग 18,000 उम्मीदवारों ने हां का विकल्प चुना है, जो अत्यधिक प्रतीत होता है। इसके बावजूद, सुधार के लिए पोर्टल खोलने के बाद भी मंडल के द्वारा उम्मीदवारों से आरसीआई की पंजीकरण संख्या या प्रमाणपत्र नहीं मांगा गया। इसके चलते बड़ी संख्या में फर्जी बोनस वाले अभ्यर्थी मेरिट लिस्ट में आ गए। याचिका में 27 फरवरी 2026 को जारी दोषपूर्ण मेरिट लिस्ट को रद्द करने की मांग की गई। केवल वैध आरसीआई प्रमाणपत्र धारकों को ही बोनस अंक देकर नई मेरिट सूची जारी करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया।

वित्त अधिकारी संघ की वेबसाइट लांच

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को मंत्रालय में म.प्र. वित्त सेवा अधिकारी संघ की वेबसाइट लांच की। उन्होंने वेबसाइट को राच्य के वित्त सेवा अधिकारियों एवं अन्य विभागों के अधिकारियों के लिए उपयोगी बताया। देवड़ा ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने इस पहल को नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।वित्त सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष रणजीत सिंह चौहान ने जानकारी दी कि देश में पहली बार किसी अधिकारी/कर्मचारी संघ द्वारा चुनाव की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की जा रही है। इस व्यवस्था मेंप्रदेश में कहीं भी पदस्थ वित्त सेवा अधिकारी अपने संघ के चुनाव के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे, नाम वापस ले सकेंगे तथा ऑनलाइन मतपत्र के माध्यम से मतदान भी कर सकेंगे।

सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा आज होगी रवाना

जागरण, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1 से सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के प्रथम जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह गौरवशाली यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत निकाली जा रही है। मध्यप्रदेश से पहली बार निकलने वाली इस विशेष यात्रा में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से 1,100 श्रद्धालुओं का दल सम्मिलित होगा। यह रेलगाड़ी भोपाल और उज्जैन रेलवे स्टेशनों से भी तीर्थयात्रियों को अपने साथ लेकर सोमनाथ की ओर प्रस्थान करेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु सोमनाथ की पावन धरा पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, दर्शन और आध्यात्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करेंगे। संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्वच का उद्देश्य देशभर के राच्यों के माध्यम से भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान, हजार वर्षों के संघर्ष और आस्था का स्मरण करना है।

प्रदेश में पद पाने वाले भाजपा नेताओं को देनी होगी परीक्षा, निकाय चुनाव हारे तो हटाए जाएंगे

दिल्ली के निर्देश पर प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने निगम, मंडल, प्राधिकरण के अध्यक्ष-उपाध्यक्षों को बताई प्राथमिकता

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में इन दिनों भाजपा नेताओं की सरकारी पदों पर राजनीतिक नियुक्तियां हो रही है। अब तक 60 नेताओं व कार्यकर्ताओं को अलग-अलग दायित्व सौंप दिए गए है। अगले कुछ दिनों में शेष पदो पर भी नियुक्तियां कर दी जाएगी। लेकिन पद पाने वाले नेताओं को यह साबित करना होगा कि उनकी कार्यप्रणाली का लाभ पार्टी को मिलेगा। जानकारों की माने तो पिछले दिनों भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने मध्यप्रदेश संगठन और सरकार को निगम मंडल सहित अन्य राजनीतिक नियुक्तियों के लिए फ्री हैण्ड देते हुए साफ कर दिया था कि जिन्हें भी पदों पर बैठाया जाए, उन्हें पहले दिन ही लक्ष्य बता दिया जाए कि जिन क्षेत्रों से वे आते है,वहां अगले निकाय चुनावों में पार्टी की जीत होनी चाहिए। इसी तरह त्रि स्तरीय पंचायतों के पदों पर भी भाजपा समर्थित प्रतिनिधि बैठने चाहिए। जिन क्षेत्रों में ऐसा नहीं होगा पार्टी संबंधित निगम मंडल के पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त कर सकती है। भाजपा से जुड़े एक वरिष्ठ नेता ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि पार्टी हर पदाधिकारी या निगम मंडल पर बैठाए गए कार्यकर्ताओं की जवाबदारी तय करना चाहती है। सरकार में बैठे कार्यकर्ता हो या निगम मंडल व संगठन की जिम्मेदारी संभाल रहे नेता हो,सभी का लक्ष्य पार्टी को मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए।

अब तक भरे गए 60 पद

राज्य सरकार ने प्रदेश के निगम,मंडल,प्राधिकरण और आयोगों में 60 पद भर दिए है। इनमें 10 प्राधिकरण,8 निगम,5 आयोग,4 बोर्ड,3 समितियां और अन्य संस्थानों में राजनीतिक नियुक्तियां कर दी गई है। अब तक हुई नियुक्तियों पर नजर डाली जाए,तो पद पाने वाले अधिकांश नेता संघ की पृष्ठभूमि से है। अगर जातिगत समीकरण पर गौर करें,तो 16 पदों पर सवर्ण नेताओं को अध्यक्ष बनाया गया है,जबकि 5 पद पर अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के लोगों को बैठाया गया है। ओबीसी और एसटी वर्ग की एक-एक महिला को भी अलग-अलग निगम और आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है।

बीडीए, आईडीए की नियुक्ति लंबित

राज्य सरकार ने प्रदेश के कई प्राधिकरणों में नियुक्तियां कर दी है,लेकिन राजधानी के भोपाल विकास प्राधिकरण के अलावा इंदौर विकास प्राधिकरण और देवास विकास प्राधिकरण की नियुक्तियां अब तक लंबित है। जिससे इन पदों के दावेदार अभी भी पार्टी दफ्तर के चक्कर काट रहे है।

अब तक इन नेताओं को मिले पद

प्राधिकरण

विंध्य विकास प्राधिकरण- अध्यक्ष पंचूलाल प्रजापति(रीवा)
उपाध्यक्ष- डॉ. अजय सिंह (रीवा)
संजय तीर्थानी(सतना)
उज्जैन विकास प्राधिकरण- अध्यक्ष-रविन्द्र सोलंकी
उपाध्यक्ष- मुकेश यादव, रवि वर्मा। सदस्य- विजय अग्रवाल, अमित श्रीवास्तव, रामचंद्र शर्मा, सुशीला जाटवा, दुर्गा बिलोटिया।
विशेष क्षेत्र प्राधिकरण ग्वालियर- अध्यक्ष-अशोक शर्मा,
उपाध्यक्ष- हरीश मेवाफरोश।
ग्वालियर विकास प्राधिकरण- अध्यक्ष-मधुसूदन भदौरिया,
उपाध्यक्ष- सुधीर गुप्ता, वेद प्रकाश शिवहरे।
अमरकंटक विकास प्राधिकरण- अध्यक्ष राजेंद्र भारती।
ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण- अध्यक्ष-अशोक जादौन,
उपाध्यक्ष- उदय वीर सिंह गुर्जर।
रतलाम विकास प्राधिकरण- अध्यक्ष-मनोहर पोरवाल,
उपाध्यक्ष- गोविंद काकर्णी और प्रवीण सोनी। **सदस्य-** राजेंद्र सिंह गोयल, राजेंद्र मौर्य, धीरज व्यास, राखी व्यास, किरण महावर।
मध्य प्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण भोपाल- अध्यक्ष - विनोद गोटिया।
मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण- अध्यक्ष- गुड्डी आदिवासी।
जबलपुर विकास प्राधिकरण- अध्यक्ष-संदीप जैन, **उपाध्यक्ष** प्रशांत केसरवानी।

समितियां

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति- अध्यक्ष-रमेश चंद्र शर्मा(भोपाल)
मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल- अध्यक्ष ओम जैन(उज्जैन)
महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान- अध्यक्ष कौशल शर्मा(ग्वालियर)
मध्य प्रदेश मछुआ कल्याण बोर्ड- अध्यक्ष महेश केवट(टीकमगढ़)
मध्य प्रदेश महाराणा प्रताप कल्याण बोर्ड- अध्यक्ष केशव भदौरिया(ग्वालियर)
मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामउद्योग बोर्ड- अध्यक्ष पंकज जोशी, उपाध्यक्ष राकेश जादौन।
मध्य प्रदेश कुश समाज कल्याण बोर्ड- अध्यक्ष प्रभु दयाल कुशवाह(ग्वालियर)

आयोग

मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग- अध्यक्ष रामलाल रौतेल, सदस्य- भगत नेताम, मंगल सिंह धुर्वे।
मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग- अध्यक्ष कैलाश जाटव, सदस्य- रामलाल मालवीय, बारेलाल अहिरवार। आयुक्त विभाग के पदेन सचिव होंगे।
मध्य प्रदेश राच्य महिला आयोग- अध्यक्ष रेखा यादव (छतरपुर) और सदस्य साधना स्थापक (गाडरवाड़ा)
मध्य प्रदेश योग आयोग भोपाल- अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह।
मध्य प्रदेश युवा आयोग- अध्यक्ष प्रवीण शर्मा(इंदौर)निगम
मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम लिमि. भोपाल- अध्यक्ष रामनिवास रावत और उपाध्यक्ष रामोहन बघेल।
मध्य प्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम- अध्यक्ष केशव सिंह बघेल।
मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित विकास निगम- प्रशासक- महेंद्र सिंह यादव।
मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन लि- अध्यक्ष संजय नगाईच।
मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लि- अध्यक्ष केपी यादव(अशोकनगर) और उपाध्यक्ष संजीव कांकर।
मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम- अध्यक्ष रवि मालवीय।
मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम- अध्यक्ष सौभाग्य सिंह।
मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम मर्यादित भोपाल- अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह(बुंदेलखण्ड)

अधिकारी क्राउड मैनेजमेंट पर रखें फोकस: मकवाना

भोपाल। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा है कि सिंहस्थ के दौरान भीड़ प्रबंधन के लिए संयुक्त कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा शाही स्नान एवं अन्य प्रमुख अवसरों पर विशेष ट्रैफिक एवं भीड़ नियंत्रण योजना तैयार की जाए। मकवाना बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में सिंहस्थ 2028 के सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आयोजन के दृष्टिगत पुलिस, रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्राउड मैनेजमेंट के तहत एंट्री एवं एग्जिट मार्ग पृथक-पृथक रखे जाएं तथा अंतिम समय में प्लेटफॉर्म परिवर्तन से बचा जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो। बैठक में आगामी सिंहस्थ के दौरान संभावित अत्यधिक भीड़, यातायात प्रबंधन, रेल संचालन, सुरक्षा व्यवस्था तथा आधारभूत संरचना के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत योजना पर चर्चा की गई। उत्तरप्रदेश डीजी (रेल) प्रकाश डी. ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 के अनुभव साझा करते हुए बताया कि बड़े आयोजनों में भीड़ का सटीक आकलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 2013 की घटना सहित पूर्व घटनाओं से सीख लेते हुए मल्टी-लेवल क्राउड मैनेजमेंट, प्लेटफॉर्म सुरक्षा, पृथक एंट्री-एग्जिट एवं होल्डिंग एरिया आधारित भीड़ नियंत्रण व्यवस्था को अत्यंत प्रभावी बताया।

विदिशा में तीन मंजिला भवन के तल पर दहकी आग, करीब 40 ई-बाइक राख

जागरण, विदिशा। बढ़ती गर्मी के साथ ही शहर में आग की घटनाएं भी भयावह रूप में सामने आ रही है। बुधवार की रात पीतलमिल चौराहा कान्वेंट स्कूल के सामने एक चार मंजिला भवन के तल में स्थित ईवी-बाइक शोरूम में आग धधक उठी। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन व फायर ब्रिगेड पहुंची और आग को नियंत्रित किया। इस आग में 35-40 ई-बाइक जलकर राख हो गई। इसमें 25 से 30 लाख के नुकसान का अनुमान है। जानकारी के अनुसार कॉन्वेंट स्कूल के सामने स्थित इस भवन में ग्राउंड फ्लोर पर पंकज जैन का इवी बाइक शोरूम और ऊपर मंजिलों में लोग रह रहे हैं। रात डेढ़ बजे फर्स्ट फ्लोर पर रह रही बुजुर्ग महिला को धुएं का एहसास हुआ। देखते ही देखते धुआं पूरे भवन में फैल गया और सांस लेना मुश्किल हो गया। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के मुताबिक जैसे ही आग लगने की सूचना मिली तो वे मौके पर पहुंचे। पुलिस व प्रशासन भी मौके पर पहुंच चुका था। इस दौरान आग भयावह रूप लेती जा रही थी। बड़ी चिंता भवन में धुआं और दहशत में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की रही और इसके लिए सभी ने मिलकर प्रयास किए और जेसीबी की मदद से एक बुजुर्ग महिला एवं उसकी बेटी को सुरक्षित निकाला गया। वहीं श्री जैन का परिवार भी आग बुझने के बाद सुरक्षित नीचे उतरा।

चार हजार शिक्षकों के नियुक्ति आदेश जारी 12 से 18 मई तक कर सकेंगे स्कूल चॉइस

डीपीआई कार्यालय के सामने प्रदर्शन के बाद आदेश, दस्तावेज सत्यापन के बाद ही अंतिम नियुक्ति

जागरण, भोपाल। लंबे इंतजार के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने 4,000 माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षकों के लिए नियुक्ति आदेश जारी कर दिए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 12 मई से 18 मई 2026 के बीच ऑनलाइन माध्यम से स्कूलों का चयन (चॉइस फिलिंग) करना होगा। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने आधिकारिक सूचना जारी कर दी है। बुधवार को अभ्यर्थियों ने भोपाल स्थित डीपीआई कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की थी, जिसके बाद सरकार ने यह कदम उठाया। चयनित अभ्यर्थी लंबे समय से नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। अभ्यर्थियों के अनुसार, यह भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद 2023 में पात्रता परीक्षा आयोजित की गई और अप्रैल 2025 में चयन परीक्षा ली गई। लंबी प्रक्रिया के बाद सितंबर 2025 में परिणाम घोषित हुआ। चयन सूची जारी की गई। इसमें करीब 10,700 अभ्यर्थियों की सूची आने के बावजूद पिछले 9 महीनों से नियुक्ति प्रक्रिया अटकी हुई थी, जिससे अभ्यर्थियों में नाराजगी बढ़ रही थी। जिन अभ्यर्थियों के नाम सशर्त

रूप से चयन सूची में शामिल हैं, उनके दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही उनकी पात्रता या अपात्रता तय होगी। इसी आधार पर आगे की नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। विभाग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे एमपी ऑनलाइन के अधिकृत पोर्टल पर नियमित रूप से नजर बनाए रखें। सभी जरूरी सूचनाएं और निर्देश इसी पोर्टल के माध्यम से जारी किए जाएंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी नई जानकारी के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें।

स्कूल चॉइस ऑनलाइन पोर्टल पर भरनी होगी

लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश के मुताबिक, माध्यमिक शिक्षक (विभिन्न विषय) और प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत, गायन-वादन, नृत्य) पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्कूलों का चयन करना होगा। अभ्यर्थियों को अपने आवंटित संभाग या जिले के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों को प्राथमिकता क्रम में भरना अनिवार्य होगा। विभाग ने साफ किया है कि पोर्टल शुल्क जमा करने के बाद ही चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। विभाग ने चेतावनी दी है कि अगर कोई अभ्यर्थी तय समय सीमा के भीतर स्कूल विकल्प नहीं भरता है, तो उसे बाद में बची हुई रिक्तियों के आधार पर ही स्कूल आवंटित किया जाएगा। ऐसी स्थिति में मनचाहा स्कूल मिलने की संभावना कम हो जाएगी। साथ ही, चॉइस फिलिंग से जुड़े किसी भी प्रकार के दावे बाद में स्वीकार नहीं किए जाएंगे, इसलिए समय पर प्रक्रिया पूरी करना जरूरी है।

किसानों के भुगतान को लेकर सीएम सख्त, अफसरों को किया निर्देशित, लापरवाही न हो, समय पर हो भुगतान

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों से कहा कि किसी भी खरीदी केन्द्र में किसानों को उनके गेहूं उपार्जन के भुगतान में देरी नहीं होनी चाहिए। ऐसी स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संबंधित अधिकारी इसके लिए सीधे दोषी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपज का एक-एक दाना कीमती है। मंडी व्यवस्था में पारदर्शिता और समय पर भुगतान हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने मंडी बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश की सभी मंडी समितियां यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थिति में किसानों के भुगतान में लापरवाही न हो। खरीदी गई कृषि उपज का भुगतान समय-सीमा में कराया जाए। बोर्ड द्वारा सभी मंडी सचिवों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं कि किसान हित सर्वोपरि है और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

64 किसानों को मिलेंगे लगभग एक करोड़

कृषि उपज मंडी समिति चौरई की अपील पर उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा 64 कृषकों को उनके द्वारा विक्रय की गई उपज की राशि 96 लाख 51 हजार 500 रुपये के भुगतान करने के आदेश प्रसारित हुए हैं। प्रदेश में किसान के साथ अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि कृषि उपज मंडी समिति चौरई में पंजीकृत अनुज्ञप्तिधारी फर्म ज्ञाता श्री ट्रेडर्स, चौरई के द्वारा कृषकों से खरीदी गई अधिसूचित कृषि उपज का भुगतान नहीं करने पर मंडी समिति ने त्वरित कार्रवाई की। चौरई द्वारा फर्म से वसूली के लिए आर.आर.सी. जारी कर 96,51,500 रुपये की वसूली की गई और राशि मंडी समिति के खाते में जमा कराई गई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर म.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने सिविल कोर्ट/जिला कोर्ट से अनुमति नहीं मिलने पर मंडी समिति की ओर से उच्च न्यायालय जबलपुर में अधिवक्ता के माध्यम से याचिका दायर की गई।

बंडारू ने की सीएम से भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ग्रीनको ग्रुप के कार्यकारी निदेशक नरसिम्हा राव बंडारू तथा उपाध्यक्ष नवीन कुमार ने समत्व भवन में भेंट कर प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा संबंधी गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। ग्रुप भारत की अग्रणी नवकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है। ग्रीनको ग्रुप प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा गतिविधियों के विस्तार का इच्छुक है। यह ग्रुप शिवपुरी जिले में सौर ऊर्जा संयंत्र और मंदसौर व रतलाम जिलों में पवन ऊर्जा संयंत्र के प्रोजेक्ट संचालित कर रहा है।

केपी यादव, संजीव कांकर ने संभाला पद

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष पद पर डॉ. के.पी. यादव एवं उपाध्यक्ष पद पर संजीव कांकर ने बुधवार को विधिवत अपना पदभार ग्रहण किया। यह पदभार ग्रहण प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत तथा राच्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। राजपूत ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राच्य नागरिक आपूर्ति निगम प्रदेश के गरीब और जरूरतमंद वर्ग तक खाद्यान्न पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। ऐसे में पारदर्शिता, सुशासन और जवाबदेही के साथ कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने कहा कि निगम की भूमिका केवल वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने नव-नियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष से अपेक्षा व्यक्त की कि वे प्रशासनिक दक्षता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, निगम के प्रबंध संचालक अनुराग वर्मा सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस सत्याग्रह नहीं,छल के लिए मांगे माफी: भाजपा

भोपाल। प्रदेश भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस का गुरुवार को होने वाले सत्याग्रह को निजी राजनीतिक स्वार्थ के लिए किया जा रहा है। जबकि किसानों के साथ छल और झूठ बोलने का काम कांग्रेस और उनके नेताओं ने किया है,जिसके लिए उन्हें किसानों से माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि यह आमजन को बंधक बनाने जैसा कृत्य है, जिससे एंबुलेंस और अग्निशमन जैसी आपात सेवाएं प्रभावित होंगी। मध्यप्रदेश के किसानों के नाम पर किया जा रहा यह आंदोलन गैर-जिम्मेदाराना और जनविरोधी है, जो प्रदेश की जनता, व्यापार और व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों से एक-एक दाना गेहूं खरीदने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कर्जमाफी के झूठे वादों से किसानों को डिफाल्टर बना दिया था, भाजपा सरकार ने किसानों की लगभग 2800 करोड़ की राशि जमा कर उन्हें डिफाल्टर की श्रेणी से बाहर निकाला। कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वर्ष 2003-04 में गेहूं का समर्थन मूल्य क्या था और क्या उस समय किसानों का अनाज समर्थन मूल्य पर खरीदा जाता था। खण्डेलवाल ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए गठित स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को भी कांग्रेस सरकारों ने वर्षों तक लागू नहीं किया। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में किसानों को लाभकारी समर्थन मूल्य मिलने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को एमएसपी पर बोनस देकर 2625 रुपये प्रति क्विंटल के मान से गेहूं खरीदी कर रही है। कांग्रेस शासनकाल में जहां गेहूं का उत्पादन लगभग 60 लाख टन था, वहीं आज यह ब?कर करीब 200 लाख टन तक पहुंच गया है। खण्डेलवाल ने कहा कि अध्यक्ष जीतू पटवारी को पहले किसानों से माफी मांगनी चाहिए।

आंदोलन मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर 7 स्थानों पर होगा आंदोलन,11 जिलों पर रहेगा असर

किसानों की मांगों पर कांग्रेस करेगी राष्ट्रीय राजमार्ग जाम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने एलान किया है कि किसानों की समस्याओं के खिलाफ 7 मई को राज्य से निकलने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के सात स्थानों पर सत्याग्रह किया जाएगा। इसके लिए पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग स्थानों की जिम्मेदारी सौंपी है। सत्याग्रह की वजह से हाईवे पर जाम लग सकता है,जिससे राज्य के 11 जिले प्रभावित हो सकते है।

गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने घोषणा की थी,कि यदि किसानों की समस्याओं को निराकरण नहीं किया जाता,तो कांग्रेस पार्टी बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी और बुरहानपुर से लेकर मुरैना तक के एनएच में चकाजाम किया जाएगा। इसके लिए पार्टी सड़क से लेकर जेल तक संघर्ष करेगी। इसी घोषणा के तहत कांग्रेस एवं प्रदेश के किसान संगठनों द्वारा 7 मई गुरुवार को पूर्वान्ह 11 बजे से मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (एन.एच.-3) पर चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। यह आंदोलन प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक स्तर पर आयोजित होगा।

यहां होगा चक्का जाम

- **मुरैना** - मुरैना, भिंड
- **ग्वालियर** - ग्वालियर, दतिया
- **शिवपुरी** - शिवपुरी, श्योपुर
- **गुना** - गुना, अशोकनगर
- **शाजापुर** - शाजापुर,
- **देवास**- देवास
- **इंदौर** - इंदौर
- **खरगोन**- खलघाट

ये नेता रहेंगे मौजूद

मुरैना में एआईसीसी सदस्य - कमलेश्वर पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह जी, विधायक हेमंत कटारे
ग्वालियर - राज्यसभा सांसद अशोक सिंह एवं संभाग के सभी विधायकगण
शिवपुरी - पूर्व मंत्री के.पी. सिंह, प्रदेश महासचिव यादवेन्द्र सिंह
गुना - पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह
शाजापुर - प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी, प्रदेश सहप्रभारी संजय दत्त
इंदौर - प्रदेश सहप्रभारी श्रीमती उषा नायडू
खलघाट - नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार , प्रदेश सहप्रभारी रणविजय सिंह लोचव , पूर्व मंत्री बाला बच्चन , सचिन यादव

हम जेल जाने से नहीं डरते: पटवारी

पटवारी ने कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण किसान सत्याग्रह के रूप में किया जाएगा, जिसका उद्देश्य आम जनता को परेशान करना नहीं, बल्कि सरकार तक किसानों की पीड़ा को प्रभावी रूप से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने गेहूं एवं धान के भावांतर की योजना तत्काल लागू नहीं की, तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन छेड़ेगी।उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह कियाखरीदी में हुई देरी के चलते किसानों के नुकसान की भरपाई हेतु और किसानों के हित में तत्काल निर्णय लेते हुए गेहूं पर भावांतर योजना लागू करें। जिस दिन सरकार किसानों के हित में यह निर्णय लेगी, उस दिन मैं स्वयं मुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन करूंगा।पार्टी इस आंदोलन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यदि आवश्यकता पड़ी तो सड़क सत्याग्रहएवं जेल सत्याग्रहसे भी पीछे नहीं हटेगी।

संक्षिप्त समाचार

इटली: मेलोनी ने डीपफेक पर दी चेतावनी

नई दिल्ली, जेएनएन। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने ऑनलाइन वायरल हो रहे अपनी एक डीपफेक फोटो का सार्वजनिक तौर पर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह घटना दिखाती है कि, कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल लोगों को गुमराह करने और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए एक हथियार के तौर पर किया जा सकता है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को इटली की प्रधानमंत्री ने इस फेक तस्वीर को अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट किया। उन्होंने 'रॉबर्टो' नाम के एक यूजर के स्क्रीनशॉट को भी शेयर किया, जिसने इस तस्वीर को यह दावा करते हुए दोबारा शेयर किया था कि मेलोनी को शर्म आनी चाहिए।

टैक्सास में गोलीबारी दो की मौत, तीन घायल

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के टेक्सास राज्य में डलास के उत्तरी शहर कैरोलटन में मंगलवार को एक व्यक्ति ने पांच लोगों पर गोलियां चला दीं। इस हिंसक घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। कैरोलटन पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एरेडोंडो ने जानकारी दी कि यह कोई अचानक हुआ हमला नहीं था। हमलावर और पीड़ित एक-दूसरे को पहले से जानते थे। पुलिस का मानना है कि उनके बीच कोई व्यावसायिक संबंध था और वे किसी मीटिंग के लिए मिले थे। हालांकि, उस मुलाकात का असली मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। यह घटना कैरोलटन के कोरियाटाउन इलाके में स्थित के टाउन प्लाजा में हुई।

बीजिंग में ट्रंप-जिनपिंग की अगले हफ्ते मीटिंग

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अगले हफ्ते होने वाली मुलाकात में ताइवान का मुद्दा उठ सकता है। यह जानकारी अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दी है। व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान मार्को रुबियो ने कहा कि ताइवान हमेशा अमेरिका और चीन के बीच बातचीत का हिस्सा रहता है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश समझते हैं कि इस क्षेत्र में कोई भी अस्थिरता उनके हित में नहीं है। रुबियो ने साफ कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि ताइवान या इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में कोई भी ऐसा घटनाक्रम हो जिससे तनाव बढ़े या हालात बिगड़ें। डोनल्ड ट्रंप 14 और 15 मई को बीजिंग का दौरा करने वाले हैं।

सीआईए ने दिखाई लादेन के घर से मिली ईंट

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने एक ईंट की फोटो पोस्ट की है। यह ईंट पाकिस्तान के एबटाबाद में उस घर से ली गई थी, जहां ओसामा बिन लादेन अपने परिवार के साथ छिपकर रह रहा था। सीआईए ने बताया कि ऑपरेशन के बाद वहां से 13 ईंटें मिली थीं, जिन पर अलग-अलग अक्षर लिखे थे। इनमें से एक ईंट अब सीआईए के म्यूजियम में रखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घर करीब 2006 में बनाया गया था। इसके चारों तरफ ऊंची दीवारें और तार लगे थे। घर में न फोन था, न इंटरनेट। वहां रहने वाले लोग अपना कचरा बाहर देने के बजाय खुद जला देते थे, ताकि किसी को शक न हो। अमेरिकी सेना के नेवी सील्स ने 2 मई 2011 को इस घर पर छापा मारा था और बिन लादेन को मार गिराया था।

डेटाबेस से गायब 4.4 करोड़ भारतीय जेनोम

बड़ा खुलासा: भारतीयों के डीएनए में छिपे हैं दुनिया के अब तक के कई अनजाने जेनेटिक रहस्य

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की विविधता केवल संस्कृति और खान-पान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे डीएनए में भी गहराई से रची-बसी है। 'जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट' के हालिया नतीजों ने वैज्ञानिक जगत में हलचल मचा दी है। इस प्रोजेक्ट के तहत किए गए जेनेटिक मैपिंग (अनुवांशिक मानचित्रण) में 4.4 करोड़ ऐसे जेनेटिक वेरिएंट्स (अनुवांशिक बदलाव) मिले हैं, जो अब तक दुनिया के किसी भी ग्लोबल डेटाबेस में दर्ज नहीं थे। इन वेरिएंट्स की इतनी बड़ी संख्या ने शोधकर्ताओं को भी हैरान कर दिया है। भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा वित्तपोषित इस महत्वाकांक्षी परियोजना में पूरे भारत के 83 विभिन्न समूहों के 9,768 स्वस्थ व्यक्तियों के डीएनए का विश्लेषण किया गया। अध्ययन में कुल मिलाकर लगभग 13 करोड़ जेनेटिक वेरिएंट्स पाए गए, जिनमें से एक-तिहाई वेरिएंट्स 'जीनोम एडी' और '1000 जेनोम प्रोजेक्ट' जैसे अंतरराष्ट्रीय डेटाबेसों में अनुपस्थित थे। इस शोध का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक जेनेटिक डेटा केवल यूरोपीय आबादी तक सीमित न रहे और इसमें भारतीय विविधता को भी उचित स्थान मिले। देश के 20 से अधिक शोध संस्थानों ने इस अध्ययन में भागीदारी की है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन नतीजों से न केवल मानव वंश और पूर्वजों के इतिहास को समझने में मदद मिलेगी, बल्कि बीमारियों की अनुवांशिकी और दवाओं के प्रति भारतीय शरीर की प्रतिक्रिया को समझने में भी क्रांतिकारी

शोध के 10 प्रतिशत से अधिक निष्कर्ष पूरी तरह से नए

बेंगलुरु के 'सेंटर फॉर ब्रेन रिसर्च' की ब्रतति कहली ने बताया कि दुर्लभ विविधताओं को हटाने के बाद भी, शोध के 10 प्रतिशत से अधिक निष्कर्ष पूरी तरह से नए थे। वहीं, नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के सुधाकरन प्रभाकरन ने संकेत दिया कि वर्तमान में अध्ययन केवल डीएनए के उस 2 प्रतिशत हिस्से पर केंद्रित है जो प्रोटीन बनाता है, जबकि शेष 98 प्रतिशत हिस्से में अभी भी कई बीमारियों से जुड़े रहस्य छिपे हुए हैं। यदि भविष्य में पूरे जीनोम पर ध्यान दिया जाए, तो यह प्रोजेक्ट 'प्रिसिजन मेडिसिन' (सटीक उपचार) के लिए एक अचूक उपकरण बन सकता है। डीएनए विश्लेषण के दौरान कुछ समुदायों में 'एंडोगैमी' (एक ही समूह में विवाह) के कारण जेनेटिक आइसोलेशन के लक्षण भी पाए गए हैं। कुछ भारतीय जनजातियों में यह जेनेटिक समानता फिनिश और एशकेनाजी यहूदी आबादी की तुलना में पांच गुना अधिक देखी गई। यह स्थिति चिंताजनक है क्योंकि माता-पिता दोनों से एक ही 'दोषपूर्ण' जीन मिलने पर बच्चों में सिकल सेल एनीमिया और सिस्टिक फाइब्रोसिस जैसी बीमारियां विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। उदाहरण के तौर पर, दक्षिण भारत की एक जनजाति में 'एचजीडी' जीन में म्यूटेशन पाया गया, जिससे वहां की लगभग 12.5 प्रतिशत आबादी अल्काप्टोनुरिया नामक विकार से जूझ रही है। इसके अलावा, शोध में 'एपीए' और 'सीडी 36' जैसे जीन में भी म्यूटेशन मिले हैं, जो शरीर के लिए वसा को पचाना मुश्किल बना देते हैं और हृदय रोगों का खतरा बढ़ाते हैं।

पीएमआई का सर्वे

अप्रैल में निजी क्षेत्र के नए ऑर्डरों में आई तेजी

54.7 रहा अप्रैल का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई	**44** महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंची इनपुट लागत
7 महीने के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा एक्सपोर्ट ऑर्डर	**50** अंक के महत्वपूर्ण स्तर से ऊपर बना हुआ है इंडेक्स

6 महीने की सबसे तेज वृद्धि आउटपुट कीमतों में

पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) के संघर्ष के कारण मार्च में गति खोने के बाद, अप्रैल में नए वित्त वर्ष की शुरुआत के साथ भारत के निजी क्षेत्र के विस्तार में तेजी आई है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफै. रिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, निर्माताओं के प्रदर्शन, नए ऑर्डरों और उत्पादन में सुधार देखा गया है। हालांकि विकास दर में सुधार हुआ है, लेकिन 2022 के बाद से यह दूसरी सबसे कमजोर वृद्धि दर रही। कंपनियों ने संकेत दिया है कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण महंगाई का दबाव बढ़ा है। कच्चे माल की लागत और तैयार माल की कीमतें क्रमशः 44 और छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी हैं। एचएसबीसी की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'भारत का मैन्युफै. रिंग पीएमआई अप्रैल में बढ़कर 54.7 हो गया, लेकिन यह अभी भी लगभग चार वर्षों में परिचालन स्थितियों में दूसरा सबसे धीमा सुधार है। मिडिल ईस्ट संघर्ष का असर अब महंगाई के जरिए स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।' विशेषज्ञों का मानना है कि 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ तेल का दाम विकास के लिए बाधक है। हालांकि, निर्यात की गति और घरेलू मांग में लचीलापन भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सुरक्षा कवच (बफर) का काम कर रहे हैं।

बांग्लादेश को अवैध प्रवासियों की जबरन वापसी का डर

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर बांग्लादेशी मंत्री बोले-जबरन 'पुशबैक' न हो

ढाका, जेएनएन। पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत के बाद बांग्लादेश सरकार को आशंका है कि उसके लोगों को जबरन भारत से निकाला जा सकता है। अब इसे लेकर बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा उम्मीद है कि भारत से लोगों को जबरन सीमा पार भेजने यानी 'पुशबैक' की घटनाएं नहीं बढ़ेंगी। सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि वे नहीं चाहते कि किसी को अवैध प्रवासी बताकर भारत से बांग्लादेश की तरफ धकेला जाए। इसी के मद्देनजर बांग्लादेश की बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। इससे पहले बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने भी कहा था कि अगर ऐसे मामले होते हैं, तो बांग्लादेश कार्रवाई करेगा। पुशबैक का मतलब किसी व्यक्ति को जबरन सीमा पार भेज देना। पिछले कुछ सालों में भारत और बांग्लादेश की सीमा पर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। दरअसल बंगाल चुनाव के दौरान भाजपा ने ममता बनर्जी की सरकार पर आरोप लगाया था उसने बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों को शरण दी है।

बांग्लादेश के नेता ने भाजपा को बधाई दी

उधर बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी बीएनपी के सूचना सचिव अजीजुल बारी हेलाल ने भाजपा को जीत की बधाई दी और कहा कि इससे भारत-बांग्लादेश संबंध मजबूत हो सकते हैं। उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर तीस्ता जल बंटवारे समझौते में देरी करने का आरोप लगाया और कहा कि वह इसमें सबसे बड़ी रुकावट थी। हेलाल ने उम्मीद जताई कि सुवेंदु के नेतृत्व में बनी सरकार भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को बेहतर बनाएगी और तीस्ता समझौते को आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

तीस्ता नदी का 50 प्रतिशत पानी चाहता है बांग्लादेश

तीस्ता नदी हिमालय के पाहुनरी ग्लेशियर से निकलती है। यह सिक्किम से पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश जाती है और बाद में ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। इस नदी से बांग्लादेश के 2 करोड़ और भारत के 1 करोड़ लोगों का जीवनयापन जुड़ा है। बांग्लादेश तीस्ता के 50 फीसदी पानी पर अधिकार चाहता है। जबकि भारत खुद 55 प्रतिशत पानी चाहता है। इसी पर दोनों में मतभेद हैं।

विजय की 'जीओएटी' का कार वाला सीन वायरल

नई दिल्ली, जेएनएन। तमिल एक्टर विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में हीरो की तरह एंट्री की है। उनकी पार्टी टीवीके ने 234 में से 108 सीटों पर जीत हासिल की है। इस बीच विजय की फिल्म 'जीओएटी' का एक सीन सोशल मीडिया पर वायरल है। फिल्म के एक सीन को उनके सीएम प्लान से जोड़कर देखा जा रहा है। फिल्म की वायरल क्लिप में विजय एक कार चलाते नजर आ रहे हैं, जिसकी नंबर प्लेट पर 'टीएन 07 सीएम 2026' लिखा दिखाई देता है। अब लोगों का मानना है कि फिल्म में दिखाया गया यह नंबर विजय के 2026 में तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने की ओर इशारा था। इसके कुछ महीनों बाद 5 सितंबर 2024 को 'जीओएटी' (द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) रिलीज हुई थी। इस फिल्म में विजय के साथ एक्टर प्रेमगी अमरेन ने भी पहले कहा था कि विजय 2026 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनेंगे।

मतगणना के दिन ईसी पोर्टल पर 68 लाख साइबर हमले

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि चार मई को जब पांच विधानसभाओं के लिए मतगणना हो रही थी, तब भारत और विदेश से उसके प्रमुख चुनावी प्लेटफार्मों, जिनमें परिणाम पोर्टल भी शामिल था, को निशाना बनाकर 68 लाख से अधिक हमले किए गए। आयोग ने कहा कि ईसीआईएनईटी साइबर सुरक्षा प्रोटोकाल के परिणामस्वरूप दुर्भावनापूर्ण हमलों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया।आयोग ने कहा कि तमिलनाडु, बंगाल, केरलम, असम और पुडुचेरी के चुनावों के दौरान वास्तविक समय की निगरानी, त्वरित रिपोर्टिंग और पारदर्शिता बढ़ाने सहित चुनावी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने में उसके आईटी प्लेटफार्म ईसीआईएनईटी ने केंद्रीय भूमिका निभाई। जनवरी में लांच के बाद से ईसीआईएनईटी एप को 10 करोड़ से अधिक लोगों ने डाउनलोड किया है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

याचिका: चुनाव आयोग की नियुक्तियों पर नहीं हो सकता महज सरकार का नियंत्रण

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। जस्टिस दीपांकर दत्ता और और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, गोपाल शंकरनारायणन और हंसरिया ने दलीलें रखीं। उन्होंने कहा कि नया कानून चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को कमजोर करता है और नियुक्ति प्रक्रिया को पूरी तरह कार्यपालिका के नियंत्रण में ला देता है। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के अनूप बर्णवाल बनाम भारत सरकार फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संविधान पीठ ने साफ कहा था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केवल सरकार के हाथों में नहीं छोड़ी जा सकती।

संविधान का हवाला

सुनवाई के दौरान हंसरिया ने संविधान सभा की बहसों और डॉ. अंबेडकर के भाषण का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं की मंशा थी कि चुनाव आयोग पूरी तरह स्वतंत्र संस्था हो और सरकार के नियंत्रण से बाहर रहे। उन्होंने कहा कि उस समय भी यह चिंता जताई गई थी कि चुनाव आयुक्त 'प्रधानमंत्री का व्यक्ति' नहीं होना चाहिए। हंसरिया ने अदालत में कहा कि कई समितियों और आयोगों ने समय-समय पर सुझाव दिया कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति बहु-सदस्यीय समिति के जरिए होनी चाहिए।

मुंबई के इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में आग

धुआं फैलने के बाद खाली कराया परिसर

मुंबई। मुंबई के अंधेरी ईस्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टी-2 के अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन पर बुधवार शाम 4:10 बजे आग लग गई। अफसरों ने फौरन लोगों को बाहर निकाला और परिसर को खाली कर दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। आग लगने के कारण मेट्रो एक्वा लाइन-3 के अंडरग्राउंड कॉरिडोर में आरे जेवीएलआर से कफ परेड के बीच मेट्रो सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित रहीं। नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि आग टेक्निकल रूम में लगी थी। हालांकि आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। आग लगने से धुआं पूरे अंडरग्राउंड स्टेशन परिसर में फैल गया था, जिसके कारण दमकलकर्मियों को राहत और बचाव अभियान के दौरान ब्रीदिंग उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने इसे मामूली घटना बताया है। एमएमआरसीएल ने एक बयान में कहा, 'आज छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए)-टी 2 स्टेशन पर धुएं की एक मामूली घटना हुई, जिस पर मौके पर मौजूद टीम ने तुरंत काबू पा लिया।' बता दें कि 9 अप्रैल को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर गुरुवार शाम आग लग गई थी।

कंगना ने फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का किया ऐलान, 12 जून को होगी रिलीज

कंगना रनौत ने अपने नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। उनकी नई फिल्म का नाम है भारत भाग्य विधाता। कंगना रनौत ने फिल्म के ऐलान के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी है। कंगना रनौत की फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। कंगना रनौत की इस फिल्म की टक्कर दिलजीत दोसांझ की अपकमिंग फिल्म मैं वापस आउंगा से होगी। इस फिल्म को इम्तियाज अली ने डायरेक्ट किया है। कंगना रनौत ने अपने प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स के इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म का ऐलान करते हुए पोस्ट डाला।उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा- आम लोगों की असाधारण कहानी। उस रात की कहानी, जब मानवता डर से ऊपर अधिक प्रबल खड़ी हुई। इंडिया के असली हीरोज की अनकही कहानी। सिनेमाघरों में 12 जून को। कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्म होगी। यह फिल्म 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के दौरान 400 लोगों की जान बचाने वाले हॉस्पिटल स्टाफ की कहानी कहेगी। भारत भाग्य विधाता के पोस्टर में भारत हिंदी में लिखा है। वहीं, भाग्य विधाता इंग्लिश में लिखा हुआ है। भारत शब्द पर मुंबई अंडर अटैक लिखा हुआ है। कंगना रनौत ने अपने नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। उनकी नई फिल्म का नाम है भारत भाग्य विधाता। कंगना रनौत ने फिल्म के ऐलान के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी है। कंगना रनौत की फिल्म 1212 जून को रिलीज होगी दिलजीत की भी फिल्म कंगना रनौत की फिल्म दिलजीत दोसांझ की फिल्म मैं वापस आउंगा के साथ रिलीज होगी। इम्तियाज अली ने फिल्म को डायरेक्ट किया है।

सीएनएन फाउंडर टेड टर्नर का निधन

नई दिल्ली, जेएनएन। टीवी पर 24 घंटे लगातार न्यूज देखने की जो आज पूरी दुनिया को आदत है, उसकी नींव रखने वाले दिग्गज अमेरिकी मीडिया मुगल और सीएनएन नेटवर्क के संस्थापक टेड टर्नर का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से पूरे वैश्विक मीडिया जगत में एक युग का अंत हो गया है। टर्नर सिर्फ एक सफल बिजनेसमैन नहीं थे, बल्कि वे एक ऐसे विजनरी शख्स थे, जिन्होंने टेलीविजन पत्रकारिता की पूरी तस्वीर और दिशा ही बदल कर रख दी। आइए समझते हैं उनका यह शानदार सफर कैसा रहा। टेड टर्नर की कहानी काफी प्रेरणादायक है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अपने पिता के बिलबोर्ड एडवरटाइजिंग बिजनेस (विज्ञापन के बोर्ड लगाने का काम) से की थी। लेकिन टर्नर की सोच बहुत आगे की थी। 1970 के दशक में उन्होंने अटलांटा में एक छोटे से टीवी स्टेशन को खरीदा था।

संघर्ष की जीत — गुस्कारा में 'कामवाली बाई' ने रचा इतिहास, जीत के बाद भी घर के कामों में व्यस्त

बर्तन मांजने वाली कलिता मांझी बनीं विधायक

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने कई कहानियां लिखीं, लेकिन गुस्कारा इलाके की कलिता मांझी की सफलता सबसे प्रेरणादायक है। एक साधारण घरेलू नौकरानी से भाजपा की विधायक बनने वाली कलिता ने गरीबी, संघर्ष और सामाजिक रुकावटों को पार करते हुए न केवल चुनाव जीता बल्कि लाखों महिलाओं के लिए उम्मीद की किरण बन गईं। 2006 में एक प्लंबर से शादी के बाद कलिता मांझी गुस्कारा में दो घरों में काम करती रहीं। महीने के 4500 रुपये कमाकर परिवार चलाती थीं। घर-गृहस्थी, बच्चों की देखभाल और पार्टी के काम के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था। फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों से प्रेरित होकर वे भाजपा की हर रैलियों में शामिल होती रहीं। चुनाव जीतने के बाद सोमवार देर रात जब वे घर पहुंचीं तो कोई भव्य स्वागत या दावत नहीं थी। थकी-भूखी कलिता ने सास के हाथों बना आलू-पटोलर और झोल खाया। मंगलवार को वे सामान्य दिन की तरह कपड़े धोने और घरेलू कामों में लगी रहीं। विधायक बनने के बावजूद वे अपनी जड़ों को नहीं भूली हैं। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'मैं गरीबों, खासकर मेरी तरह की महिलाओं के लिए काम करना चाहती हूं। भाजपा महिलाओं और गरीबों का उत्थान करती है।'

मांझी ने श्यामा प्रसन्ना लोहार को दी शिकस्त

कालिता मांझी ने श्यामा प्रसन्ना लोहार को 12,535 वोटों के अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मांझी को 1,07,692 वोट मिले। उनकी यह जीत भाजपा के लिए व्यापक जनादेश के साथ आई है, जिसने राज्य में सत्ता पर कब्जा कर लिया है। इस जीत ने राज्य में हो रहे बड़े राजनीतिक परिवर्तन के बीच भाजपा की जमीनी स्तर के उम्मीदवारों को प्रोत्साहन देने की रणनीति को मजबूती से रेखांकित किया है।

अभय कांड के विरोध में भी उठाई थी आवाज

अभय कांड के विरोध में भी उन्होंने आवाज उठाई थी। नगर निगम या स्थानीय स्तर पर काम करते हुए कलिता ने लोगों के बीच अपनी अलग छवि बनाई। कालिता आगे कहती हैं कि वह अपने पति और बेटे को कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह में ले जाने का प्लान कर रहीं हैं, लेकिन उनके पास इस मौके के लिए कोई सुंदर साड़ी नहीं है। मांझी की इस सादगी को देखते हुए उनके मालिक कृष्णा पात्रा ने उन्हें साड़ी उपहार में देने का फैसला किया है। उनके लिए यह केवल एक राजनीतिक अवसर नहीं, बल्कि उनके पूरे परिवार के संघर्षों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि मैं जमीन से जुड़ी रहूंगा और लोगों के हित के काम करुंगी।

हल्द्वानी हिंसा: दो की जमानत रद्द, सुप्रीम कोर्ट ने बेल देने पर हाई कोर्ट को फटकारा

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 2024 के हल्द्वानी दंगों से जुड़े मामले में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दो आरोपियों को दी गई डिफॉल्ट जमानत रद्द की। उत्तराखंड राज्य द्वारा दायर अपीलों को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने आरोपी जावेद सिद्दीकी और अरशद अयूब को दी गई जमानत रद्द की और उन्हें दो हफ्तों के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने पाया कि आरोपी जांच पूरी करने के लिए समय बढ़ाने और जमानत अर्जी खारिज करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेशों को चुनौती देने में तत्पर नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट ने डिफॉल्ट जमानत देने के लिए हाई कोर्ट की आलोचना की। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने आगे टिप्पणी की कि जांच पूरी करने में लगे समय को लेकर जांच अधिकारी के आचरण पर सवाल उठाना हाई कोर्ट का गलत कदम था। कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने यह कहना कि जांच एजेंसी ने उचित गति से काम नहीं किया, पूरी तरह अनुचित था।

एनबीसीसी ने दिल्ली में अत्याधुनिक आईआईएफटी परिसर की आधारशिला रखकर उपलब्धि हासिल की

नई दिल्ली। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन आने वाले नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के नए परिसर की आधारशिला रखी। डिजाइन, इंजीनियरी, अधिप्राप्ति और निर्माण (ईपीसी) के आधार पर निष्पादित की जा रही इस परियोजना की संस्वीकृत लागत लगभग 350 करोड़ रुपए है। डॉ. केपी महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की। इस समारोह में डॉ. सुमन कुमार, निदेशक (वाणिज्य) के साथ-साथ वरिष्ठ गण्यमान्य व्यक्ति, संस्थागत हितधारक और एनबीसीसी के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ. महादेवास्वामी ने इस बात पर जोर दिया कि यह परियोजना केवल आईआईएफटी के भौतिक विस्तार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और संस्था की सहयोग करने की क्षमता में एक दीर्घकालिक निवेश है। दक्षिण दिल्ली में 7.55 एकड़ भूमि पर आईआईएफटी का नया परिसर विकसित किया जा रहा है जो मेट्रो स्टेशनों, प्रमुख सड़क नेटवर्क्स और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित शहर के प्रमुख हिस्सों से उत्कृष्ट रूप से जुड़े होने के साथ-साथ कार्यनीतिक रूप से छतरपुर के निकट स्थित है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

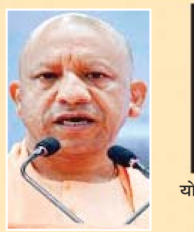

योगी आदित्यनाथ
सीएम उप

आधुनिक युद्ध अब केवल जल, थल और नभ की सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। आज के युग में कीबोर्ड, सैटेलाइट और डेटा नेटवर्क उतने ही प्रभावी हथियार बन चुके हैं, जितने कि पारंपरिक मिसाइलें और टैंक। साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम अब नए रणक्षेत्र हैं, जहां दुश्मन के संचार और पावर ग्रिड को बाधित करना ही जीत की नई रणनीति है।

बारातियों को पिलाया रैबिज संक्रमित मट्ठा, 92 को लगे इंजेक्शन

छिंदवाड़ा: कुत्ते के काटने के बाद गाय की हालत गंभीर हुई, हफ्ते भर तक पशु मालिक ने दूध निकालना रखा था जारी

जागरण, छिंदवाड़ा। प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में रैबिज संक्रमण से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शहर से करीब आठ किलोमीटर दूर भैंसादंड गांव में एक बारात में परोसा गया मट्ठा कथित तौर पर रैबिज संक्रमित गाय के दूध से तैयार किया गया था। घटना सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया और एहतियात के तौर पर खबर लिखे जाने तक 92 लोगों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए जा चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, जिस गाय के दूध से मट्ठा तैयार किया गया था, उसे करीब एक सप्ताह पहले एक कुत्ते ने काट लिया था। इसके बाद गाय की तबीयत लगातार बिगड़ती गई, लेकिन पशु मालिक दूध निकालता रहा। जब गाय की हालत गंभीर हुई, तब गांव में यह बात फैली कि बारात में परोसा गया मट्ठा उसी गाय के दूध से बनाया गया था।

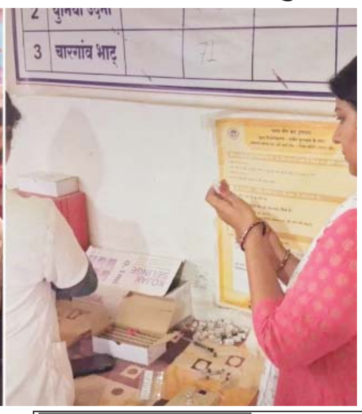

विशेषज्ञों की सलाह: क्या करें

- यदि किसी व्यक्ति ने संदिग्ध संक्रमित पशु के दूध या उससे बने उत्पाद का सेवन किया हो, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।
- बिना डॉक्टर की सलाह के लक्षणों का इंतजार करना खतरनाक हो सकता है।

जानवर की लार से फैलता है संक्रमण

रैबिज वायरस सामान्यत: संक्रमित जानवर की लार से फैलता है, लेकिन संक्रमित दूध या उससे बने उत्पादों के सेवन को भी गंभीरता से लिया जाता है, खासकर तब जब दूध पूरी तरह उबाला न गया हो। विशेषज्ञों का कहना है कि मट्ठा, छाछ या कच्चे डेयरी उत्पादों में यदि पर्याप्त गर्मी न दी गई हो, तो संक्रमण का जोखिम बना रह सकता है।

शुरुआत में दिखाई नहीं देते लक्षण

ऐसे मामलों में शुरुआती लक्षण तुरंत दिखाई नहीं देते। रैबिज संक्रमण के संभावित लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, कमजोरी, घबराहट, गले में तकलीफ, निगलने में परेशानी, अत्यधिक बेचैनी और पानी से डर लगना शामिल हो सकते हैं।

"यदि कोई जानवर रैबिज से संक्रमित हो, तो उसके कच्चे दूध के सेवन से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। दूध को 65 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान पर अच्छी तरह उबालने से वायरस निष्क्रिय हो सकता है, लेकिन बिना उबाले या कम गर्म दूध से जोखिम बना रहता है।

लोकेश बेलवंशी, पशु चिकित्सा अधिकारी

कैंप लगाकर की पहचान

मामले की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने गांव में कैंप लगाया और बारात में शामिल लोगों की पहचान शुरू की। उप स्वास्थ्य केंद्र भैंसादंड में लगातार लोगों की जांच की जा रही है। इंजेक्शन की कमी होने पर अतिरिक्त डोज भी मंगाई गई है।

संक्षिप्त खबरें

बीएसएफ के रिटायर्ड जवान ने फांसी लगाई

जागरण, जबलपुर। मैं अपनी जिंदगी का सफर तय करते-करते अब थक गया हूं। परेशान हो गया हूं। अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूं। इसका जिम्मेदार मैं स्वयं हूं। यह बीएसएफ से रिटायर्ड 69 वर्षीय शिवकुमार श्रीवास्तव की पीड़ा है, जो उन्होंने सुसाइड नोट में लिखने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इतना ही नहीं सुसाइड नोट में उन्होंने पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंपने और थाना प्रभारी से किसी को परेशान नहीं करने का अनुरोध भी किया। दरअसल घटना कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम कुड़न की है। बुधवार सुबह शिवकुमार का शव कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही कटंगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। टीआई पूजा उपाध्याय ने शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया।

सगे भाइयों ने किया छात्रा का अपहरण

जागरण, ग्वालियर। जिले में छात्रा के अपहरण का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सगे भाइयों ने पानी भरने के लिए निकली युवती का अपहरण कर लिया। इस दौरान उस पर जबरन शादी करने का दबाव बनाया। पूरा मामला मोहना थाना क्षेत्र का है, जहां 16 साल की छात्रा कुएं पर पानी भरने के लिए गई थी। इसी दौरान पड़ोस का रहने वाला धीरज पाल अपने सगे भाई नेपाल पाल के साथ युवती के पास पहुंचा और उस पर शादी का दबाव बनाने लगा। युवती ने इंकार किया तो उसे जबरन बाइक पर बिठाकर सहसारी के घने जंगल ले गया, जहां उसे करीब तीन घंटे बंधक बनाकर रखा।

फर्जीवाड़ा करने वाले छह पटवारियों पर केस दर्ज

जागरण, भिंड। पटवारी चयन परीक्षा 2008 से जुड़े एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी एंड साइंस रायपुर से जारी डीसीए/पीजीडीसीए प्रमाणपत्रों की जांच में इन्हें कूटरचित (फर्जी) पाए जाने के बाद पुलिस ने 6 आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई सीएसपी की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार उच्च न्यायालय ग्वालियर के निर्देश पर इन प्रमाण-पत्रों की सत्यता की जांच कराई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी पंकज कुमार यादव, रंजीत सिंह तोमर, वंदना सोनी, पूनम मिश्रा, अशोक कुमार और अरुण कुमार मांझी ने न तो संबंधित यूनिवर्सिटी में नियमित रूप से प्रवेश लिया, न ही कक्षाएं अटेंड कीं और न ही परीक्षा दी। इसके बावजूद उन्होंने फर्जी तरीके से डीसीए/ पीजीडीसीए डिप्लोमा प्राप्त कर लिया।

पंजाब के डीजीपी और सेना के अधिकारियों ने अमृतसर के विस्फोट स्थल का किया दौरा

पंजाब में दो धमाकों के बाद डीजीपी का दावा, आईएसआई की साजिश की आशंका

अमृतसर, जेएनएन। पंजाब में जालंधर और अमृतसर में हुए धमाके के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कि ऐसा लगता है कि पाकिस्तान की आईएसआई 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ से पहले राज्य में हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रही है। डीजीपी यादव ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं अमृतसर गया था, जहां मैंने कल सेना क्षेत्र में हुए कम तीव्रता वाले धमाके वाली जगह का मुआयना किया। घटनास्थल का दौरा करने के बाद, मैंने सेना के अधिकारियों से मिलकर आपसी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की। इसके बाद, मैंने अमृतसर कमिश्नरेट और सीमा रेंज के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, ताकि सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की जा सके और आवश्यक निर्देश दिए जा सकें।' मंगलवार रात करीब 10:50 बजे खासा आर्मी कैंप की चारदीवारी के पास कम तीव्रता वाले धमाके की सूचना मिली। यह घटना जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के पास हुए एक धमाके के ठीक दो घंटे बाद हुई। डीजीपी ने आगे बताया कि अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी सहित पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे, जबकि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बम निरोधक दस्ते और फोरेंसिक टीमों को भी तैनात किया गया। उन्होंने कहा कि इलाके को पूरी तरह से सैनिटाइज किया गया और वैज्ञानिक जांच के लिए प्रदर्शनी सामग्री और नमूने इकट्ठा किए गए। कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है। सेना और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर जांच आगे बढ़ रही है। हम सभी स्रोतों से जानकारी जुटा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कई टीमें काम पर लगी हुई हैं, जो ह्यूमन इंटेलिजेंस, टेक्निकल इंटेलिजेंस और फोरेंसिक सबूतों का विश्लेषण कर रही हैं।

जांच के लिए एनआईए की टीम पहुंची: इधर, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाने और पंजाब पुलिस को जांच में सहायता करने के लिए जालंधर पहुंच चुकी है।

अब्दुल्ला के विवादित बोल 'धमाके नई बात नहीं'

श्रीनगर, जेएनएन। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को पंजाब में हाल ही में हुए दोहरे धमाकों पर बात करते हुए कहा कि भारत में ऐसी घटनाएं आम बात हैं। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ. फारूक ने कहा, 'हिंदुस्तान में धमाके होते रहते हैं, इसमें कौन सी नई बात है?'

सीएम मान का आरोप- भाजपा की चुनावी साजिश

पत्रकारों को संबोधित करते हुए सीएम मान ने दावा किया कि इन छोटे धमाकों की जांच चल रही है। यह पंजाब में चुनावों के लिए भाजपा की तैयारियों का हिस्सा है। जिस भी राज्य में उन्हें चुनाव लड़ना होता है, वे पहले दंगे भड़काते हैं, छोटे पैमाने पर धमाके करवाते हैं, आपस में झगड़े करवाते हैं, और लोगों को धर्म और जाति के आधार पर बांटते हैं। इसका मतलब है कि ये पंजाब के लिए भाजपा की तैयारियां हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरी तरह से शांति बनाए रखी जाएगी, कानून-व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी और दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

मान अजीब बात कह रहे: केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मीडिया से कहा, 'पंजाब न सिर्फ एक सेंसिटिव बॉर्डर वाला राज्य है, बल्कि बॉर्डर पार हिंसा से भी इसका पुराना नाता रहा है। सोशल मीडिया पर खालिस्तान लिबरेशन आर्मी ने तो जालंधर हमले की जिम्मेदारी भी ली है। इसलिए, यह और भी दुख की बात है कि पंजाब के मुख्यमंत्री मान साहब अजीब बात कह रहे हैं।

सगाई टूटी तो मंगेतर की मां को खाई में धकेल की हत्या

मंदिर दर्शन के बहाने मां-बेटी को ले गया था आरोपी

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के महू में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सगाई टूटने से नाराज युवक ने मंगेतर की मां को गहरी खाई में धक्का देकर उसकी हत्या कर दी। खाई 200-250 फीट गहरी है, जिससे महिला का शव निकालने के लिए पुलिस को तीन घंटे तक काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद महिला के शव को बाहर निकाला जा सका।

घटना मंगलवार शाम बड़गोंदा थाना क्षेत्र के छोटा अमरनाथ इलाके की है। मृतका की पहचान किरण चौबे के रूप में हुई है, जो मूल रूप से महोबा (उप्र) की रहने वाली थीं और पीथमपुर की एक कंपनी में काम करती थीं। उनके पति अवध बिहारी चौबे एमपीईबी में काम करते थे। वर्तमान में अवध ब्रेन हेमरेज के चलते इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती हैं। वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। किरण के बेटे अनुराग चौबे ने पुलिस को बताया कि बहन की सगाई बगोदा निवासी राहुल अटेरिया से तय की थी लेकिन अनुराग और उसके पिता को ये रिश्ता पसंद नहीं था। इसके चलते उन्होंने सगाई तोड़ दी। शुरुआत में मां इस रिश्ते के पक्ष में थीं। बाद में उन्होंने भी शादी से इनकार कर दिया था। इसी बात पर राहुल नाराज था।

10वीं एवं 12वीं बोर्ड की द्वितीय परीक्षा आज से

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार द्वारा एमपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम में असफल हुए विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए द्वितीय परीक्षा का अवसर दिया है। इसके लिए 7 मई से परीक्षाएं प्रारम्भ होंगी। जानकारी के अनुसार 10 वीं और 12 वीं बोर्ड द्वितीय परीक्षा के लिए 624 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है,जिसमें 4.89 लाख अनुत्तीर्ण छात्रों में से 3.42 लाख परीक्षा में शामिल होंगे। हालांकि 30 प्रतिशत असफल छात्रों ने द्वितीय अवसर से दूरी बनाई है। राजधानी भोपाल में इसके लिए 24 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। संवेदनशील और असंवेदनशील केन्द्रों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं हर विद्यार्थी को ये कह रहा हूं कि एक परिणाम आपके पूरे भविष्य की कहानी तय नहीं कर सकता। प्रदेश सरकार की ओर से यह अवसर इसी दिशा में एक विशेष पहल है। ये महज योजना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों को फिर से उड़ान देने का संकल्प है। यह उन बच्चों के लिए उम्मीद की नई किरण है। जो 10वीं या 12वीं की बोर्ड परीक्षा में किसी कारणवश अनुत्तीर्ण हो गए या परीक्षा नहीं दे पाए।

बालगृह के बाथरूम की ग्रिल तोड़कर 3 बच्चे भागे, हड़कंप

जागरण, उज्जैन। शहर के नागझिरी क्षेत्र स्थित लालपुर बालगृह से तीन नाबालिग बच्चे बाथरूम की ग्रिल तोड़कर फरार हो गए हैं। इसके बाद स्टाफ में हड़कंप मच गया। तुरंत पूरे इलाके में बच्चों की तलाश शुरू की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। दरअसल बुधवार शाम 7 बजे जब बालगृह में बच्चों की गिनती की गई, तो तीन बच्चे कम पाए गए। जांच में सामने आया कि बच्चे बाथरूम की ग्रिल तोड़कर फरार हुए हैं, जिससे बालगृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक भागने वाले बच्चों में दो उज्जैन और एक शाजापुर का बताया जा रहा है। उज्जैन के दोनों बच्चे करीब 6 महीने से यहां रह रहे थे, जबकि शाजापुर का बच्चा एक हफ्ते पहले ही बालगृह में लाया गया था। घटना की सूचना नागझिरी थाने को दी गई। पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शहर के अन्य संभावित स्थानों पर सर्चिंग अभियान चलाया, लेकिन देर रात तक तीनों बच्चों का पता नहीं चल पाया। इससे पहले 20 जनवरी 2026 को भी दो नाबालिग बच्चे बाथरूम की ग्रिल और वेंटिलेशन तोड़कर फरार हुए थे, उनका अब तक भी पता नहीं चल सका है।

नागझिरी थाना पुलिस ने चलाया सर्चिंग अभियान नहीं चल पाया पता

मंत्रियों की वजह से तबादला नीति में देरी

विशेष संवाददाता भोपाल। प्रदेश में अधिकारी कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक जल्द हटाई जा सकती है। इसके लिए अगली कैबिनेट में नई तबादला नीति को मंजूरी मिल सकती है। सूत्रों की माने तो सरकार के मंत्री अपने विभाग और प्रभार के जिलों में पूरी तरह से तबादलों के अधिकार चाहते हैं,जिसकी वजह से सामान्य प्रशासन विभाग को नीति बनाने में देरी लग रही है। जानकारों की माने तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों और विधायकों के आग्रह पर सामान्य प्रशासन विभाग को नई तबादला नीति तैयार कर उसे कैबिनेट में लाने के निर्देश दिए थे। लेकिन जीएडी अब तक नीति को अंतिम रूप नहीं कर सकी। पिछली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासनिक सूत्रों की माने तो सरकार के मंत्री चाहते है कि इस बार स्थानांतरण में उन्हें पूर्ण अधिकार मिलने चाहिए। अपने प्रभार के जिलों में पहले ही तरह उनकी अनुशंसा पर तबादले हो,तो विभागों में भी उनके द्वारा तय मापदण्ड के अनुरूप ही स्थानांतरण किए जाए। बताया गया है कि जीएडी चाहती है कि विभागों में कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों की संख्या की तुलना में केवल 10 प्रतिशत ही तबादले किए जाए,लेकिन मंत्री ये प्रतिशत बढ़ाना चाहते है। बताया गया है कि इस फेरबदल में उन अधिकारी कर्मचारियों को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा,जो जनगणना के कार्य से संबंद्ध है। इसी तरह ऐसे अधिकारी कर्मचारियों के ही तबादले किए जाएंगे,जो पिछले तीन वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं। गंभीर बीमारी व अन्य ठुस्र संवेदनशील परिस्थितियों से जूझ रहे अधिकारी कर्मचारियों को भी स्थानांतरण का लाभ दिया जा सकता है। जानकारों की माने तो अगली कैबिनेट की बैठक में नई तबादला नीति मंजूर हो जाएगी और 15 मई से तबादले के आवेदन स्वीकार होने लगेंगे। ये तबादले 15 जून तक होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यदि उचित लगेगा,तो तबादलों पर रोक की अवधि अगले 15 दिनों यानि कि 30 जून तक के लिए और बढ़ाई जा सकती है।

घूरकर देखने पर पड़ोसी की गोली मारकर हत्या

जागरण, ग्वालियर। प्रदेश के ग्वालियर में घूरकर देखने की मामूली बात पर दो पड़ोसियों में विवाद हो गया। इस बीच एक पक्ष ने रायफल से करीब 20 राउंड फायर किए, जिसमें एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छर्रे लगने से उसकी पत्नी और एक बेटा घायल है। दूसरे बेटे को लाठी लगी है। घटना देर रात मुरार थाना क्षेत्र के बड़ा गांव खुरैरी इलाके की है। वारदात के बाद इलाके में पुलिस बल तैनात है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी हमलावर फरार हो गए।

मालीखेड़ी में धूं-धूं कर जला कबाड़ का गोदाम, मचा हड़कंप

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में स्थित मालीखेड़ी में एक कबाड़ गोदाम में बुधवार दोपहर अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इससे हड़कंप मच गया। इससे गोदाम में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। मौके पर पहुंची नगर निगम की पांच फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों ने आग लगने की वजह नरवाई बताई है। नरवाई जलाने से आग कबाड़ गोदाम तक पहुंची होगी। छोला मंदिर पुलिस इस मामले में आगजनी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मालीखेड़ी में देवेंद्र पिता (40) पिता बाबूलाल पाल निवासी चांदबड़ी स्टेशन बजरिया का कबाड़ का गोदाम है। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे गोदाम में अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग ने विकराल रूप से लिया। हालांकि आग लगने की वजह सामने नहीं आई है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। छोला मंदिर स्टेशन और गांधीनगर से दमकलें आई थीं। दमकलकर्मियों ने पानी की बौछारें मारकर आग पर काबू पाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक टीनशेड का गोदाम पूरी तरह से जल चुका था। फिलहाल नुकसान का आंकलन नहीं गया है। वहीं गोदाम से लगा देवेंद्र विश्वकर्मा का मकान है। आग की वजह से देवेंद्र के घर की दीवारें भी चटक गई। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जिस जगह पर कबाड़ का गोदाम है, उसके आसपास खेत लगे हैं।

इतिहास की बड़ी खोज केन्या के 'कूबी फोरा' से मिले सबूत बताते हैं क्यों जरूरी था मांस सेवन

16 लाख साल पहले के भोजन की सुलझी गुत्थी

केन्या, जेएनएन। विज्ञान की दुनिया में दशकों से एक बहस चली आ रही है कि क्या हमारे शुरुआती पूर्वज खूंखार शिकारी थे जो खुद अपना शिकार मारते थे, या वे केवल अन्य शिकारियों (जैसे शेर या तेंदुए) द्वारा छोड़े गए मांस पर निर्भर रहने वाले 'मुर्दाखोर' थे? 16 लाख साल पुराने अवशेषों पर किए गए एक नए शोध ने अब इस गुत्थी को सुलझाते हुए चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। केन्या की प्रसिद्ध 'कूबी फोरा' संरचना, जो मानव विकास के साक्ष्यों का खजाना मानी जाती है, वहां से मिले जीवाश्मों का वैज्ञानिकों ने गहन विश्लेषण किया। 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' (पीएनएएस) में प्रकाशित इस अध्ययन में 1.6 मिलियन साल पुराने जानवरों की हड्डियों, पत्थरों के औजारों के निशानों और आदिमानवों के दांतों की जांच की गई।

हड्डियों पर मिले 'कट मार्क्स' की कहानी

शोधकर्ताओं ने पाया कि प्राचीन जानवरों की हड्डियों पर पत्थरों के औजारों से बने 'कट मार्क्स' (काटने के निशान) मौजूद थे। इसके साथ ही 'परकशन मार्क्स' भी मिले, जो यह दर्शाते हैं कि हड्डियों को भारी पत्थरों से मारकर तोड़ा गया था ताकि उनके भीतर मौजूद पौष्टिक 'मज्जा' निकाला जा सके। अध्ययन की सबसे बड़ी बात यह है कि ये निशान उन हिस्सों पर पाए गए जहां मांस और वसा की मात्रा सबसे अधिक होती है।

मांस खाने से कैसे बदला इंसान का भविष्य ?: वैज्ञानिकों का मानना है कि मांस का सेवन मानव विकास में एक 'टर्निंग पॉइंट' था। मांस और वसा से मिलने वाली उच्च कैलोरी और प्रोटीन ने आदिमानवों के दिमाग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें बेहतर औजारों के साथ आपसी सहयोग और सामाजिक एकता की भी जरूरत थी, जिसने अंततः आधुनिक मानव समाज की नींव रखी।

न तो शिकार न ही पूरी तरह मुर्दाखोरी

प्रमुख शोधकर्ता और जैविक मानवविज्ञानी फ्रांसिस फॉरेस्ट के अनुसार, हमारे पूर्वज न तो पूरी तरह शिकारी थे और न ही पूरी तरह मुर्दाखोर। उन्होंने एक 'फ्लेक्सिबल' (लचीली) रणनीति अपनाई थी। वे अक्सर शिकार के तुरंत बाद शव तक पहुंच जाते थे या शिकारियों से उनका मांस छीन लेते थे। वे मांस के सबसे पौष्टिक हिस्सों को काटकर दूसरी सुरक्षित जगहों पर ले जाते थे ताकि आराम से उसे प्रोसेस कर सकें। जब शिकार उपलब्ध नहीं होता था, तब वे मुर्दाखोरी का सहारा भी लेते थे।

खंभे से टकराई कार दो दोस्त जिंदा जले

जागरण, ग्वालियर। प्रदेश के ग्वालियर में हाईवे पर दर्दनाक हादसे में दो दोस्त जिंदा जल गए, उनकी तेज रफ्तार स्विफ्ट कार 11 केवी बिजली के खंभे से टकराने के बाद आग का गोला बन गई। हालांकि, टक्कर के बाद बाहर फिंकाने से तीसरे दोस्त की जान बच गई। तीनों शादी समारोह से घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में हादसा हो गया। कार में शादी समारोह से बचे पटाखे रखे थे। इस कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। मृतकों की पहचान छतरपुर निवासी अवधेश विश्वकर्मा 32 वर्ष और रामजी सोनी 33 वर्ष के रूप में हुई। वे अवधेश फाइनेंस का काम करते थे। शिवपुरी के बामोर में उनकी ससुराल है। अविनाश झा उनके साले हैं। ग्वालियर में अविनाश के दोस्त के यहां शादी थी। उसमें शामिल होने वह छतरपुर से शिवपुरी आए थे। शिवपुरी से तीनों कार में सवार होकर ग्वालियर गए थे। उन्होंने लौटते समय शादी की आतिशबाजी में बचे पटाखे कार में रख लिए थे। कार अवधेश चला रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि अवधेश को नींद का झोंका आया। इसके बाद गाड़ी बिजली पोल से टकरा गई। हादसे के बाद पोल बीच से टूट गया। 11 केवी की लाइन गाड़ी के ऊपर गिर गई।

टक्कर लगने से आगे के दोनों डोर हुए लॉक

टक्कर लगने से कार के आगे के दोनों डोर लॉक हो गए। अविनाश पीछे बैठे थे। टक्कर लगने से पीछे के गेट खुल गए और अविनाश बाहर गिर गए। अवधेश और रामजी कार में ही फंस गए। उन्होंने और राहगीरों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

मुकेश अंबानी लाएंगे 'देसी स्टारलिंक' लो अर्थ ऑर्बिट प्रोजेक्ट में करेंगे निवेश

स्टारलिंक से मुकाबले की तैयारी, रिलायंस ने बनाईं 6 स्पेशल टीमें

नई दिल्ली, जेएनएन। इंटरनेट की दुनिया में भारत स्टारलिंक का जवाब पेश करने की तैयारी कर रहा है। दरअसल रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सैटेलाइट कम्युनिकेशन स्पेस में कदम रखने का मन बना लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार रिलायंस लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट्स में अरबों डॉलर निवेश करने की योजना बना रहा है। इससे भारत अपना खुद का सैटेलाइट इंटरनेट नेटवर्क खड़ा कर सकेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलायंस अपनी टेलिकॉम यूनिट जियो प्लेटफार्म के तहत सैटेलाइट प्रोजेक्ट को खड़ा करना चाह रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए जियो ने छह अलग-अलग टीमें बनाई हैं, जो सैटेलाइट्स, लॉन्चिंग, पेलोड और यूजर टर्मिनल्स जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर काम कर रही हैं। कुछ महीनों से इस पर युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। इस सिलसिले में रिलायंस कई सैटेलाइट टेक्नोलॉजी फर्मों के साथ बैठकें कर रहा है। कंपनी किसी बनी-बनाई सैटेलाइट कंपनी को खरीदने के विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

भारत को डिजिटल संप्रभुता मिलेगी

भारत सरकार चाहती है कि देश का अपना सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम हो। वहीं अगर सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज के लिए स्टारलिंक जैसी दूसरे देशों की तकनीक पर निर्भर रहा जाए, तो यह डेटा प्राइवेसी के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है। अपना सैटेलाइट सिस्टम होने से भारत को डिजिटल संप्रभुता मिलेगी और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

सरकारी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य पुराने काम पूरा नहीं करने पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर ने ग्रामीण विकास के कार्यों की करी समीक्षा

मऊगंज ब्यूरो। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण अंचल में चल रहे कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पंचायतों में चल रहे पुराने और लंबित निर्माण कार्य पूरे कराएं। इन कार्यों को समय-समय पर मॉनिटरिंग कर तत्काल पूर्ण कराएं। इन्हें पूरा न करने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण विकास के कार्यों का लाभ जनता को तभी मिलेगा जब वे समय पर पूरे होंगे। कलेक्टर ने अमृत सरोवर योजना की प्रगति की भी जानकारी ली और शेष बचे सिविल कार्यों को शीघ्रता से निपटाने के निर्देश दिए। वहीं धरती आबा अभियान के अंतर्गत पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को लेकर उन्होंने संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवंटित आवासों के हितग्राहियों को दी जाने वाली किश्तें और राशि बिना किसी विलंब के उनके बैंक खातों में स्थानांतरित की जाए, ताकि आवास निर्माण की गति बाधित न हो।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि सभी आंगनवाड़ियों, सामुदायिक एवं पंचायत भवनों, शासकीय स्कूलों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रूफ-टॉप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संरक्षण को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह कार्य भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून से पूर्व यह कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए ताकि वर्षा जल का संचयन प्रभावी ढंग से हो सके। बैठक में सभी जनपद सीईओ तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य परीक्षण एवं नशा मुक्ति अभियान का आयोजन कर मनाया रेडक्रास स्थापना दिवस

सिरमौर, नि.प्र.। सिरमौर में रेडक्रास स्थापना दिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण एवं नशा मुक्ति अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन रेडक्रास सोसाइटी शाखा सिरमौर एवं भरोसा सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रेडक्रास के संस्थापक हेनरी ड्यूनॉट के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में बीपी जांच, वजन जांच, नेत्र परीक्षण, सामान्य स्वास्थ्य उपचार एवं निःशुल्क दवा वितरण जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य परीक्षण का दायित्व डॉ. के.वी. सिंह, सचिव, रेडक्रास सोसाइटी शाखा सिरमौर ने संभाला। उन्होंने अपने संबोधन में रेडक्रास की स्थापना की पृष्ठभूमि एवं इसके व्यापक कार्यक्षेत्र पर प्रकाश डाला। भरोसा सेवा समिति के संस्थापक एवं खैरहन सरपंच रजनीश कुशवाहा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सेवा परमो धर्म रेडक्रास का मूल सिद्धांत है, जो समाज को मानवीय मूल्यों से जोड़ता है। वहीं सिद्धार्थ विद्यालय के संचालक मुन्नीलाल वर्मा ने नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा करते हुए युवाओं को इससे दूर रहने की अपील की। दुलहरा के पूर्व सरपंच प्रेमलाल दहिया ने कहा कि नशा आज समाज की सबसे बड़ी विसंगति बन चुका है, जिसे सकारात्मक सोच और स्वभाव परिवर्तन के माध्यम से दूर किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भरोसा सेवा समिति की अध्यक्ष नीलू दहिया ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और शिक्षा के माध्यम से ही नशे जैसी बुराइयों का समूल नाश संभव है। कार्यक्रम का संचालन अनुपम अनूप द्वारा किया गया तथा आभार विजयपाल कुशवाहा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर एड. कमलेश कुशवाहा, लक्ष्मण कुशवाहा, महिमा बंसल, रामप्रसाद वर्मा, हीरालाल वर्मा, गीता कुशवाहा, श्यामलाल साहू, छेदीलाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, महिलाएं, बच्चे एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

तीन राज्यों में प्रचंड जीत पर हनुमना में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी के साथ बांटी मिठाइयां

विंध्य जनसंघ संस्थापक ने कहा, आज मिली श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि

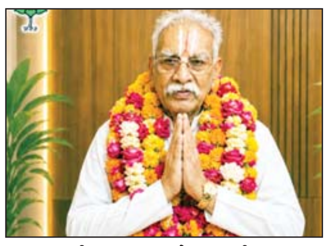

हनुमना, नि.प्र.। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल , असम में भारतीय जनता की सुनामी लहर रूपी प्रचंड बहुमत मिलने पुडुचेरी में एनडीए की सरकार बनने तथा अन्य राज्यों में भी एनडीए व भाजपा के वोट का रेशियो बढ़ने पर खुशी जाहिर करते हुए समूचे हनुमना नगर में जगह-जगह पटाखे फोड़ते हुए जहां लोगों ने जश्न मनाया वहीं हनुमना के नगर आराध्य श्री हनुमान जी महाराज को एवं श्री रामानुज आयुर्वेदिक औषधालय स्थित दिव्य श्रीबैकुंठुम में भी भगवान श्री बैकुंठनाथ का लड्डुओं का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया गया वहीं लोगों ने जीत की बधाइयां दी। भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में 208 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत तथा असम में भी 100 सीटों से भी अधिक विजयश्री हासिल करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विंध्य में जनसंघ के संस्थापक तथा लोकतंत्र सेनानी प्रख्यात नाड़ी विशेषज्ञ वरिष्ठ भाजपा नेता सरयूप्रसाद वैद्य ने कहा कि भारतीय राजनीति को नई दिशा देने वाले महान विचारक तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक देश प्राण श्रद्धेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा को आज सच्ची श्रद्धांजलि मिली है। श्री वैद्य ने समस्त देशवासियोंएवं पार्टी के एक-एक कार्यकर्ताओं तथा नेताओं को भी बंगाल , असम व पाण्डिचेरी के प्रचंड जीत की हार्दिक बधाइयां व शुभकामनाएं दी हैं।

पं. बंगाल विजय पर त्योंथर विधायक ने कार्यकर्ताओं को खिलाई झालमुड़ी और बंगाली मिठाई

त्योंथर ब्यूरो। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय और असम सहित अन्य राज्यों में मिली शानदार सफलता पर बुधवार को त्योंथर विधानसभा के विश्राम गृह में एक विशेष उत्सव आयोजित किया गया। क्षेत्रीय विधायक सिद्धार्थ तिवारी की उपस्थिति में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कर जीत की खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर पर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल की यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व के प्रति जनता के अटूट विश्वास और भाजपा के चाणक्य केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अचूक रणनीति की जीत है। विधायक ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कुशल सांगठनिक मार्गदर्शन में भाजपा ने बंगाल के साथ-साथ असम और अन्य राज्यों में भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है, जो कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है। विजय की इस बेला को बंगाल की संस्कृति से जोड़ते हुए विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने विश्राम गृह में मौजूद कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से बंगाल का प्रसिद्ध व्यंजन झालमुड़ी और बंगाली मिठाइयां वितरित कीं। विधायक ने स्वयं अपने हाथों से कार्यकर्ताओं को झालमुड़ी खिलाई और इस शानदार जीत की बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय और जय श्री राम के उद्घोष के साथ कार्यकर्ताओं ने आगामी समय में भी पार्टी के लिए इसी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस दौरान जिला मंत्री प्रणेश ओझा, मंडल अध्यक्ष घनश्याम यादव, सावेन्द्र शर्मा, वेद मिश्रा, अमरनाथ पंकेश, विद्यासागर शुक्ला, तुलाराम पाठक, कालीचरण मिश्रा, राजेश सोनी, राकेश आदिवासी, पंकजदत्त त्रिपाठी, अनुपम तिवारी, पवन मिश्रा ,गोपाल शंकर तिवारी, कृपाशंकर उपाध्याय, सतीश गुप्ता, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मत्स्य पालन की नवीन तकनीक के बारे में दी जानकारी

मछुआ चौपाल लगाकर जानी समस्याएं

मऊगंज। हनुमान ब्लॉक स्थित गोरमा जलाशय में आदिवासी मछुआ सहकारी समिति सदस्यों के साथ मछुआ चौपाल आयोजित कर मछुआरों की समस्याओं की जानकारी ली गई एवं उनके समाधान और शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। मछुआ चौपाल में कम मेहनत से अधिक लाभ प्राप्त करने हेतु जलाशय में केज लगाने प्रेरित किया गया। साथ ही मऊगंज ब्लॉक के देवरी गांव स्थित रामसागर जलाशय की मछुआ समिति के सदस्यों के साथ मछुआ चौपाल लगाकर उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं एवं आधुनिक तकनीक अपनाकर मत्स्य पालन का लाभ लेने एवं सहकारी बैंक में सभी के खाता खुलवाकर बचत सह राहत योजना के लाभ के बारे में बताया गया।

निर्माण कार्यों की राशि का पलीता लगा रहे अमिलकोनी सरपंच-सचिव

त्योंथर ब्यूरो। जनपद पंचायत त्योंथर अंतर्गत ग्राम पंचायत अमीलकोनी में सरपंच एवं सचिव तथा संबंधित उपयंत्री की मिलीभगत से निर्माण कार्यों में गुणवत्ताहीन सामग्री उपयोग करने के आरोप लगे हैं। संवाददाता को स्थानीय निवासियों ने बताया कि पंचायत में हो रहे किसी भी निर्माण कार्य में कोई पारिदर्शिता नहीं है। निर्माण कार्यों में उपायोग की जाने वाली कोई भी सामग्री जैसे रेत, गिट्टी, सीमेंट गुणवत्ताहीन प्रकार की उपयोग की जा रही है तथा पंचायत के निर्माण कार्यों में मिट्टी की मिलावट भी की जा रही है जिससे निर्माण कार्य अत्यंत घटिया स्तर का हो रहा है तथा जवाबदेहिता पर पूरी तरह से उदासीनता बरती जा रही है। ग्रामीणों ने आगे कहा कि शासकीय राशि का दुरुपयोग किए जाने की जानकारी समाचार के माध्यम से कई बार दी गई तथा लगातार निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की जांच की मांग की जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि इस स्थिति में जिला प्रशासन की भी जिम्मेदारी बन जाती है कि जांच पड़ताल करा ली जावे।

यहां किया जा रहा भ्रष्टाचार : ग्रामीणों ने कहा कि कंस्ट्रक्शन ऑफ रिचार्ज पिट पप्पू माझी के घर के पास स्वीकृत राशि रुपए डेढ़ लाख एवं कंस्ट्रक्शन ऑफ रिचार्ज लाला पांडे की दुकान के पास अमीलकोनी स्वीकृत राशि रुपए डेढ़ लाख रुपए एवं जल क्षमता वृद्धि एवं विस्तारीकरण कार्य करना तालाब अमीलकोनी स्वीकृत राशि रुपए 5 लाख 84473 रुपए एवं जल क्षमता वृद्धि एवं विस्तारीकरण कार्य बकुला तालाब जिसकी स्वीकृति राशि रुपए 14 लाख 9560 एवं कंस्ट्रक्शन ऑफ पीएम एवायजी हाउस कर इंडिविजुअल 19890 और आंगनवाड़ी भवन अमिलकोनी जिसकी स्वीकृत राशि रुपए 7 लाख 80 हजार रुपए एवं आईसीसी ड्रेन शमशेर के घर से चौराहा तरफ स्वीकृति राशि रुपए 537000 रूपये के कार्य का में भारी भ्रष्टाचार किया गया है। लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से स्थल परीक्षण किया जाने की मांग की है। लोगों ने यह भी कहा कि देखना यह होगा की जिला प्रशासन क्या निर्णय लेता है जिसकी प्रतिक्षा किया जाना ही उचित होगा।

सरपंच का फर्जी हस्ताक्षर बनाकर पंचायत की राशि आहरित कर रहे सचिव एवं उप सरपंच

ग्राम पंचायत देउपा कोठार का है मामला

त्योंथर ब्यूरो। त्योंथर विकास खण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत देउपा कोठार की महिला सरपंच ने संवाददाता को बताया कि उनके संरपच निर्वाचित होने के बाद से ही सम्बन्धित ग्राम पंचायत के उप सरपंच और सचिव दोनों की सांठ-गांठ से लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। जहां सरकार एक तरफ सुशासन और महिलाओं के अधिकार और भागीदारी की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार के सारे मानकों से आगे बढ़कर इस पंचायत में महिला सरपंच के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर सरकारी राशि का आहरण के आरोप लगे हैं। इस सम्बन्ध में महिला सरपंच द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाई गई है। महिला सरपंच ने संवाददाता को बताया कि राशि आहरण हेतु बनाई गई डीएससी आज़ तक सचिव द्वारा मुझे नहीं दिखाई गई। महिला सरपंच की इस व्यथा और गैर कानूनी तरीके से हो रहे भ्रष्टाचार पर ग्रामीणों ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि भला ऐसा भी हो सकता है। महिला सरपंच ने संवाददाता को बताया कि आरसीसी, नाली निर्माण आदि कार्य कराये जा रहे हैं और बिना मुझे बताए और बिना मेरे हस्ताक्षर के भुगतान भी किया जा रहा है। कम पढ़ी-लिखी होने की वजह से मैं हिन्दी में अपना नाम लिखती हूं, जिसकी नकल करके इन लोगों द्वारा फर्जी हस्ताक्षर से लगातार राशि आहरित की जा रही है। महिला सरपंच ने एसडीएम, जिला पंचायत सीईओ सहित कलेक्टर रीवा से न्याय की गुहार लगाई है तथा उप सरपंच एवं सचिव पर नियमानुषार कार्यवाही की मांग की है।

घर-घर पहुंचने लगे प्रगणक, मकान गणना का कार्य जारी

मऊगंज जागरण। राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने वाली जनगणना के प्रथम चरण का कार्य जारी है। इसी क्रम में मऊगंज जिले में जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत कार्यों को गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ संपादित किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और गणना कर्मियों की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर मकानों के सूचीकरण और गणना के कार्य में जुट गई है। तहसीलदार हनुमना शिवम गौतम ने ग्राम पंचायत बहुती में बृजेश कुमार मिश्रा के निवास पर जाकर स्वयं मकान का सूचीकरण एवं गणना कार्य किया। इस दौरान जनगणना से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी एकत्रित की गई तथा प्रपत्रों को विधिवत भरा गया। इस दौरान न केवल मकान का नंबर अंकित किया गया, बल्कि परिवार के सदस्यों और आवास की स्थिति से जुड़े प्रारंभिक आंकड़ों को भी दर्ज किया गया। डेटा की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रगणक किसी भी मध्यस्थ के बजाय सीधे गृहस्वामी से संपर्क कर रहे हैं। ग्राम पंचायत बहुती में ग्रामीणों द्वारा इस राष्ट्रीय कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है। बृजेश कुमार मिश्रा के घर से शुरू हुई यह प्रक्रिया अब पंचायत के अन्य हिस्सों में भी निरंतर जारी रहेगी।

दो माह से अधूरी पड़ी नाली रहागीरों के लिए बनी मुसीबत

हनुमना, नि.प्र.। हनुमना नगर परिषद हनुमना के वार्ड क्रमांक 12, सीधी रोड स्थित वृंदावन गार्डन (बारात घर) के सामने करीब 50 मीटर लंबी नाली की खुदाई दो माह पहले की गई थी, लेकिन आज तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। अधूरी और खुली पड़ी इस नाली के कारण स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने संवाददाता को बताया कि यह क्षेत्र आवागमन की दृष्टि से काफी व्यस्त है, खासतौर पर वृंदावन गार्डन में आयोजित शादी-ब्याह और सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान यहां लोगों की भीड़ अधिक रहती है। ऐसे में खुली नाली किसी बड़े हादसे को न्योता देती नजर आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारातियों और आम नागरिकों के गिरने की आशंका लगातार बनी रहती है, जिससे कभी भी खुशी का माहौल गम में बदल सकता है। निवासियों के अनुसार इस समस्या को लेकर कई बार नगर परिषद के सीएमओ और अध्यक्ष से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने मांग की है कि इस अधूरी नाली का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके और लोगों को राहत मिल सके। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती

जनसुनवाई में फर्जी एफआईआर रद्द करने सौंपा ज्ञापन

त्योंथर ब्यूरो। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ विकास खंड त्योंथर एवं मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ तहसील शाखा त्योंथर ने विश्राम गृह त्योंथर में विधान सभा क्षेत्र त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज द्वारा आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में ज्ञापन सौंपा। संवाददाता को पीड़ित ने जानकारी देते हुए बताया कि ज्ञापन में पटवारी द्वारा दुर्भावनग्रस्त हो कर मनोज कुमार मिश्रा सेक्टर सुपवाइजर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र त्योंथर के विरुद्ध कूट रचित फर्जी एफआईआर समुचित जांच कर निरस्त कराए जाने का विचार करते हुए एफआईआर निरस्त कराया जाय। विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने ज्ञापन में शीघ्र निष्पक्ष जांच कराए जाने हेतु आश्वस्त किए जाने की जानकारी दी।

गंदगी फैलाने वालों पर चालानी कार्यवाही हुई तथा अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

गुढ़ (नि. प्र)। नगर परिषद गुढ़ के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोहित शुक्ला ने बुधवार सुबह नगर क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था एवं अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों एवं स्थानीय लोगों द्वारा कचरा बाहर फेंके जाने तथा विशेष रूप से कुछ होटल संचालकों द्वारा रात के समय सड़क पर गंदगी फैलाए जाने की शिकायतों की पुष्टि हुई। निरीक्षण में नगर के अधिकांश हिस्सों में सड़क किनारे अतिक्रमण भी पाया गया। पूर्व में दी गई चेतावनी और सूचना के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं मिलने पर नगर परिषद ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने संवाददाता को बताया कि आज से चालानी कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी तथा सड़क पर किए गए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी। इसके लिए कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर जुर्माना राशि तय की गई है और टीमों का गठन कर आदेश जारी किए गए हैं। नगर परिषद द्वारा एक-दो दिन के भीतर पुनः निरीक्षण कर सख्ती से कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है, ताकि नगर में स्वच्छता एवं यातायात व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

सतना तिराहे के पास जानलेवा सड़क का गड्ढा

सेमरिया, नि.प्र.। सेमरिया नगर परिषद के अंतर्गत नगर पेयजल सप्लाई की पाइप लाइन डालने के लिए नगर में सतना तिराहा से रीवा रोड मेन बाजार, बिरसिहपुर रोड इन सभी जगह पर पाइप बिछाने का कार्य किया गया है लेकिन पाइप डालने के बाद रोड का डामरीकरण कार्य नहीं किया गया। नगर वासियों ने संवाददाता को बताया कि दिन भर धूल से जन जीवन अस्त व्यस्त रहता है। बीच सड़क में एक गड्ढा खुला छोड़ दिया गया है जो सतना तिराहा पर पान वाले के दुकान के सामने है जो दुर्घटना को खुला निमत्रण दे रहा है। जहां से दिन भर हजारों वाहन निकलते हैं। राहगीरों के साथ निकलते समय कभी भी हदसा हो सकता है, कोई बच्चा गिर सकता है, इसी तरह सरस्वती स्कूल के पास जो बड़ी नाली बनी है , पूरी खुली है, आए दिन पशु गिर जाते हैं, उस पर प्रशासन का ध्यान नहीं गया है। लोगों का कहना है कि नगरीय प्रशासन से आशा है जल्द से जल्द उस गढ्ढे को बंद कराया जाय जिससे कोई घटना न घटे साथ ही नाली को ढकने की भी मांग की गई है।

पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी को दी गई विदाई

मऊगंज जागरण। मऊगंज जिले के पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी का स्थानांतरण होने पर उन्हें कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समारोह में विदाई दी गई। विदाई समारोह के अवसर पर कलेक्टर संजय कुमार जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर पीके पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मैच 49: पंजाब को 33 रन से हराकर हैदराबाद शीर्ष पर, कॉनोली का शतक बेकार, कमिंस प्लेयर ऑफ द मैच

सनराइजर्स की किंग्स पर लगातार नौवीं जीत

जेएनएन, हैदराबाद

पंजाब किंग्स को कैच टपकाने का खामियाजा भुगतना पड़ा और बुधवार को आईपीएल के 49वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने उसे 33 रन से हराकर अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। हेनरिक क्लासेन और इशान किशन के अर्धशतकों के दम पर सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर चार विकेट पर 235 रन बनाए। सपाट विकेट पर सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि इशान मलिंगा ने चार ओवर में 34 रन देकर एक विकेट चटकाया। दोनों ने 21 डॉट गेंदें फेंकी और पंजाब 20 ओवर में सात विकेट पर 202 रन ही बना सके। कूपर कॉनोली ने 59 गेंद में नाबाद 107 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। पंजाब किंग्स की हैदराबाद में यह लगातार नौवीं हार थी। सनराइजर्स की इस सातवीं जीत के साथ 14 अंक हो गए हैं और वह दस टीमों में शीर्ष पर है। बाकी तीन मैचों में से एक जीत के साथ ही उसके 16 अंक हो जाएंगे, जो प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के लिए काफी है।

पावरप्ले का खेल

पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और चार रन के स्कोर पर उसके दो बल्लेबाज पवेलियन में थे। प्रियांश आर्य को कमिंस ने रवाना किया, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने नीतीश रेड्डी की गेंद पर कमिंस को कैच थमाया। कप्तान श्रेयस अय्यर भी पांच रन बनाकर आउट हो गए। मैच का नतीजा दो पावरप्ले में ही तय हो गया। सनराइजर्स के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने पावरप्ले में एक विकेट पर 79 रन बनाए थे, जबकि पंजाब तीन विकेट पर 57 रन ही बना सका।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबादः 235/4 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का. श्रेयस बो. फार्ग्यूसन	35	13	2	4
ट्रेविस हेड का. यानसन बो. चहल	38	19	3	3
किशन का. सूर्यांश बो. अर्शदीप	55	32	2	4
क्लासेन का. यानसन बो. वैशाक	69	43	3	4
नीतीश कुमार रेड्डी नाबाद	29	13	2	2

अतिरिक्तः 9, **कुलः** 20 ओवर में चार विकेट पर 235 रन, **विकेट पतनः** 1-54, 2-84, 3-172, 4-235, **गेंदबाजीः** अर्शदीप सिंह 4-0-43-1, मार्को यानसन 4-0-61-0, लॉकी फार्ग्यूसन 4-0-41-1, चहल 4-0-32-1, विजयकुमार वैशाक 4-0-54-1.

पंजाब किंग्सः 202/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
प्रियांस का. मलिंगा बो. कमिंस	1	3	0	0
प्रभसिमरन का. कमिंस बो. नीतीश	3	4	0	0
कूपर कॉनली नाबाद	107	59	7	0
श्रेयस का. कमिंस बो. मलिंगा	5	5	1	0
स्टॉयनिस का. किशन बो. शिवांग	28	14	3	2
शेडगे का. अभिषेक बो. कमिंस	25	17	1	2
शशांक का. नीतीश बो. साकिब	4	3	1	0
यानसन का. हर्ष बो. शिवांग	19	16	0	1
विजयकुमार वैशाक नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्तः 9, **कुलः** 20 ओवर में सात विकेट पर 202 रन, **विकेट पतनः** 1-4, 2-4, 3-23, 4-63, 5-110, 6-119, 7-187, **गेंदबाजीः** कमिंस 4-0-34-2, नीतीश रेड्डी 2-0-11-1, मलिंगा 4-0-36-1, साकिब 4-0-40-1, शिवांग 4-0-45-2, हर्ष 2-0-36-0.

पंजाब की खराब फील्डिंग

लगातार तीसरी हार के लिए पंजाब की लचर फील्डिंग कसूरवार रही। इशान और क्लासेन के कैच तीन बार छूटे, जबकि प्रभसिमरन ने स्टम्पिंग का मौका भी गंवाया। अभिषेक (13 गेंद में 35 रन) और हेड (19 गेंद में 38 रन) ने अर्शदीप सिंह और मार्को यानसेन की गेंदों की धुनाई करते हुए अर्धशतकीय साझेदारी की। इसके बाद क्लासेन (43 गेंद में 69 रन) और इशान (32 गेंद में 55 रन) ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए अर्धशतक लगाए। नीतीश ने 13 गेंद में नाबाद 29 रन का योगदान दिया। पिच से गेंदबाजों को बिल्कुल मदद नहीं मिली, जिसे देखते हुए चहल का प्रदर्शन काबिले तारीफ कहा जाएगा। उन्होंने चार ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया। उन्हें तीन विकेट मिले होते, लेकिन शशांक सिंह ने एक आसान कैच छोड़ा और प्रभसिमरन सिंह ने स्टम्पिंग का आसान मौका गंवाया। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने 17 छक्के जड़े। अभिषेक ने इनमें से चार, हेड ने तीन, इशान और क्लासेन ने चार चार छक्के लगाए। पंजाब के लिए अर्शदीप ने चार ओवर में 43 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि यानसेन ने 61 रन दे डाले और कोई सफलता नहीं मिली। इशान ने विजयकुमार वैशाख को लगातार तीन छक्के लगाकर अपने चिर परिचित फॉर्म की झलक दिखाई। अभिषेक ने यानसेन को लांग आफ और लांग आन पर छक्के लगाए। उन्होंने लॉकी फार्ग्युसन को पूल शॉट खेलकर टीम के 50 रन पूरे किए। अभिषेक पांचवां छक्का जड़ने के प्रयास में मिड आफ पर श्रेयस अय्यर को कैच दे बैठे। उनके जाने के बाद हेड ने मिडविकेट पर दो सपाट छक्के लगाए। वह लगातार तीसरा अर्धशतक जमाने से हालांकि चूक गए ।

हार का क्रम तोड़ने उतरेगी लखनऊ आरसीबी की नजरें शीर्ष स्थान पर

इकाना स्टेडियम में मुकाबला शाम 7:30 बजे से

जेएनएन, लखनऊ

लखनऊ सुपर जाएंट्स गुरुवार को आईपीएल के 50वें मुकाबले में अपने घर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से भिड़ेगी। इस सीजन में लगातार छह हार झेल चुकी लखनऊ के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा बन चुका है, क्योंकि एक और हार उनकी प्लेऑफ उम्मीदों को बड़ा झटका दे सकती है। इस सीजन लखनऊ का रिकॉर्ड भी साफ दिखाता है कि पहले बल्लेबाजी करना उनके लिए बड़ी समस्या रहा है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चारों मैच गंवाए हैं, जबकि लक्ष्य का पीछा करते हुए दो जीत हासिल की हैं। दूसरी तरफ आरसीबी का चेज में रिकॉर्ड शानदार रहा है। टीम ने इस सीजन लक्ष्य का पीछा करते हुए चारों मैच जीते हैं। यहां से लगातार जीत लखनऊ को 14 अंकों तक ही ले जा पाएगी, जबकि आरसीबी अगर यह मुकाबला जीतती है तो उनके 14 अंक हो जाएंगे। हेड टू हेड रिकॉर्ड भी आरसीबी के पक्ष में है। दोनों टीमों के बीच आईपीएल में खेले गए सात मैचों में बेंगलुरु ने पांच जीते हैं, जबकि इकाना में दोनों मुकाबले आरसीबी ने अपने नाम किए हैं। लखनऊ ने इस सीजन पावरप्ले में सबसे बेहतर इकॉनमी रेट (8.0) रखा है, जबकि आरसीबी 9.4 के साथ चौथे स्थान पर है। लखनऊ ने शुरुआती छह ओवरों में सबसे कम 16 छक्के दिए हैं। दूसरी तरफ आरसीबी के लिए भुवनेश्वर नई गेंद से शानदार फॉर्म में हैं।

इकाना में लखनऊ का खराब रिकॉर्ड

सुपर जाएंट्स इकाना स्टेडियम में लगातार आठ मैच हार चुकी है, जो आईपीएल इतिहास में किसी एक मैदान पर संयुक्त रूप से दूसरी सबसे लंबी हार की लकीर है। अगर लखनऊ इस मैच में भी हारती है, तो यह सिलसिला नौ मैचों तक पहुंच जाएगा और टीम दिल्ली के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगी, जिसने 2013 से 2015 के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में लगातार नौ मुकाबले गंवाए थे। आईपीएल में किसी एक वेन्यू पर सबसे लंबी हार की सूची में लखनऊ के अलावा पंजाब, केकेआर और डेक्कन चार्जर्स भी लगातार आठ हार के साथ शामिल हैं।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

क्लासेन (हैदराबाद)	494
अभिषेक (हैदराबाद)	475
केएल राहुल (दिल्ली)	445

पर्पल कैप (गेंदबाज)

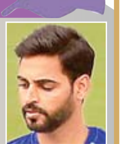

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	17
अंशुल कंबोज (चैन्नई)	17
कगिसो रबाड़ा (गुजरात)	16

बाउंड्री मीटर

915 छक्के
1512 चौके
97 अर्धशतक

पंजाब के कप्तान श्रेयस का यह 250वां टी-20 मैच था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। ओवरऑल दोनों टीमों के बीच अभी तक कुल 25 मैच हुए हैं जिसमें से हैदराबाद ने 17 और पंजाब ने केवल आठ ही मैच जीते हैं।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
हैदराबाद	11	7	4	14	0.737
पंजाब	10	6	3	13	0.571
बेंगलुरु	9	6	3	12	1.420
राजस्थान	10	6	4	12	0.510
गुजरात	10	6	4	12	-0.147
चेन्नई	10	5	5	10	0.151
दिल्ली	10	4	6	8	-0.949
कोलकाता	9	3	5	7	-0.539
मुंबई	10	3	7	6	-0.649
लखनऊ	9	2	7	4	-1.076

आईपीएल का फाइनल अहमदाबाद में धर्मशाला-न्यू चंडीगढ़ में प्लेऑफ मैच

इससे पहले बेंगलुरु में होना था खिताबी मुकाबला

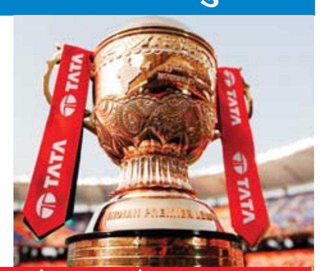

नई दिल्ली, जेएनएन। बेंगलुरु के बजाय अहमदाबाद लगातार दूसरे सत्र में 31 मई को आईपीएल के फाइनल की मेजबानी करेगा, जबकि क्वालिफायर एक धर्मशाला और दो अन्य प्लेऑफ मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने बुधवार को यह घोषणा की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मौजूदा चैंपियन होने के कारण परंपरा के अनुसार फाइनल बेंगलुरु में खेला जाना था। पिछले साल के अलावा अहमदाबाद ने इससे पहले 2022 और 2023 में आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी। बीसीसीआई ने कहा कि आईपीएल फाइनल की मेजबानी के लिए मूल रूप से बेंगलुरु को चुना गया था, लेकिन स्थानीय संघ और अधिकारियों की कुछ ऐसी मांगों के कारण जो बीसीसीआई के स्थापित दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं, आयोजन स्थल को स्थानांतरित कर दिया गया है। बोर्ड ने हालांकि कर्नाटक की राजधानी में फाइनल आयोजित करने के लिए की जा रही मांगों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया है। धर्मशाला में पहली बार आईपीएल प्लेऑफ का कोई मैच खेला जाएगा।

प्लेऑफ शेड्यूल

क्वालिफायर-1	26 मई	धर्मशाला
एलिमिनेटर	27 मई	न्यू चंडीगढ़
क्वालिफायर-2	29 मई	न्यू चंडीगढ़
फाइनल	31 मई	अहमदाबाद

साका के गोल से आर्सेनल 20 साल में पहली बार चैंपियंस लीग के फाइनल में

सेमीफाइनल के दूसरे चरण में एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराया

जेएनएन, लंदन

बुकायो साका के पहले हाफ के आखिर में किए गए गोल की मदद से आर्सेनल ने मंगलवार को एटलेटिको मैड्रिड को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 1-0 से हराकर 20 साल में पहली बार चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। खेल के 45वें मिनट में लिएंड्रो ट्रोसार्ड के शॉट को जान ओब्लाक ने बचा लिया, जिसके बाद साका ने रिबाउंड पर गोल दागकर आर्सेनल को सेमीफाइनल में कुल मिलाकर 2-1 की बढ़त दिला दी। सेमीफाइनल का पहला चरण 1-1 से बराबर रहा था। बढ़त हासिल करने के बाद आर्सेनल की रक्षापंक्ति ने उसे बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाई। आर्सेनल ने अब तक तीनों नॉकआउट राउंड में अपने घरेलू मैदान पर एक भी गोल नहीं खाया है। टीम ने लीग चरण में अपने सभी आठ मैच जीतकर प्रतियोगिता में सबसे कम चार गोल खाए थे। यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में आर्सेनल का यह केवल दूसरा फाइनल होगा। इससे पहले वह 2006 में फाइनल में पहुंचा था, लेकिन तब बार्सिलोना से हार गया था। इस बार फाइनल में उसका सामना 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट में मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) या बायर्न म्यूनिख से होगा। पीएसजी ने सेमीफाइनल के पहले चरण में 5-4 से जीत हासिल की थी। आर्सेनल के लिए यह सत्र विशेष हो सकता है, क्योंकि वह चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने की बेहद करीब है।

■ साका, पीएसजी के खिलाफ 12 महीने पहले किए गए गोल के बाद, चैंपियंस लीग के दो सेमीफाइनल में गोल करने वाले आर्सेनल के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अब लगातार दो मैचों में गोल किए हैं- उतने ही गोल जितने उन्होंने फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष करते हुए अपने पिछले 26 मैचों में किए थे।

पहली बार महिला सीरीज के लिए जिम्बाब्वे की मेजबानी करेगा भारत

तीन टी-20 और तीन वनडे मैच खेलेंगी दोनों टीमें

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीमें इस साल पहली बार एक दूसरे खिलाफ कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेंगी, जब अक्टूबर में सफेद गेंद दौरे के लिए जिम्बाब्वे की टीम भारत आएगी। इस दौरे पर तीन टी-20 और तीन वनडे खेले जाएंगे जो कि जिम्बाब्वे का पहला भारत दौरा होगा। द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए भारत ने अभी तक जिम्बाब्वे का दौरा नहीं किया है। तीनों टी-20 मुकाबले रायपुर में 16, 18 और 20 अक्टूबर को खेले जाएंगे और तीनों वनडे मुकाबले वड़ोदरा में 23, 25 और 28 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इन मुकाबलों की घोषणा बुधवार को बीसीसीआई ने की और इसके साथ ही सितंबर में ऑस्ट्रेलिया ए और दिसंबर में इंग्लैंड ए के खिलाफ भारत ए की घरेलू सीरीज के कार्यक्रम की भी घोषणा की। इन दोनों ही सीरीज में तीन टी-20, तीन लिस्ट ए और एक बहुदिवसीय मुकाबला खेला जाएगा। जून और जुलाई में भारत की अंडर-19 महिला टीम भी तीन टी-20 और तीन 50 ओवर के मुकाबलों के लिए श्रीलंका अंडर-19 टीम की मेजबानी करेगी और पांच टी-20 मुकाबलों के लिए नवंबर और दिसंबर में इंग्लैंड अंडर-19 टीम की भी मेजबानी करेगी। सितंबर और अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया ए का पुरुष दल दो बहुदिवसीय मुकाबलों और तीन वनडे मुकाबलों के लिए भारत का दौरा करेगा जबकि ऑस्ट्रेलिया का अंडर-19 दल सितंबर और अक्तूबर में दो बहुदिवसीय मुकाबलों और तीन एकदिवसीय मुकाबलों के लिए भारत का दौरा करेगा।

रायपुर में आरसीबी के खिलाफ खेल सकते हैं हार्दिक पंड्या

मुंबई, जेएनएन। कप्तान हार्दिक पंड्या रायपुर पहुंचने वाले मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के पहले जत्थे में शामिल नहीं थे, लेकिन आरसीबी के खिलाफ रविवार को आईपीएल के अगले मैच तक उनके फिट होने की संभावना है। मुंबई ने पिछला मैच चार मई को लखनऊ से खेला था और आरसीबी के खिलाफ अगला मैच दस मई को है। मुंबई के खिलाड़ी और स्टाफ अलग-अलग बैच में रायपुर पहुंच रहे हैं। हार्दिक कमर में जकड़न के कारण लखनऊ के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेले थे। टीम सूत्र ने हालांकि कहा कि मामूली चोट है और उन्हें एक मैच के लिए आराम करने को कहा गया था। वह रजत पाटीदार की अगुआई वाली आरसीबी के खिलाफ बेहद अहम अगले मैच में खेलेंगे।

नीदरलैंड की महिला टी-20 विश्व कप टीम में लीमहुइस, रोसाली लॉरेंस को मिला मौका

नई दिल्ली, जेएनएन। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के लिए नीदरलैंड की टीम का ऐलान हो गया है। बाबेट डी लीडे को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। टी-20 विश्व कप के लिए जिस टीम का ऐलान किया गया है, वही टीम बांग्लादेश और मेजबान स्कॉटलैंड के साथ एक त्रिकोणीय सीरीज भी खेलेगी। जनवरी में टी-20 विश्व कप क्वालिफायर खेलने वाली टीम में दो बदलाव हुए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज रोसाली लॉरेंस और गेंदबाजी ऑलराउंडर लारा लीमहुइस की टीम में वापसी हुई है। नीदरलैंड उन चार टीमों में से एक है जिसने क्वालिफायर खेलकर मेन टूर्नामेंट में अपनी जगह बनाई है। नीदरलैंड की टीम पहली बार महिला टी-20 विश्व कप में हिस्सा लेगी। टी-20 विश्व कप में नीदरलैंड की टीम ग्रुप 1 में है। इस ग्रुप में बांग्लादेश, इंडिया, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान की टीमें भी हैं। टीम 14 जून को बांग्लादेश के खिलाफ एजबस्टन में अपना पहला मैच खेलेगी। इससे पहले 28 मई से 4 जून तक स्कॉटलैंड में ट्राई सीरीज खेली जाएगी।

टीमः बाबेट डी लीडे (कप्तान), कैरोलिन डी लेंज, फ्रेड्रिक ओवर्डिक, हना लांधेर, हीथर सीजर्स, आयरिश ज्विलिंग, इसाबेल वेन डर वॉनिंग, लारा लीमहुइस, मिर्थ वैन डेन राड, फेबे मॉलकेनबोर, रॉबिन रिजिके, रोसाली लॉरेंस (कीपर), सान्या खुराना, सिल्वर सीजर्स और स्टीयर कैलिस।

खेल एक नजर

मेंटल हेल्थ का ध्यान नहीं रखने पर फुटबॉल क्लब पर लगा जुर्माना

मेलबर्न, जेएनएन। ऑस्ट्रेलियाई रूल्स फुटबॉल क्लब कार्लटन पर एक खिलाड़ी के मैदान पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से निपटने में लापरवाही बरतने के लिए 75,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (54,000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया है। एलिजा हॉलैंड्स 16 अप्रैल को कार्लटन और कोलिंगवुड के बीच ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) के मैच में खेले थे, जबकि वह मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थे। मैच के फुटेज से भी यह स्पष्ट हो गया था, जिस कारण प्रशंसकों और अन्य लोगों ने उनकी स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की थी। फुटेज में हॉलैंड्स भ्रमित और अनियमित रूप से चलते हुए दिखाई दिए। यही नहीं वह वार्म-अप के दौरान भी असामान्य हरकतें कर रहे थे। वह गेंद पर सही तरह से किक भी नहीं मार पा रहे थे। उनका एक शॉट केवल कुछ मीटर तक ही गया। इस मैच के पांच दिन बाद 24 वर्षीय हॉलैंड्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एलिजा हॉलैंड्स के पिता और पूर्व एएफएल खिलाड़ी बेन हॉलैंड्स ने सोशल मीडिया पर अपने बेटे की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अगर उनके दोस्त मुश्किल में हैं तो उनका हालचाल पूछें।

वीनस से ओसाका तक मेट गाला में छाए खेल मैदान के सितारे

जेएनएन, न्यूयॉर्क

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फैशन इवेंट मेट गाला 2026 में इस बार खेल जगत के सितारों ने अपने ग्लैमरस अंदाज से रेड कार्पेट पर खास पहचान बनाई। कॉस्ट्यूम आर्ट थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में टेनिस, बास्केटबॉल, स्कीइंग और ओलंपिक खेलों से जुड़े खिलाड़ियों ने अनोखे डिजाइनर आउटफिट्स में शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। टेनिस दिग्गज वीनस विलियम्स इस बार इवेंट की को-चेयर रहीं। उन्होंने ब्लैक शिमरी गाउन और सिल्वर ज्वेलरी के साथ बेहद आकर्षक लुक पेश किया। जापानी टेनिस स्टार नाओमी ओसाका ने सफेद-लाल अवांट-गार्डे ड्रेस, बड़े हैट और ग्लव्स के साथ फैशन प्रेमियों का ध्यान खींचा। डब्ल्यूएनबीए स्टार एंजेल रीस और एजा विल्सन भी स्टाइलिश डिजाइनर गाउन में नजर आईं। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एलिसा लियू और स्कीइंग स्टार लिंडसे वॉन ने भी रेड कार्पेट पर अपने फैशन स्टेटमेंट से प्रभावित किया। इस वर्ष की थीम के जरिए पिछले 5000 वर्षों में कला और परिधानों के संबंध को दर्शाया गया।

■ **वीनस विलियम्सः** वीनस ने ब्लैक कलर की आकर्षक ड्रेस के साथ डायमंड जड़ित नेकलेस पहना।

■ **सेरेना विलियम्सः** सेरेना चमकदार सिल्वर ड्रेस में नजर आईं। उनकी ड्रेस के एक पैर की ओर शाखाओं जैसी डिजाइन बनी हुई थी, जिसने उनके आउटफिट को अलग पहचान दी।

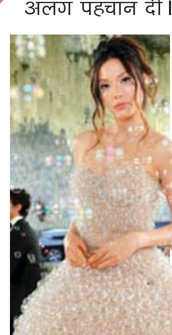

■ **एलीन गुः** फ्रीस्टाइल स्कीयर एलीन गु के आउटफिट की थीम बबल्स रही। फोटोशूट के दौरान उनके आसपास बुलबुले भी उड़ाए।

लिंडसे वॉन : विंटर ओलंपिक में गंभीर पैर की चोट के करीब तीन महीने बाद लिंडसे वॉन मेट गाला के रेड कार्पेट पर नजर आईं।

नाओमी ओसाकाः नाओमी की लाल ड्रेस सबके आकर्षण का केंद्र बन गई।

दैनिक जागरण
रीवा शहर
रीवा, 07 मई , 2026
www.dainikjagranmpcg.com

कमिश्नर 8 मई को करेंगे सड़क निर्माण की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 8 मई को कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में जिले में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे सड़क निर्माण की समीक्षा करेंगे। बैठक में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा एनएचएआई द्वारा बनाई जा रही सड़कों की समीक्षा की जाएगी।

कमिश्नर आज करेंगे लोक निर्माण विभाग की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 7 मई को लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक सुबह 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में आरंभ होगी। बैठक में लोक निर्माण विभाग पीआईयू, सेतु निर्माण विभाग की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सिरमौर रेंजर को दिया नोटिस

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सिरमौर रेंज के रेंजर अरूण शुक्ला को कारण बताओ नोटिस दिया है। लोक सेवा गारंटी योजना 2010 के तहत वन्य प्राणियों से जनहानि में राहत राशि भुगतान का प्रकरण लंबित रहने के कारण नोटिस दिया गया है। तय समय सीमा 31 मार्च के बाद भी प्रकरण निराकृत नहीं हुआ है। प्रकरण का तीन दिन में निराकरण न होने पर अधिनियम के प्रावधानों के तहत जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433
9981287311

नवागत एसपी गुरुकरन सिंह ने संभाला प्रभार

जागरण, रीवा। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक 2014 बैच के आईपीएस गुरुकरन सिंह ने बुधवार को अपनी आमद दर्ज कराते हुए पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान से मुलाकात कर चर्चाएं कीं। पदभार ग्रहण करने के बाद नवागत पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह ने कहा कि इसके पूर्व वे वर्ष 2015-16 में रीवा जिले में बतौर प्रशिक्षु आईपीएस गोविंदगढ़ थाना प्रभारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि 11 वर्ष बाद उनका इस जिले में आगमन हुआ है, इस दौरान बहुत सारी चीजें बदल गई हैं। नवागत पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह मूलतः पंजाब प्रांत के हैं, उन्होने बताया कि इसके पूर्व वह नर्मदापुरम, दतिया व नरसिंहपुर जिले में बतौर पुलिस अधीक्षक कार्य कर चुके हैं जबकि एसपी साइबर क्राइम भोपाल में भी पदस्थ रह चुके हैं। जावरा जिले से स्थानांतरित होकर रीवा

पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ हुए एसपी गुरु करण सिंह ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य कानून व्यवस्था को बनाए रखना और ड्रग्स, साइबर क्राइम व महिला अपराधों पर लगाम लगाना प्राथमिकता में रहेगा।

उधारी विवाद में असामाजिक तत्वों ने व्यापारियों पर किया हमला, 7 घायल

डभौरा कस्बे 6 घंटे तक चकाजाम आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे व्यापारी

जागरण, रीवा

डभौरा कस्बे में असमाजिक तत्वों ने उधारी विवाद में एक व्यापारी से मारपीट की जब बीच बचाव में आसपास के अन्य व्यापारी आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए वहीं नाराज व्यापारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर हरदोली चौराहा में चकाजाम कर दिया। इस दौरान पूरे कस्बे में तनाव की स्थित निर्मित रही। हालात यहां तक पहुंच गए कि रीवा से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा। करीब 6 घण्टे चले प्रदर्शन के बाद व्यापारी मानने को तैयार हुए जिसके बाद यातायात बहाल हो सका। बताया गया कि पहले एक आरोपी से व्यापारी की उधारी को लेकर बहस हुई जिसके बाद वह लौट गया और अपने अन्य साथियों के साथ वाहन में सवार होकर लाठी-डंडे से साथ पहुंचा। इस दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा व्यापारी सहित अन्य व्यापारियों के साथ जमकर मारपीट की गई। घटना से आक्रोशित व्यापारियों ने हरदोली चौराहे पर चकाजाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जो करीब 6 घंटे तक चलता रहा। जानकारी के अनुसार, डभौरा कस्बे में एक व्यापारी और कुछ युवकों के बीच उधारी की रकम को लेकर पहले कहासुनी हुई थी। मामला शांत होने के बाद आरोपी अपने अन्य साथियों को लेकर दोबारा मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि आरोपी लाठी-डंडों से लैस थे और आते ही व्यापारी पर हमला कर दिया। व्यापारी को बचाने पहुंचे अन्य व्यापारियों के साथ भी जमकर मारपीट की गई। इस हमले में करीब सात व्यापारी घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद व्यापारियों में भारी आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में व्यापारी हरदोली

चौराहे पर एकत्र होकर सड़क पर बैठ गए। व्यापारियों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर चकाजाम कर दिया।

आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई के भरोसे के बाद शांत हुआ मामला

सूचना मिलते ही डभौरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों को समझाने का प्रयास करती रही, लेकिन व्यापारी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। स्थिति को देखते हुए रीवा से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाना पड़ा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लगातार समझाइश के बाद करीब 6 घंटे बाद प्रदर्शन समाप्त हो सका। घटना के दौरान चकाजाम की वजह से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मामले में आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। इस घटना में व्यापारी शैलेंद्र गुप्ता, संजीव गुप्पा, आयुष गुप्ता, गोलू गुप्ता सहित

सात घायल हुए व्यापारियों ने मामले में आरोपी अमित सिंह चौहान व महाजन सिंह निवासी जतरी सहित आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज करवाई है, जिसके बाद पुलिस मामला पंजीबद्धकर आगे की कार्रवाई में लगी हुई है।

> व्याापारियों के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है, आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर व्यापारियों ने प्रदर्शन किया था, जिन्हे समझाइश देकर जाम खुलवाया गया। आरोपियों की तलाश की जा रही है।
>
> **ऋषभ सिंह, थाना प्रभारी डभौरा**

एसडीएम कार्यालय का क्लर्क 15 हजार की रिश्वत लेते ट्रैप

ब्योहारी में लोकायुक्त की टीम ने की कार्रवाई

जागरण, रीवा। एसडीएम कार्यालय ब्योहारी में रीवा लोकायुक्त की टीम ने क्लर्क को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ ट्रैप कर लिया। आरोपी वीर सिंह जाटव क्लर्क अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय ब्योहारी में पदस्थ था। शिकायतकर्ता सुरेश कुमार जायसवाल निवासी निपनिया ने लोकायुक्त के पास रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने बताया थ कि ग्राम पपौद में वह अपनी पत्नी के नाम भूमि क्रय किया था जिसका रकबा 1020/4/1/1 है। पत्नी अंकेता जयसवाल द्वारा कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुविभाग ब्योहारी जिला शहडोल में उक्त भूमि पर हुए विवाद की अपील प्रस्तुत की जिसके बाद उसने फैसले के आदेश की कॉपी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विभाग ब्योहारी के बाबू वीर सिंह से माँगी तो उनके द्वारा आदेश की कॉपी देने के एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की गई। शिकायत प्राप्त होने पर लोकायुक्त संभाग रीवा के द्वारा सत्यापन कराया गया । शिकायत सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा रिश्वत की मांग करना सही पाया गया जिस पर बुधवार को लोकायुक्त संभाग रीवा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपी वीर सिंह जाटव पिता रामचरण जाटव 40 वर्ष, पद क्लर्क अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय ब्योहारी, मूल निवासी वार्ड नंबर 47 गली नंबर 6 जिला मुरैना को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया गया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 7 (क)भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधन अधिनियम 2018 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है ।

महिला पुलिस की वर्दी फाड़ने वाले आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से दूर

जागरण, रीवा। मऊगंज के लौर थाना क्षेत्र के शुकुलगवां में बीते दिन एक महिला को पूछताछ के लिए लेने पहुंची पुलिस टीम पर हमला और दो आरक्षकों की वर्दी फाड़ने का मामला सामने आया था। मऊगंज थाना में महिला के खिलाफ उसके ससुराल पक्ष के लोगों ने ही मामला पंजीबद्ध कराया था। ससुराल पक्ष की छोटी बहू के जेवर और नकदी चोरी की शंका में मऊगंज पुलिस बड़ी बहू प्रियंका शर्मा को लौर थाना क्षेत्र के शुकुलगवां उसके मायके नोटिस तामील कराने और पूछताछ के लिए लेने आई थी। जिस पर मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस टीम को घेर लिया और शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए दो महिला पुलिस कर्मियों की वर्दी फाड़ दी। इस दौरान काफी देर तक तनाव की स्थित निर्मित रही। इसके बाद पुलिस की अतिरिक्त टीम मौके पर पहुंची जिसके बाद मामला शांत हुआ। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों पर शासकीय कार्य में बाधा और पुलिस कर्मियों से छीना झपटी करने के मामले में प्रकरण पंजीबद्ध किया था। लेकिन अब तक आरोपी पुलिस की पहुंच से दूर हैं। लौर पुलिस की मानें तो मायके पक्ष के लोगों में एक महिला की डिलेवरी होनी है, जो अस्पताल में है, जल्द ही प्रकरण में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल में नाबालिग श्रमिक के ऊपर पाइप गिरने से मौत

सिरमौर में हुआ हादसा, परिजनों ने आर्थिक सहायता दिलाने की उठाई मांग

जागरण, रीवा। सिरमौर कस्बे में निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल में निर्माण कार्य में लगे नाबालिग श्रमिक के ऊपर पाइप गिर जाने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस सहित परिजन मौके पर पहुंचे और परिजनों ने निर्माण कर रही एजेंसी से आर्थिक सहायता की मांग की है। घटना की जानकारी के बाद सिरमौर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक बीती शाम तकरीबन 4 बजे मृतक मोहम्मद नाकिम 17 वर्ष निवासी हरदी थाना बैकुंठपुर निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल में बतौर श्रमिक काम कर रहा था। परिजनों के मुताबिक जेसीबी मशीन से मृतक और उसके साथी ने पाइप को बिल्डिंग के ऊपर रखा इसके बाद जेसीबी हटाते समय अचानक पाइप नाकिम के सिर पर गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के तत्काल बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। परिजनों ने निर्माण कर रही एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि नाबालिग को निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा के लिए कोई भी सामग्री या उपकरण नहीं दिए गए थे। परिजनों का आरोप है कि अगर वह हेलमेट लगाया होता तो उसकी जान बच सकती थी। परिजनों ने अब निर्माण एजेंसी से आर्थिक सहायता की भी मांग की है। सिरमौर पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है वहीं मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

बेटे की मौत पर न्याय के लिए भटक रहा पीड़ित परिवार

जागरण, रीवा। हनुमना थाना क्षेत्र के लोढ़ी गांव में अवैध खनन का खेल लंबे समय से चल रहा है। बीते वर्ष ऐसी ही एक घटना सामने आई थी जहां अपनी मेहनत का पैसा मांगने गए युवक की ट्रैक्टर ट्राली के नीचे दबने से मौत हो गई थी। पीड़ित परिवार बेटे की मौत पर न्याय के लिए दरदर भटक रहा है। मृतक राजभान साकेत के पिता का कहना था कि बेटा अपने हक का पैसा मांगने गया था लेकिन जिंदा वापस नहीं लौटा, आरोप है कि पत्थर से लदे ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया गया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता तीरथ साकेत का आरोप है कि जिस ट्रैक्टर से हादसा हुआ, पुलिस ने उसे ही बदल दिया और असली ट्रॉली गायब कर दी गई। पुलिस पर आरोप है कि किसी दूसरे ट्रैक्टर को जब्त कर मामले को दबाने की कोशिश की गई।

बी.एड. प्रवेश 2026
02.05.2026 से 14.05.2026
• नीरांचल कॉलेज, (B.Ed 1167) मनकहरी रीवा (म.प्र.)
• श्रीराम कॉलेज (D.Ed 31215) परसिया, जिला मैहर (म.प्र.)
• गुरूकुल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, (D.Ed 31221) अमरपाटन, जिला मैहर (म.प्र.)
• निवेदिता बी.एड. कालेज (B.Ed 2057) , लालगांव, रीवा (म.प्र.)
संपर्क : 9424337730, 6261666812, 7000177901
प्रयागराज काम्पलेक्स
सिंचाई विभाग के सामने बजरंग नगर गेट के सामने, रीवा (म.प्र.)

कमला नेहरू उच्च.माध्य.विद्यालय
बाण सागर कालोनी, रीवा
प्रवेश प्रारंभ Nur. To 12th English Medium
32 वर्षों से संचालित विश्वास का प्रतीक
आवश्यकता है
अंग्रेजी - 2 पद
गणित - 2 पद
आर्ट - 2 पद
इंगलिश मीडियम प्राथमिक शिक्षक - 6 पद
इच्छुक अभ्यर्थी संपूर्ण बायोडाटा के साथ संपर्क करें
इंगलिश मीडियम में योग्य अनुभवी शिक्षकों की आवश्यकता है।
संपर्क करें: 9755844900,7415156972,7000215923

प्रवेश प्रारंभ
NCVT & DGET भारत सरकार से मान्यता प्राप्त
सतपुड़ा I.T.I.
"हुनर से रोजगार तक हम आपके साथ है"
ELECTRICIAN 2 YEARS
FITTER 2 YEARS
COPA 1 YEARS
प्रवेश प्रारंभ सत्र- 2026-27
ST/SC/OBC के छात्रों को शासन द्वारा छात्रवृत्ति की सुविधा
Eligibility 10th Pass
पता- बारंयाकला सीधी रोड, मऊगंज (म.प्र.)
मो.:- 7000558230,6262604132,7999190729

मिनर्वा आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एम्ब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एंब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की झाई, मुंहासे, मस्से, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
मो.-7247097637
परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

SHRI RAMKRISHNA COLLEGE OF PHARMACY
APPROVED BY: PCI NEW DELHI AND AFFILIATED TO RGPV BHOPAL (M.P.)
B.Pharma
D.Pharma
REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
6262084843, 9183484843
Campus -Deora, Airport road chorahata,Rewa (M.P)

मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
कार्डियक सर्जरी
पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)
9893516364, 8770288324 | टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर
डॉ प्रदीप निगम
MD, DrNB (गैस्ट्रो)
उपलब्ध सुविधा
• एंडोस्कोपी
• कोलोनोस्कोपी
• फाइब्रोस्केन
• ERCP
पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
Call Now 8770352872,7566926696
पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

डॉ. अनुशा पाण्डेय
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ऑब्स एण्ड गायनी)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, लेप्रोस्कोपिक सर्जन
संबंधित समस्याएँ
परामर्श समयः सुबह 11:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक प्रतिदिन
निःशुल्क परीक्षण कैम्प हर महीने की 15 तारीख को
मिलने का पता श्री समाधान सोनोग्राफी सेंटर
8085813545

विंध्य के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ.पी.सी. द्विवेदी
एम.एस. (नेत्र)
सेवानिवृत एवं पूर्व विभागाध्यक्ष
का नया पता
समयः सुबह 10 बजे से 2 बजे तक
जूनियर MIG-3 हेडगेवार नगर कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम के सामने, रीवा
आस्था मेडिकल स्टोर, ढेकहा तिराहा, रीवा
समयः शाम 5 बजे से 7 बजे तक
8966825155,7225925922,9179687302

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com